हिन्दी दैनिक
जन-जन की वाणी...
सोन वर्षा वाणी
आरा, औरंगाबाद एवं दुमका से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
• रजि नं. - BIHHIN/2017/72765 • आरा • शुक्रवार • 20 मार्च 2026 • वर्ष 10 • अंक 312 • पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 2.00

संक्षिप्त समाचार

द्वितीय ब्रह्मचारिणी

नव दुर्गा के दूसरे रूप का नाम है मां ब्रह्मचारिणी। ब्रह्मचारिणी का अर्थ है वह जो असीम, अनन्त में विद्यमान, गतिमान है। एक ऊर्जा जो न तो जड़ न ही निष्क्रिय है, किन्तु वह जो अनन्त में विचरण करती है। यह बात समझना अति महत्वपूर्ण है - एक गतिमान होना, दूसरा विद्यमान होना।

देश के कई राज्यों समेत महाराष्ट्र में मनी गुड़ी पड़वा

- चैत्र नवरात्र उत्सव शुरु- देवी मंदिरों में उमड़ी भीड़
- पीएम मोदी ने हिंदू नव वर्ष पर 9 तरह से शुभकामनाएं पोस्ट कीं

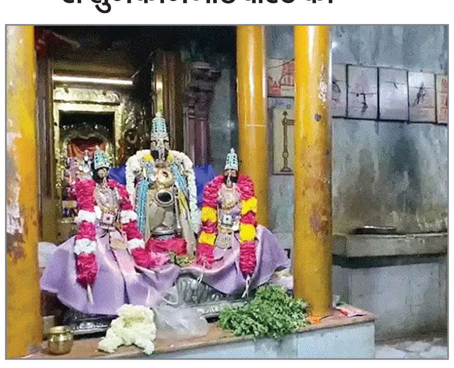

नईदिल्ली/मुंबई (एजेंसी)। देशभर में नवरात्रि का उत्सव मनाया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के कटरा में बारिश के बीच भक्त दर्शन करने पहुंचे। वहीं यूपी में भी बड़े मंदिरों में भीड़ नजर आ रही थी। उधर देश के कई राज्य समेत महाराष्ट्र में भी गुड़ी पड़वा उत्सव धूमधाम से मनाया गया। नागपुर में सीएम देवेंद्र फडणवीस भी हिंदू नव वर्ष के कार्यक्रम में शामिल हुए। उधर पीएम ने देशवासियों को नवरात्रि और नव वर्ष पर 9 अलग-अलग तरह से पोस्ट कर बधाई दी।

उखड़े पेड़, ढही दीवारें और गिरी छत...

पाकिस्तान में भीषण तूफान से तबाही, कराची में 21 लोगों की मौत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कराची में आए भीषण आंधी-तूफान और तेज बारिश ने भारी तबाही मचाई। पुलिस और राहत अधिकारियों के अनुसार, इस इसमें कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हुए हैं। मौसम विभाग ने बताया कि कुछ इलाकों में हवाओं की रफ्तार 97 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई।

शेयर बाजार में मचा कोहराम

11.50 लाख करोड़ स्वाहा, सेंसेक्स 2500 अंक गिरकर बंद हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीन दिन से चली आ रही तेजी का दौर गुरुवार को थम गया। कच्चे तेल की कीमत में भारी तेजी के कारण बीएसई सेंसेक्स 2496.89 अंक यानी 3.26 प्रतिशत की गिरावट

के साथ 74,207.24 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 इंडेक्स भी 775.65 अंक फिसलकर 23,002.15 अंक पर आ गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 2,700 अंक से अधिक फिसल गया था जबकि निफ्टी 23,000 से नीचे चला गया था। इस गिरावट से निवेशकों को 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ और बीएसई लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप गिरकर 427 लाख करोड़ रुपये रह गया।

ओडिशा में गोल्ड के बाद मिला डायमंड का भंडार

- माझी सरकार ने किया खोज का दावा
- कालाहांडी में माणिक, देवगढ़ में तांबा, सोना भी मिला

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा की समृद्ध खनिज संपदा को उजागर करने वाली एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। राज्य सरकार ने बताया है कि नुआपड़ा जिले में हीरा युक्त पत्थरों की खोज हुई है। यह जानकारी गुरुवार को राज्य विधानसभा में खनन मंत्री बिभूति भूषण जेना ने दी।

मंत्री ने बताया कि खजाने से भरी ओडिशा की धरती के नीचे हीरे मौजूद हैं और नुआपड़ा जिले के कलामिदादर क्षेत्र में हीरा युक्त पत्थरों की पहचान की गई है।

मंत्री के अनुसार, इस क्षेत्र में खनन कार्य संभव है या नहीं, यह तय करने के लिए तकनीकी, आर्थिक और अन्य व्यवहार्यता से जुड़े विस्तृत अध्ययन किए जा रहे हैं।

कीमती रत्न मिलने के संकेत- इसके अलावा कालाहांडी जिले से भी कीमती रत्न मिलने के संकेत मिले हैं। जूनागढ़ ब्लॉक के हिंजिलीबहाल-जिलिंगिबार क्षेत्र में माणिक (रूबी) के अंश पाए जाने की जानकारी मिली है, जिससे यहां उच्च मूल्य वाले खनिज संसाधनों की मौजूदगी का संकेत मिलता है। इसी तरह देवगढ़ जिले के रीमल क्षेत्र में कई प्रकार के खनिज संसाधन पाए गए हैं, जिनमें तांबा युक्त पत्थर, ग्रेफाइट, निकेल और सोने के भंडार शामिल हैं।इन खोजों से यह संकेत मिलता है कि ओडिशा में विविध खनिज संपदा मौजूद है, जो राज्य में औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दे सकती है। इसके अलावा मयूरभंज और केंदुझर जिलों में भी सोना युक्त पत्थरों की पहचान होने की जानकारी दी गई है, जिससे ओडिशा के खनिज समृद्ध राज्य होने की पुष्टि और मजबूत होती है। राज्य सरकार इन सभी खोजों का विस्तृत अध्ययन कर रही है, ताकि इनके व्यावसायिक उपयोग की संभावना का आकलन किया जा सके।

नोरा-संजय के विवादित गाने पर महिला आयोग का एक्शन

- कहा- दोनों 24 मार्च तक पेश हों, नहीं तो कानूनी कार्रवाई हो सकती है

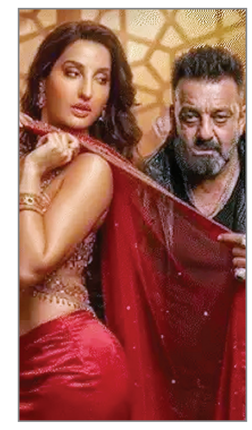

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रीय महिला आयोग ने विवादित गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर एक्ट्रेस नोरा फतेही और एक्टर संजय दत्त को नोटिस भेजा है। साथ ही गाने के गीतकार रकीब आलम, वेंकट के. नारायण (प्रोड्यूसर, केवीएन ग्रुप) और किरण कुमार (डायरेक्टर) समेत अन्य संबंधित लोगों को भी नोटिस जारी किया गया है। सभी को 24 मार्च को आयोग के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। एनसीडब्ल्यू ने चेतावनी दी है कि तय तारीख पर उपस्थित न होने पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

भाजपा ने पश्चिम बंगाल में जारी की दूसरी लिस्ट

- 111 कैंडिडेट का ऐलान, रुपा गांगुली-सुवेंदु के भाई को टिकट

कोलकाता(एजेंसी)। बीजेपी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए कैंडिडेट की दूसरी लिस्ट जारी की है। पार्टी ने इसमें कुल 111 कैंडिडेट घोषित किए हैं। बीजेपी ने नोआपाड़ा से चुनाव लड़ेंगे पूर्व सांसद अर्जुन सिंह और सोनारपुर दक्षिण से पूर्व राज्यसभा सांसद रूपा गांगुली को उम्मीदवार बनाया है।

बीजेपी ने राज्य विधनसभा में नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी के छोटे भाई को भी टिकट दिया है। बीजेपी ने हिंगलगज से रेखा पात्रा उम्मीदवार बनाया है। इतना ही नहीं चोपड़ा से शंकर अधिकारी और टॉलीगंज से पापिया अधिकारी को कैंडिडेट बनाया है। बंगाल में दो चरणों में चुनाव होंगे। चुनाव आयोग ने वोटिंग के लिए 23 और 29 अप्रैल की तारीखें निश्चित की हैं। बंगाल के नतीजे 4 मई को आएंगे। इसके पहले सुबह असम विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपने कैंडिडेट्स की पहली लिस्ट जारी की। इसमें सीएम हिमंता बिस्व सरमा सहित 88 नाम हैं। हिमंता अपनी परंपरागत सीट जालुकबारी से चुनाव लड़ेंगे। वे सातवीं बार इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

आर्थिक तबाही की जंग शुरू !

- ऊर्जा ठिकानों पर अमेरिका-इजरायल-ईरान के हमलों से सहमी दुनिया
- ब्रेंट क्रूड का भाव 114 डॉलर तक पहुंचा

नईदिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में चल रही जंग अब एक नए और खतरनाक चरण में पहुंच गई है। शुरुआत में जहां सैन्य ठिकानों और नेताओं को निशाना बनाया जा रहा था, अब युद्ध का फोकस सीधे तेल और गैस के भंडार पर आ गया है। यानी अब यह जंग सिर्फ सैन्य नहीं, बल्कि आर्थिक युद्ध बन चुकी है।पहले हमले सैन्य ठिकानों और बड़े नेताओं पर हुए। इसके बाद समुद्री रास्तों पर हमले शुरू हुए, जिससे Strait of Hormuz जैसे अहम मार्ग असुरक्षित हो गए। अब अगला और सबसे खतरनाक कदम एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला देखने को मिल रहा है। ईरान-इस्राइल-अमेरिका टकराव से तेल बाजार में भूचाल आ गया है। ब्रेंट क्रूड का भाव 114 डॉलर तक पहुंचा, सप्लाई पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

किन-किन एनर्जी साइट्स को बनाया गया निशाना?

- खर्ग द्वीप (ईरान)
- साउथ पार्स गैस फील्ड
- रास लाफान (कतर)
- वैस रिफाइनरी (अबू धाबी)

वहीं क्रूड 146 डॉलर पहुंच गया है। पेट्रोल-डीजल महंगा हो सकता है। ईरानी हमले से कतर गैस प्लांट बंद, यूरोप में कीमत 30 प्रतिशत बढ़ गई है।

ईरान की ओर से खाड़ी देशों के एनर्जी ठिकानों पर नए हमलों के बाद आज 19 मार्च को ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल और नेचुरल गैस की कीमतों में 30 प्रतिशत तक की तेजी है। जंग शुरू होने के बाद से भारत में क्रूड की कीमतें लगभग दोगुनी होकर 146 डॉलर पर पहुंच गई है। गैस और क्रूड की कीमतें बढ़ने से भारत में गैस सिलेंडर और पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ सकते हैं।

यूएई-कतर-सऊदी में ऑयल रिफाइनरी पर हमला- अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का गुरुवार को 20वां दिन था। सऊदी अरब के यनबू पोर्ट पर स्थित सैमरेफ ऑयल रिफाइनरी पर हवाई हमला हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने की वजह से अब ज्यादातर तेल यनबू पोर्ट से भेजा जा रहा है। इसके अलावा यूएई और कतर के तेल-गैस प्लांट पर भी ड्रोन हमले हुए हैं। ईरान ने हाल ही में सऊदी अरब, यूएई और कतर के तेल ठिकानों को खाली करने की वॉर्निंग दी थी। सऊदी ने आज ईरान को कड़ी चेतावनी दी है।

ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड को इजरायल ने उड़ाया

पश्चिम एशिया में तेजी से बिगड़ते हालात के बीच गुरुवार देर रात इजरायल द्वारा ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर किया गया हमला केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा भू-राजनीति में बड़ा झटका माना जा रहा है। दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस भंडार साउथ पार्स पर हमले के बाद जहां ईरान की ऊर्जा क्षमता प्रभावित हुई है, वहीं इसका सीधा असर वैश्विक तेल-गैस बाजार और भारत जैसी आयात-निर्भर अर्थव्यवस्थाओं पर भी पड़ना तय है।

पश्चिम एशिया में बिगड़े हालात को लेकर पीएम मोदी की फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों एवं राष्ट्राध्यक्षों से चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से फोन पर बातचीत की है। इस बातचीत को लेकर पीएम मोदी ने खुद अपने एक्स हैंडल पर इसकी जानकारी दी है। पीएम मोदी ने इससे पहले मलेशिया के प्रधानमंत्री से भी बात की। इस दौरान भी उन्होंने पश्चिम एशिया में संकट पर चर्चा की। पीएम मोदी ने लिखा मैंने अपने प्रिय मित्र, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से पश्चिम एशिया की स्थिति और तनाव कम करने की तत्काल आवश्यकता के साथ-साथ संवाद और कूटनीति की ओर लौटने के बारे में बात की। हम इस क्षेत्र और उससे परे शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए अपने घनिष्ठ समन्वय को जारी रखने के लिए तत्पर हैं।

पीएम मोदी ने मलेशिया के प्रधानमंत्री से भी की बात- इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से बात की। उन्होंने इसकी जानकारी भी अपने एक्स हैंडल पर दी।

हमें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ता है राम मंदिर : राष्ट्रपति

- पूजा-अर्चना के बाद राम मंदिर में श्रीराम यंत्र को स्थापित किया

'राम मंदिर में दिव्य विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा और ध्वजारोहण हमारे इतिहास की स्वर्णिम तिथियां'

अयोध्या (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर निर्माण से जुड़े कुछ चुनिंदा शिल्पियों (कर्मयोगी) को सम्मानित करने के बाद उपस्थित रामभक्तों को संबोधित किया। श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के आमंत्रण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु डेढ़ वर्ष के अंतराल पर दूसरी बार अयोध्या पहुंची और राम मंदिर में श्रीराम यंत्र को स्थापित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस अवसर पर कहा कि श्रीराम को नमन करना और भारत मां का वंदन हमारे लिए एक जैसा ही है। इस परम पवित्र श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का भूमिपूजन, यहां रामलला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा, राम दरबार का भक्तजनों के लिए खोला जाना तथा मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजारोहण

की तिथियां हमारे इतिहास और संस्कृति की स्वर्णिम तिथियां हैं।

अयोध्या में होती है रामराज्य की अनुभूति : सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज दुनिया भर में युद्ध चल रहे हैं पर हम लोग आज राम मंदिर में श्रीराम यंत्र की स्थापना के इस आनंदमयी कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। यही तो रामराज्य की अनुभूति है, इसलिए ही तो कहा जाता है कि हमारा भारत वर्ष साधु-संतों की भूमि है।

बर्फ से ढके चारों धाम, दिल्ली में बूंदाबांदी

- मप्र में कई जगह ओले गिरे
- राजस्थान में लगातार दूसरे दिन ओले गिरे, हरियाणा में बारिश से सड़कें डूबीं

जयपुर/लखनऊ/शिमला/देहरादून/भोपाल (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में मौसम ने अचानक करवट ली है। राजस्थान के सीकर में लगातार दूसरे दिन तेज बरसात के साथ ओले गिरे हैं। आंधी-बारिश के कारण हुए हादसे में जैसलमेर में दो भाइयों की मौत हो गई।

मध्य प्रदेश में भोपाल, इंदौर-ग्वालियर समेत 33 जिलों में आंधी-बारिश और 3 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट है। मौसम विभाग ने अगले 3 दिन प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में 30 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटे तक की रफ्तार से आंधी चलने का अनुमान जताया है।

उधर हरियाणा के रेवाड़ी में रात में हुई तेज बारिश के साथ ओले गिरे। सड़कों पर

पानी भर गया। आंधी के चलते सड़कों पर लगे होर्डिंग भी उखड़ गए। बारिश के कारण दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। आने वाले दिनों में दिन के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट देखने को मिलेगी।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई। वहीं हिमाचल के चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में तेज बारिश, आंधी, बिजली गिरने और ओले गिरने की संभावना है।

नगालैंड में तूफान-बारिश से तबाही, 46 परिवार प्रभावित- नगालैंड में तेज तूफान और बारिश से 46 परिवार प्रभावित हुए हैं। चुमौकेडिमा और पेरेन जिलों में कई घरों और बिजली के खंभों को नुकसान पहुंचा है।

अगले दो दिन मौसम का हाल- 20-21 मार्च- मौसम विभाग ने दिल्ली में यलो अलर्ट जारी करते हुए हल्की बारिश और तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया है। राजस्थान में ओले गिरने का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट जारी कर भारी बर्फबारी की चेतावनी दी गई है। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश में आंधी का अलर्ट है। नॉर्थ-ईस्ट में भी तेज बारिश की आशंका है।

सीकर में 5000 लोगों की केसरिया रैली

सीकर (एजेंसी)। सीकर में हिंदू नववर्ष के अवसर पर केसरिया वाहन रैली निकाली जा रही है। बारिश के कारण रैली रामलीला मैदान से एक घंटे देरी से शुरू हुई।

रैली की निगरानी ड्रोन से की जा रही है। एक महाडीजे, चार डीजे, बाइक, ट्रैक्टर और अन्य वाहनों के साथ बड़ी संख्या में लोग नारे लगाते हुए चल रहे हैं। पूरे सीकर शहर को केसरिया परदों से सजाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

वासंतिक नवरात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल

नारदीगंज (नवादा)। प्रखंड के विभिन्न गांवों में वासंतिक नवरात्रा को लेकर श्रद्धालुओं ने श्रद्धा व उत्साह के साथ गुरुवार को सहजपुरा व ओड़ो गांव स्थित मां काली,वनगंगा व हरनारायणपुर गांव स्थित मां दुर्गा मंदिर समेत अन्य स्थानों से श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा निकाली। इस मौके पर श्रद्धालुओं में श्री दक्षिणी महाकाली पूजा समिति सहजपुरा के अध्यक्ष बच्चू सिंह, विपिन कुमार,नवीन कुमार समेत काफी संख्या में लोग पंचाने नदी से जलभराई की। जय माता दी के जयघोष से माहौल गुंजायमान होता रहा। वहीं कई श्रद्धालुओं ने अपने अपने घरों में भी कलश स्थापना कर मां दुर्गा ,मां काली की पूजा अर्चना के साथ दुर्गा सप्तशती का विधिवत पाठ शरू हुआ। सहजपुरा गांव में आदर्श रासलीला बरसाना ,श्री वृंदावन के कलाकारों के माध्यम से रात में रासलीला का मंचन हुआ। यह रासलीला आगामी 28 मार्च 2026 तक होगा। इधर,ओड़ो गांव में भी ब्राह्मण टोला स्थित आभालिंगम महादेव मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चारण कर श्रद्धा व उत्साह के साथ कलश स्थापना कर सामूहिक रूप से दुर्गा सप्तशती का पाठ शुरू हुआ। इस दौरान श्रद्धालु राघवेंद्र मिश्र, दिनकर मिश्र,शिव शंकर पांडेय समेत अन्य श्रद्धालुओं ने दुर्गा सप्तशती का पाठ करने में मौजूद रहे।

रामाश्रय सिंह हत्याकांड में फिर दो अभियुक्तों को उम्रकैद, 50 हजार का जुर्माना

गोपालगंज। गोपालगंज जिले के चर्चित रामाश्रय सिंह हत्याकांड मामले में न्यायालय ने सख्त फैसला सुनाते हुए दो अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा दी है। भोरे थाना कांड संख्या-205/19 एवं सत्रवाद संख्या-246/23 में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-02 कुमार सुधांशु की अदालत ने दिनांक 19 मार्च 2026 को सुनवाई पूरी करते हुए अभियुक्त राजू सिंह (पिता स्व. विद्या सिंह, निवासी-भोरे) एवं विनय मिश्र (पिता स्व. सुरेश मिश्र, निवासी-भदवही) को दोषी करार दिया। न्यायालय ने दोनों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 तथा आर्म्स एक्ट के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई, साथ ही प्रत्येक पर 50,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड अदा नहीं करने की स्थिति में 6 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक रामेश्वर सिंह कुशवाहा ने प्रभावी पैरवी की, जिसकी बदौलत दोषियों को सजा दिलाने में सफलता मिली। गौरतलब है कि इसी हत्याकांड में पूर्व में 17 अप्रैल 2025 को चार अन्य अभियुक्तों को भी न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास एवं जुर्माने की सजा सुनाई जा चुकी है। यह फैसला लंबे समय से चर्चा में रहे इस हत्याकांड में न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता दी जाए : डीएम

सीतामढ़ी : बिहार दिवस - 2026 का आयोजन आगामी 22 मार्च को पूरे उत्साह एवं गरिमा के साथ किया जाएगा। इस संबंध में जिलाधिकारी रिची पांडेय द्वारा सभी विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा - निर्देश दिए गए हैं, ताकि कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित किया जा सके। बिहार दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें प्रातःकाल प्रभात फेरी के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय डुमरा हवाई फील्ड में होगा। बिहार दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा विकासात्मक प्रदर्शनी स्टॉल लगाए जाएंगे तथा सायंकाल भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर जिलाधिकारी ने विशेष निर्देश देते हुए कहा है कि स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता दी जाए, ताकि बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक संगीत एवं लोकगीतों की परंपरा को सजीव रूप में प्रस्तुत किया जा सके। इस अवसर पर कृषि विभाग, डीआरडीए, जिला कल्याण, आरटीपीएस, जीविका, लोक शिकायत निवारण, डाक विभाग, जिला उत्पाद, स्वास्थ्य, श्रम, जिला नियोजन, परिवहन, विद्युत विभाग एवं विभिन्न बैंकों सहित कई विभागों द्वारा विकासात्मक स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें आमजन को सरकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। इनमें विकासात्मक प्रदर्शनी समिति, स्वच्छता एवं साफ - सफाई प्रबंधन समिति, चिकित्सा व्यवस्था समिति, विधि - व्यवस्था समिति, प्रचार - प्रसार समिति, यातायात समिति तथा स्थानीय कलाकार चयन समिति शामिल हैं। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए बिहार दिवस को यादगार एवं सफल बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करें।

दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य विकास योजना के तहत जीविका के द्वारा रोजगार सह मार्गदर्शन

गोपालगंज। आज दिनांक 19.03.2026 को जीविका गोपालगंज के तत्वधान में उच्चकागांव प्रखंड परिसर में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य विकास योजना के तहत जीविका के द्वारा रोजगार सह मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जीविका गीत बढ़ते कदम के द्वारा की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पदाधिकारी श्री पवन कुमार सिन्हा , OSD श्री संदीप कुमार, जिला परियोजना प्रबंधक जीविका श्री विकास कुमार, जिला रोजगार प्रबंधक गोपालगंज श्री राशिद असलम, सामुदायिक वित्त प्रबंधक श्री प्रमोद कुमार , HR & Admin जीविका, फार्म मैनेजर , प्रखंड परियोजना प्रबंधक सुश्री नेहा कुमारी जीविका उच्चकागांव सहित अन्य प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर मेले के आयोजन का विधिवत शुभारंभ किया। जिला पदाधिकारी श्री पवन कुमार सिन्हा सर तथा जीविका के DPM श्री विकास कुमार सर ने कहा कि जीविका ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को सशक्त और जीविकोपार्जन प्रदान करने के साथ अब रोजगार आपकी द्वारा के तहत रोजगार मेला जैसे आयोजन से शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार मुहैया करवाने का भी माध्यम बन चुका है । अब तक पूर्व में जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन हुआ करता था परंतु अब प्रखंड स्तर पर किया जा रहा है तथा अब जीविका के क्लस्टर लेवल तक भी सभी शिक्षित बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार मुहैया करने के लिए जीविका प्रतिबद्ध है. जिला रोजगार प्रबंधक श्री राशीद असलम द्वारा वहां मौजूद जीविका दीदी एवं रोजगार के लिए आए युवा एवं युवतियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीविका समाज में बदलाव की दिशा में बेहतरीन कार्य कर रही है चाहे रोजगार की बात हो या स्वरोजगार की सभी कार्य में जीविका अव्वल स्थान में पहुंच गई है! उन्होंने इस कार्यक्रम में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना DDU-GKY के बारे में बताया है ये प्रोग्राम ग्रामीण विकास मंत्रालय के द्वारा किया गया एक प्रमुख पहल है उन्होंने एक कौशल प्रशिक्षण और प्लेसमेंट कार्यक्रम के बारे में बताया है। यह कार्यक्रम ग्रामीण गरीब युवाओं पर केंद्रित है और प्लेसमेंट के बाद ट्रैकिंग, प्रतिधारण और करियर में प्रगति को प्रमुखता और प्रोत्साहन के माध्यम से स्थायी रोज़गार पर ज़ोर देता है। सभी जीविका कर्मी को आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद भी दिए। उन्होंने कहा कि आज के दौर में समाज में रोजगार की कमी नहीं है कमी है तो हुनरमंद बनाने की । जीविका युवाओं को हुनरमंद बनाने की दिशा में निरंतर सक्रिय बना हुआ है । प्रखंड परियोजना प्रबंधक सुश्री नेहा कुमारी ने कहा कि सभी उपस्थित जीविका दीदी एवं रोजगार मेले में आए युवा युवतियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यहां पर 15 से अधिक कंपनियां आई हुई है जो 1000 से अधिक रोजगार के लिए उपलब्ध है सभी हुनरमंद युवा इस जॉब मेला का अधिक से अधिक लाभ उठाने का प्रयास करें। जिला रोजगार प्रबंधक श्री राशिद असलम ने कहा कि इस रोजगार मेला में कुल निबंधन 1128 जिसमे से 216 से अधिक युवाओं को सीधी भर्ती रोजगार का लाभ मिला । विभिन्न केंद्र के द्वारा 315 युवाओं को पंजीकृत किया गया।

अंबातरी में उमड़ा पशुपालकों का हुजूम, बांझपन निवारण शिविर में 147 मवेशियों का हुआ उपचार

पशुधन संरक्षण और वैज्ञानिक उपचार से समृद्धि की ओर बढ़ते रजौली के कदम

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली प्रखंड के पशुपालकों के लिए 19 मार्च 2026 का दिन विशेष राहत लेकर आया, जब प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय के तत्वावधान में रजौली पूर्वी पंचायत के अंबातरी ग्राम में एक दिवसीय विशाल पशु बांझपन निवारण शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस विशेष शिविर की प्रासंगिकता और सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि क्षेत्र के कुल 65 पशुपालकों ने अपने 147 मवेशियों के साथ यहां उपस्थिति दर्ज कराई, जिन्हें विशेषज्ञों द्वारा सीधा लाभ पहुंचाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वार्ड सदस्य बालचंद प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर आयोजन की सराहना की और जोर देकर कहा कि ग्रामीण

शिविर में भाग लेते चिकित्सक व पशुपालक

अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले पशुधन की सेहत सुधारने के लिए ऐसे वैज्ञानिक प्रयास किसानों की आय दोगुनी करने में मील का पत्थर साबित होंगे।चिकित्सीय दृष्टिकोण से यह शिविर अत्यंत महत्वपूर्ण रहा, जहां अनुभवी चिकित्सक डॉ. रेषु कुमार, डॉ. नीरज कुमार सिंह और डॉ. अभय कुमार ने पशुओं की सघन जांच की। चिकित्सकों ने न केवल बांझपन की समस्या का निदान किया, बल्कि पशुपालकों को आधुनिक खान-पान, खनिज लवणों की उपयोगिता और प्रजनन चक्र से जुड़ी वैज्ञानिक बारीकियों से भी अवगत कराया। इस मिशन को धरातल पर उतारने के लिए मोबाइल वेटरनरी यूनिट की टीम भी डॉ. बिपिन बिहारी प्रसाद के नेतृत्व में मुस्तैद दिखी, जिसमें सहायक विद्यासागर और पारावेट पप्पू कुमार ने उपचार प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाई।शिविर की सफलता में विभागीय टीम के उमेश चौधरी, धीरज कपूर, राजू कुमार, रामप्रवेश तथा मैत्री कर्मी संजय कुमार व अशोक प्रसाद का सराहनीय योगदान रहा।

पूरे आयोजन के दौरान पशुपालकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखा गया, क्योंकि उन्हें अपने द्वार पर ही विशेषज्ञ परामर्श और उपचार की सुविधा प्राप्त हुई।कार्यक्रम के समापन पर स्थानीय ग्रामीणों ने विभाग की इस लोककल्याणकारी पहल की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और मांग उठाई कि भविष्य में भी ऐसे शिविरों का आयोजन निरंतर होता रहे ताकि पशुपालन को एक लाभप्रद व्यवसाय के रूप में और मजबूती दी जा सके।

चरौल गांव में नवरात्रि दुर्गापूजा को लेकर निकाली गई कलश यात्रा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कौआकोल। चैत्र नवरात्रि दुर्गा पुजा अनुष्ठान को लेकर प्रखण्ड के चरौल गांव में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। ढोल- बाजे के साथ निकाली गई यात्रा के दरम्यान बांके बिहारी की झांकी भी निकाली गई,जिसमें वृंदावन बृजवासी के दर्जनाधिक कलाकारों ने भाग लिया। आयोजन समिति के संयोजक देवेंद्र सिंह ने बताया कि यात्रा झांकी का नेतृत्व स्थानीय पाण्डेयगंगौट पंचायत के मुखिया दीपक कुमार कर रहे थे। लगातार दस दिनों तक दुर्गा माता से दर्शन करने का सिलसिला जारी रहेगा। वरिष्ठ साहित्यकार और रंगकर्मी नरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि प्रत्येक दिन रासलीला का मंचन भी होगा। आसमानी झूला,मौत कुआं,हंसी घर एवं मनोरंजन के कई साधन उपलब्ध रहेंगे। वहीं दुर्गोपूजोत्सव में लगे बाजार में बिहार के प्रसिद्ध व्यंजनों का भरमार रहेगा। पुरोहित आनंदी पांडेय ने कहा कि कलश यात्रा एवं झांकी में सैकड़ो युवा हाथ में तिरंगा थामे हुए थे। मौके पर नरेंद्र प्रसाद सिंह, सीताराम सिंह, दामो सिंह, रामाश्रय सिंह, पवन कुमार, महेंद्र पासवान, ध्रुपद राम, विकास, सौरभ, गौरव, अमरेंद्र कुमार, देबू सिंह, रामाकांत सिंह,यजमान धर्मेंद्र कुमार, बाल्मीकि सिंह, चिंकु कुमारी सहित हजारों की तादाद में नर- नारी, बच्चे- बूढ़े और युवा उपस्थित थे। इस आयोजन से पूरा इलाका भक्तिमय हो गया हैं और सामाजिक तथा सांस्कृतिक समागम में वृद्धि हुई है।

पंचायती राज विभाग की योजनाओं की समीक्षा को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। जिला पदाधिकारी, नवादा रवि प्रकाश की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में पंचायती राज विभाग से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला पंचायती राज पदाधिकारी, श्री नवीन कुमार पांडेय द्वारा पीपीटी के माध्यम से पंचायतों में संचालित विकास कार्यों, विशेषकर सोलर स्ट्रीट लाइट योजना एवं अन्य योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

सोलर स्ट्रीट लाइट की स्थापना के संदर्भ में जानकारी दी गई कि स्टेज-04 में कुल 6670 सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने का लक्ष्य है, जिसके विरुद्ध अभी तक 1401 सोलर स्ट्रीट लाइट का अधिष्ठापन किया गया है। इस पर जिला पदाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि शेष कार्य 31 मार्च 2026 तक पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने सोलर लाइट की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं उनकी नियमित मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित एजेंसियों को जेआईसीआर (Joint Inspection cum Commissioning Report) पूर्ण करने का निर्देश देते हुए कहा कि जहाँ-जहाँ अब तक सोलर स्ट्रीट लाइट का इंस्टॉलेशन नहीं हुआ है, वहाँ कार्य प्रगति में तेजी लाई जाए। साथ ही, खराब सोलर स्ट्रीट लाइटों को चिन्हित कर यथाशीघ्र चालू करने का निर्देश दिया गया।

बैठक के दौरान मोक्ष धाम से संबंधित कार्यों की गहन समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में बताया गया कि कुल 117 मोक्ष धाम हेतु स्थल चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से 18 का कार्य पूर्ण हो गया है एवं 19 निर्माणाधीन हैं। जिला पदाधिकारी ने शेष कार्यों को भी शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया।

पंचायत सरकार भवनों की समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। जिन पंचायतों में पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य अब तक पूर्ण नहीं हुआ है, उन्हें शीघ्र पूर्ण करने का आदेश दिया गया। 15वें वित्त आयोग की राशि के अंतर्गत कम व्यय करने वाली पंचायतों को इस माह के अंत तक शत-प्रतिशत व्यय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। षष्ठम वित्त आयोग की राशि में कम व्यय करने वाली पंचायतों को शेष राशि से योजनाओं का क्रियान्वयन कर कार्य प्रगति में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। अनुरक्षकों के भुगतान में भी तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

आज की बैठक में उप विकास आयुक्त, नवादा श्रीमती नीलिमा साहू, जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्री नवीन कुमार पांडेय, सभी प्रखंडों के प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। साथ ही, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

रजौली के हरदिया में चैत्र नवरात्रि को लेकर निकाली गई भव्य कलश यात्रा, जय घोष से गूंज उठा माहौल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली प्रखंड के हरदिया पंचायत अंतर्गत सेक्टर-डी में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि में नवरात्रि को लेकर भव्य कलश यात्रा का आयोजन बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस धार्मिक आयोजन में सैकड़ों ग्रामवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व पंडित आनंद कुमार एवं पुजारी रंजीत साव ने किया, जिनके मार्गदर्शन में पूरे विधि-विधान से कलश यात्रा निकाली गई।

कलश यात्रा की शुरुआत फुलवरिया जलाशय डैम से हुई, जहां श्रद्धालु महिलाओं और पुरुषों ने पवित्र जल भरकर मां दुर्गा के जयकारों के साथ यात्रा आरंभ की। पूरे रास्ते भक्ति गीतों और मंत्रोच्चार से वातावरण भक्तिमय बना रहा। जल लेकर श्रद्धालु पुणे मंदिर प्रांगण, हरदिया सेक्टर-डी पहुंचे, जहां

कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालुगण

कलश की स्थापना की गई। मंदिर परिसर में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के साथ 9 दिनों तक विशेष पाठ का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान भव्य प्रतिमा स्थापित कर पूरे विधि-विधान से पूजा की जाएगी। हर वर्ष की तरह इस बार भी रामनवमी के शुभ अवसर पर यहां विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु भाग लेते हैं। इसके अलावा बजरंगबली का ध्वज फहराकर पूरे गांव में भव्य जुलूस निकाला जाएगा, जो इस आयोजन का मुख्य आकर्षण होता है। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और ग्रामीणों के बीच गहरी आस्था का केंद्र बनी हुई है। इस अवसर पर संजय कुमार, मुकेश सिंह, ओंकार आर्य, अनुज कुमार, पवन कुमार, बबलू कुमार, सोहन साहब सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूरे आयोजन ने गांव में एकता, श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया।

जिला पदाधिकारी ने किया राजश्री एचपी गैस गोदाम एवं कार्यालय का औचक निरीक्षण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। जिला पदाधिकारी द्वारा परिस्थिति को दृष्टिगत रखते हुए राजश्री एचपी गैस गोदाम एवं कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गैस सिलेंडरों की उपलब्धता, भंडारण व्यवस्था, सुरक्षा मानकों एवं वितरण प्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिला पदाधिकारी ने राजश्री गैस एजेंसी संचालक को निर्देश दिया कि सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, गोदाम एवं कार्यालय परिसर में सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन करने का निर्देश दिया गया।

विशेष रूप से जिला पदाधिकारी ने निर्देशित किया कि ऐसे उपभोक्ता—विशेषकर महिलाएं—जिनके परिवार के सदस्य (पति

आदि) ड्यूटी के कारण बाहर रहते हैं, पुलिस/सशस्त्र बलों में तैनात हैं अथवा अन्य कारणों से स्वयं गैस लेने आने में असमर्थ हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध होम डिलीवरी सुनिश्चित की जाए।

जिला प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है कि जिले में गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है तथा आपूर्ति सुचारू रूप से की जा रही है, अतः किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी, नवादा सदर श्री अमित अनुराग, प्रभारी जिला आपूर्ति पदाधिकारी डॉ. राज कुमार सिन्हा एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हिन्दू नववर्ष के अवसर पर आरएसएस ने स्कूली छात्र छात्राओं के साथ निकाली प्रभात फेरी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली नगर पंचायत क्षेत्र में गुरुवार को हिन्दू नववर्ष के सुअवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर, रजौली की ओर से पथ संचालन एवं भारतीय संस्कृति पर आधारित झांकी निकाली गई। यह झांकी घोष दल के साथ सरस्वती शिशु मंदिर रजौली संगत परिसर से निकलकर नगर भ्रमण करते हुए पुनः संगत परिसर में समाप्त हुई। इस आयोजन के माध्यम से हिन्दू नववर्ष के महत्व को दर्शाया गया और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डा० हेडगेवार की जयंती मनाई गई। आयोजन में उपस्थित सभी लोगों ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और हिन्दू नववर्ष की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के सभी भैया बहन आचार्य, प्रधानाचार्य एवं प्रबंध कारिणी समिति के अधिकारी सहित अभिभावक उपस्थित थे। इस दौरान पूर्व कोषाध्यक्ष

नगर भ्रमण करते स्कूली छात्र-छात्राएं

मधुसूदन,वर्तमान प्रबंध कारिणी समिति के सदस्य प्रमोद चंद्रवंशी एवं मोनिका कुमारी के द्वारा सभी के लिए चॉकलेट बिस्किट एवं शीतल पेय पदार्थ की व्यवस्था की गई। जय श्री राम के जय घोष से पूरा नगर गुंजायमान हो गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रजौली शाखा में सभी कार्यकर्ता के द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डा० हेडगेवार जी की जयंती मनाई गई। सरस्वती विद्या मंदिर रजौली के प्रधानाचार्य धनंजय शर्मा बौद्धिक के बाद पूर्ण गणवेश में पथ संचलन निकाला गया,जिसमें खण्ड संचालक दिलीप कुमार, खण्ड कार्यवाह विजय कुमार एवं रजौली प्रखंड के विधायक विमल राजवंशी के साथ नगर के अन्य गणमान्य लोगों उपस्थिति थे। सभी स्वयंसेवक राष्ट्रभक्ति गाते हुए नगर भ्रमण कर रहे थे। इस मौके पर मुख्य पार्षद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार चंद्रवंशी,दिनेश पांडेय,वार्ड पार्षद संतोष वर्मा, सुनील कुमार, विनोद कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

निक्की ने कबड्डी में बेहतर प्रदर्शन कर नरहट का नाम किया रौशन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नरहट (नवादा)। नवादा जिले के नरहट प्रखण्ड अंतर्गत कुशा गांव के पिता सुरेश यादव एवं माता किरण यादव की सुपुत्री निक्की यादव ने कबड्डी खेल में बेहतर प्रदर्शन कर नरहट का नाम रौशन किया है। निक्की ने अपने टीम सारण स्ट्राइकर्स को उपविजेता बनाने में कामयाब हुई। महिला कबड्डी में मगध वारियर्स चैम्पियन बना है। महिला कबड्डी का मैच पाटलिपुत्र खेल परिसर के इंडोर स्टेडियम में 11 से 17 मार्च खेला गया था जिसमें कुशा गांव की बेटी निक्की यादव सारण स्ट्राइकर्स टीम के तरफ से खेल रही थी।इस प्रतियोगिता में कुल छह टीमें भाग लिया था। निक्की ने बताई की पूर्व में भी कई प्रतियोगिता में शामिल रही है। बिहार के साथ साथ दूसरे प्रदेशों में भी कबड्डी का मैच खेल अपने टीम को जीत दिलाने का काम किया है। आगे और बेहतर प्रदर्शन कर टीम को चैम्पियन बनाने का काम करेंगे। कबड्डी के खेल में बेहतर प्रदर्शन से निक्की के माता पिता के साथ साथ

कबड्डी खेलती निक्की यादव

क्षेत्र वासी काफी गौरवान्वित हो रहे हैं। टीम में बेहतर प्रदर्शन कर टीम को उपविजेता बनाने पर डॉ रामचन्द्र प्रसाद, निरंकारी मुखी विनोद गुप्ता, बाल्मीक्की शर्मा, दिलीप कुमार, हरि राजवंशी, रामवृक्ष राजवंशी ने कबड्डी खिलाड़ी निक्की यादव को बधाई दिया और उसके उज्वल भविष्य की कामना की।

रजौली थाना परिसर में ईद की तैयारियों को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

सांप्रदायिक सद्भाव का सैलाब, पर्व को लेकर प्रशासन और प्रबुद्धजनों ने मिलाया हाथ

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली थाना परिसर में आगामी ईद-उल-फितर के पावन अवसर पर सामाजिक समरसता और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से थाना सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार के नेतृत्व में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें दोनों समुदायों के दर्जनों गणमान्य लोगों ने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराते हुए क्षेत्र में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। बैठक के दौरान उपस्थित मो. शफीर उद्दीन, रजौली पश्चिमी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि विनय कुमार सिंह, बजरंग दल संयोजक पिंटू कुमार वर्मा, मो. साबिक अशरफ, नवीन कंधवे, राजेश साव, निशांत कुमार, हरदिया पिंटू

थाना परिसर में शान्ति समिति की बैठक करते थानाध्यक्ष व ग्रामीण

साव, आदिल हुसैन, मो. तनवीर आलम, राजा, मो. इरफान और शहनूर आलम समेत कई प्रबुद्ध नागरिकों ने एक स्वर में कहा कि ईद खुशियों और भाईचारे का प्रतीक है, जिसे सभी धर्मों के लोग मिलकर पारंपरिक उल्लास के साथ मनाएंगे। इस दौरान प्रशासन ने साफ किया कि पर्व के दौरान हुड़दंगियों पर पैनी नजर रखी जाएगी और सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, वहीं स्थानीय लोगों ने भी आश्वस्त किया कि वे आपसी प्रेम की मिसाल पेश करते हुए हर मोड़ पर पुलिस का सहयोग करेंगे। थानाध्यक्ष ने चर्चा को विस्तार देते हुए बताया कि बैठक में रामनवमी पर्व को लेकर भी प्राथमिक विमर्श किया गया है, हालांकि इसके व्यापक प्रबंधन और रणनीति तय करने के लिए अगली विशेष बैठक जल्द ही बुलाई जाएगी ताकि प्रमुख त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

पटना सिटी में 21 मार्च से श्रीराम कथा, सात दिनों तक गूंजेगा भक्ति का स्वर

पटना सिटी। सनातन धर्म नववर्ष और रामनवमी के पावन अवसर पर पटना सिटी के चौक स्थित सनातन धर्म सभा परिसर में 21 मार्च से 27 मार्च 2026 तक भव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। सात दिवसीय इस धार्मिक आयोजन में हरिद्वार से पधार रहे संत स्वामी चिदात्मानंद सरस्वती अपने मुखारविंद से श्रद्धालुओं को रामकथा का रसपान कराएंगे। आयोजन की शुरुआत 21 मार्च की सुबह विशेष धार्मिक अनुष्ठान के साथ होगी। जल्ला हनुमान मंदिर से कलश में जल भरकर नगर भ्रमण किया जाएगा और इसके बाद सनातन धर्म सभा परिसर में विधिवत पूजन संपन्न होगा। इसके पश्चात प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा सुनने का अवसर मिलेगा। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की बड़ी भागीदारी की संभावना जताई जा रही है। आयोजक मंडल की ओर से सभी धर्मप्रेमियों को इस कथा में शामिल होने का आमंत्रण दिया गया है। सात दिनों तक चलने वाले इस आयोजन का समापन 27 मार्च को भव्य भंडारे के साथ होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। इस संबंध में सनातन धर्म सभा भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में डॉ अजय प्रकाश, डॉ टीपी गोलवारा, गिरधारी लाल सर्राफ, कृष्ण कुमार अग्रवाल, आत्म बागला, संयोजक अखिल भारतीय पंकज, विकास कुमार मौडीवाल और सुजीत कसेरा समेत कई सदस्य मौजूद रहे। आयोजन समिति का कहना है कि यह श्रीराम कथा न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करेगी, बल्कि समाज में सकारात्मकता और संस्कारों का भी प्रसार करेगी।

मसौढ़ी में शराब के नशे में हंगामा कर रहे तीन लोग गिरफ्तार, भेजे गए जेल

मसौढ़ी। मसौढ़ी अनुमंडल में पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए शराब के नशे में हंगामा कर रहे तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसके बाद सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पहली घटना मसौढ़ी थाना क्षेत्र के कोरियावां मोड़ के पास की है, जहां पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति नशे में धुत होकर हंगामा कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कंसारा गांव निवासी महेंद्र सिंह को पकड़ लिया। वह सार्वजनिक स्थान पर शराब के नशे में शोर-शराबा कर रहा था। पुलिस उसे थाने ले आई और शराबबंदी कानून के तहत मामला दर्ज करते हुए गुरुवार को जेल भेज दिया। दूसरी कार्रवाई लहसुना थाना क्षेत्र के जगदीशपुर मोड़ के समीप की गई। यहां भी दो व्यक्तियों द्वारा शराब पीकर उत्पात मचाने की सूचना पुलिस को मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी पहचान मीरपुर गांव निवासी करीबन यादव और कन्हाय चौधरी के पुत्र मदन चौधरी के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तीनों आरोपियों के खिलाफ बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर कार्रवाई, मोबाइल दुकान से 8 सिलेंडर बरामद

मसौढ़ी,पटना। पटना जिले के मसौढ़ी अनुमंडल अंतर्गत पुनपुन थाना क्षेत्र में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर डुमरी स्थित एक मोबाइल दुकान में छापेमारी कर अवैध रूप से रखे गए 8 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। पुनपुन थानाध्यक्ष बेबी कुमारी ने बताया कि पुलिस को लगातार शिकायत मिल रही थी कि उक्त दुकान से एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी की जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दुकानदार से पूछताछ की, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान दुकान के गोदाम से कुल 8 गैस सिलेंडर बरामद किए गए, जिनमें से दो सिलेंडर भरे हुए पाए गए। इसके बाद पुलिस ने मौके से ही आरोपी दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी इस अवैध कारोबार में कब से संलिप्त था और इसमें अन्य लोगों की भी भूमिका है या नहीं। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि गैस सिलेंडर की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

मसौढ़ी में तालाब खुदाई के दौरान निकली प्राचीन कृष्ण प्रतिमा, गांव में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मसौढ़ी। मसौढ़ी थाना क्षेत्र के राजा बिगहा गांव में तालाब की खुदाई के दौरान एक प्राचीन प्रतिमा मिलने से पूरे इलाके में कौतूहल और आस्था का माहौल बन गया है। मिट्टी के भीतर से निकली काले पत्थर की यह प्रतिमा भगवान कृष्ण की बताई जा रही है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच रहे हैं। जानकारी के अनुसार, गांव में छठ पर्व को लेकर तालाब की खुदाई का कार्य चल रहा था। इसी दौरान मजदूरों को खुदाई करते समय मिट्टी में दबी एक प्रतिमा दिखाई दी। बाहर निकालने पर स्पष्ट हुआ कि यह भगवान कृष्ण की आकृति है। प्रतिमा को देखते ही ग्रामीणों में उत्साह फैल गया और कुछ ही देर में यह खबर पूरे क्षेत्र में फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के गांवों से भी लोग पहुंचने लगे। ग्रामीणों ने मौके पर ही पूजा-अर्चना शुरू कर दी। फूल-माला और प्रसाद चढ़ाकर श्रद्धालु भगवान के दर्शन कर रहे हैं, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है। प्रतिमा के स्वरूप और बनावट को देखकर स्थानीय लोग इसे काफी प्राचीन मान रहे हैं। हालांकि इसकी वास्तविक प्राचीनता और ऐतिहासिक महत्व का आकलन विशेषज्ञों द्वारा ही किया जा सकेगा। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। प्रशासन द्वारा प्रतिमा की जांच-पड़ताल की जा रही है ताकि इसके संबंध में सही जानकारी सामने आ सके। ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्थान से प्रतिमा मिली है, वहां पहले से खेती होती रही है। कुछ लोग इसे धार्मिक चमत्कार मान रहे हैं, तो वहीं कुछ इसे संयोग बता रहे हैं। फिलहाल गांव में आस्था का माहौल बना हुआ है और लोग लगातार दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

पटना में रामनवमी महोत्सव की धूम, महावीर मंदिर से रवाना हुआ राम रथ

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, संजय सरावगी ने की आरती, कई नेता रहे मौजूद

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। राजधानी पटना में रामनवमी महोत्सव को लेकर माहौल अब पूरी तरह से भक्तिमय होता जा रहा है। इसी कड़ी में पटना जंक्शन स्थित महावीर स्थान मंदिर से विधि-विधान के साथ राम रथ को रवाना किया गया, जिसे आगामी भव्य आयोजन की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। राम रथ के प्रस्थान के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और पूरा मंदिर परिसर जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। इस मौके पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय सरावगी, आयोजन समिति के अध्यक्ष सरदार जगजीवन सिंह बबलू तथा महावीर मंदिर के सचिव आचार्य किशोर कुणाल समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

सभी ने रथ की पूजा-अर्चना कर आरती उतारी और श्रद्धा के साथ पुष्प अर्पित किए। यह राम रथ अब शहर के विभिन्न इलाकों में भ्रमण कर धार्मिक उत्साह का संदेश फैलाएगा और लोगों को रामनवमी के भव्य आयोजन से जोड़ेगा। आयोजन समिति के अनुसार 27 मार्च को रामनवमी के अवसर पर पटना में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों पर आधारित 52 आकर्षक झांकियां शहर के अलग-अलग मार्गों से गुजरेंगी। दीघा से ट्रांसपोर्ट नगर और सिपारा से गायघाट तक यह शोभायात्रा पूरे शहर को राममय बना देगी। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों को सजाने की तैयारियां भी तेज कर दी गई हैं। जगह-जगह राम ध्वज लगाए जा रहे हैं और लोगों से अपने घरों पर भी ध्वज लगाने की अपील की जा रही है। आयोजन समिति द्वारा विक्रम संवत कैलेंडर का वितरण भी किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस उत्सव से जुड़ सकें। रामनवमी के दिन पटना के मुख्य मार्गों को भव्य तोरण द्वार और आकर्षक रोशनी से सजाया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल और शरबत की व्यवस्था भी की जाएगी।

इस आयोजन को और खास बनाने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से कलाकारों को आमंत्रित किया गया है, जिनमें मुंबई की बैंड टीम, झारखंड की नृत्य मंडली, काशी की गंगा आरती टीम, सिख समुदाय के निहंग और बंगाल के चंदननगर की प्रसिद्ध लाइटिंग शामिल है। इस तरह पटना में इस बार रामनवमी महोत्सव को ऐतिहासिक और भव्य बनाने की पूरी तैयारी की जा रही है, जिसका आगाज राम रथ के प्रस्थान के साथ हो चुका है।

बिक्रम थाना में शांति समिति की बैठक, त्योहारों को लेकर प्रशासन अलर्ट

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रम,पटना। पटना जिले के बिक्रम थाना परिसर में गुरुवार को चैती छठ, रामनवमी और ईद को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस उपाधीक्षक (पालीगंज-2) पंकज कुमार शर्मा ने की, जिसमें पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि और समाज के गणमान्य लोग शामिल हुए। बैठक में आगामी त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने, विधि-व्यवस्था बनाए रखने और सामाजिक सौहार्द कायम रखने पर विस्तार से चर्चा की गई। थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने स्पष्ट किया कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार डीजे और अश्लील गीतों पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने बताया कि ईद के मौके पर नमाज स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने यह भी कहा कि रामनवमी के अवसर पर किसी भी जुलूस के लिए पूर्व में वैध लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। आम लोगों से अपील की गई कि वे प्रशासन का सहयोग करें और सभी पर्वों को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराएं। पुलिस निरीक्षक चंद्रिका प्रसाद ने क्षेत्र में आपसी भाईचारे की परंपरा को बनाए रखने पर जोर देते हुए सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी पंकज कुमार ने कहा कि एक ही माह में कई बड़े त्योहार पड़ रहे हैं, ऐसे में सभी समुदायों को मिलजुलकर सौहार्दपूर्ण माहौल में उत्सव मनाना चाहिए। बैठक के दौरान महफूज अहमद नियाजी ने बाजार क्षेत्र में जाम की समस्या से निपटने के लिए भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने और वैकल्पिक मार्ग तय करने की मांग उठाई। नगर अध्यक्ष मनिता कुमारी ने आश्वासन दिया कि चैती छठ के अवसर पर नगर पंचायत द्वारा सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी और किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। बैठक में सुबोध सिंह, जितेंद्र यादव, नवनील कुमार, सतीश कुमार, शशांक शेखर, सईद अंसारी, चंदन सिंह, अनिल कुमार, अनिल मुखिया, मनीष सरपंच और बहादुर शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे। अंत में चंद्रभूषण मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

नेउरा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई: घर से बरामद हुआ अवैध हथियारों का जखीरा, आरोपी हिरासत में

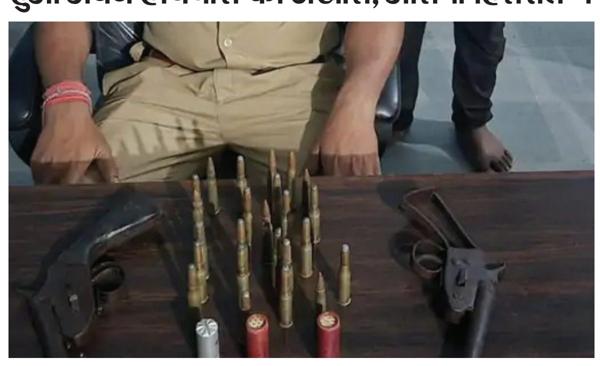

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिहटा, पटना। पटना जिले के नेउरा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध हथियारों के एक नेटवर्क का पर्दाफाश किया। छापेमारी के दौरान पुलिस टीम ने कुशवाहा टोला स्थित एक घर से भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद किए। जानकारी के अनुसार, स्थानीय निवासी सुमित कुमार के घर पर की गई तलाशी में 27 जिंदा कारतूस और 2 देसी कट्टा बरामद किए गए। बरामदगी के तुरंत बाद पुलिस ने सुमित कुमार को हिरासत में ले लिया और उससे गहन पूछताछ शुरू कर दी है। पटना पश्चिमी सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर यह छापेमारी की गई। उन्होंने कहा कि बरामद हथियारों को जब्त कर लिया गया है और मामले में कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि आरोपी किसी अवैध हथियार तस्करी गिरोह से जुड़ा हो सकता है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतने बड़े पैमाने पर कारतूस और हथियार कहां से लाए गए और इसके पीछे किन-किन लोगों की भूमिका हो सकती है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और अन्य संभावित आरोपियों की तलाश में छापेमारी भी जारी है। इलाके में इस कार्रवाई के बाद हड़कंप का माहौल है, वहीं पुलिस की सतर्कता की सराहना भी की जा रही है।

एलपीजी किल्लत और महंगाई के खिलाफ पटना में कांग्रेस का प्रदर्शन, सरकार पर साधा निशाना

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। रसोई गैस की कथित किल्लत और बढ़ती कीमतों को लेकर गुरुवार को राजधानी पटना में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इनकम टैक्स गोलंबर के पास आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने "सिलेंडर का दाम कम करो" और "आम आदमी पर अत्याचार बंद करो" जैसे नारे लगाकर अपनी नाराजगी जाहिर की।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया और उसके बाद प्रतीकात्मक रूप से लाठी-चप्पलों से विरोध जताया। प्रदर्शन में महिला कार्यकर्ताओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। उन्होंने सरकार से जवाब मांगते हुए कहा कि एलपीजी सिलेंडर की किल्लत और महंगाई ने आम परिवारों की रसोई पर सीधा असर डाला है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता निधि झा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जब गैस सिलेंडर की कीमतें कम थीं, तब भाजपा नेता स्मृति ईरानी महंगाई के विरोध में प्रदर्शन करती थीं, लेकिन अब कीमतें बढ़ने के बावजूद वे चुप हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान स्थिति में आम लोगों के लिए रसोई चलाना मुश्किल हो गया है। वहीं, कांग्रेस नेता राजेश राम ने कहा कि राज्य में गैस संकट की स्थिति बनी हुई है।

उनका दावा था कि कई बड़े होटलों में भी गैस की कमी के कारण बुकिंग लेने में परेशानी हो रही है, लेकिन सरकार इस स्थिति को स्वीकार करने से बच रही है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही गैस की कीमतों और आपूर्ति की समस्या पर ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पूर्व मध्य रेल का बड़ा अभियान: चेन पुलिंग और महिला कोच में घुसने वालों पर कड़ी कार्रवाई

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

हाजीपुर। ट्रेनों के समय पालन और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूर्व मध्य रेल ने मार्च माह में व्यापक अभियान चलाते हुए नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की है। 1 मार्च से 15 मार्च 2026 के बीच रेलवे सुरक्षा बल (RPF) की टीमों ने अलग-अलग रेलखंडों पर कार्रवाई करते हुए बड़ी संख्या में लोगों को हिरासत में लिया। रेल प्रशासन के अनुसार, बिना किसी उचित कारण के चेन पुलिंग कर ट्रेनों को अनावश्यक रूप से रोकने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए "ऑपरेशन समय पालन" चलाया गया। इस अभियान के तहत कुल 514 लोगों को हिरासत में लिया गया और उनसे करीब 1 लाख 46 हजार रुपये जुर्माने के रूप में वसूले गए। इन सभी के खिलाफ रेल अधिनियम की धारा 141 के तहत

कार्रवाई की गई है।

विभिन्न मंडलों में हुई कार्रवाई में दानापुर मंडल में सबसे अधिक 230 लोग पकड़े गए। इसके अलावा समस्तीपुर मंडल में 101, पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 73, सोनपुर मंडल में 66 और धनबाद मंडल में 44 लोगों को हिरासत में लिया गया। वहीं महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए "ऑपरेशन महिला सुरक्षा" भी चलाया गया। इस अभियान के तहत महिला कोच में अवैध रूप से यात्रा कर रहे पुरुष यात्रियों के खिलाफ सख्ती बरती गई। 1 मार्च से 15 मार्च के बीच ऐसे 1570 पुरुष यात्रियों को पकड़ा गया और उनसे 3 लाख 61 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। इन पर रेल अधिनियम की धारा 162 के तहत कार्रवाई की गई। महिला कोच में यात्रा करने वाले पुरुषों के खिलाफ दानापुर मंडल में सबसे अधिक 840 मामले सामने आए। इसके अलावा पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 278, धनबाद मंडल में 205, समस्तीपुर मंडल में 130 और सोनपुर मंडल में 117 लोगों को पकड़ा गया। रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि ट्रेन संचालन में अनावश्यक बाधा न आए और महिला यात्रियों को सुरक्षित माहौल मिल सके। यात्रियों से अपील की गई है कि वे नियमों का पालन करें और रेलवे की व्यवस्था में सहयोग करें।

पटना में 21 से 'बिहार नर्सरी एवं ग्रीन-टेक कॉन्क्लेव 2026', बागवानी क्षेत्र को मिलेगी नई रफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। बिहार में बागवानी और नर्सरी क्षेत्र को आधुनिक तकनीकों से जोड़कर मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम पहल की जा रही है। इसी कड़ी में राजधानी पटना के ज्ञान भवन में 21 से 23 मार्च तक "बिहार नर्सरी एवं ग्रीन-टेक कॉन्क्लेव 2026" का आयोजन किया जाएगा। इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य में बागवानी को नई दिशा देना और इसे तकनीकी रूप से सशक्त बनाना है। इस संबंध में जानकारी देते हुए बिहार के कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने बताया कि कृषि विभाग के उद्यान निदेशालय द्वारा आयोजित यह कॉन्क्लेव अपने तरह का पहला बड़ा आयोजन है, जिसमें देशभर के विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, प्रगतिशील किसान और उद्यमी एक मंच पर जुटेंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अनुभव और तकनीक के समन्वय का अवसर प्रदान करेगा, जिससे किसानों को आधुनिक खेती के नए आयामों को समझने में मदद मिलेगी। मंत्री ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से किसानों और नर्सरी संचालकों को नई किस्मों, उन्नत नर्सरी प्रबंधन तकनीकों और बाजार की संभावनाओं से जोड़ा जाएगा। विशेष रूप से टिशू कल्चर और उच्च गुणवत्ता वाले पौधों के उत्पादन पर जोर दिया जाएगा, जिससे फसलों की गुणवत्ता और उत्पादकता में सुधार होगा। कॉन्क्लेव के दौरान एक भव्य प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र होगी, जिसमें देश के प्रतिष्ठित नर्सरी संचालक अपने प्रीमियम पौधे, नई प्रजातियां और आधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन करेंगे। इससे किसानों को सीधे बेहतर पौध सामग्री और नवाचारों की जानकारी मिल सकेगी। राम कृपाल यादव ने कहा कि इस पहल से न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। जलवायु के अनुकूल और अधिक लाभकारी फसलों को बढ़ावा देने से कृषि-व्यवसाय के नए अवसर विकसित होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि कॉन्क्लेव के दौरान उद्यान पाठशालाओं के माध्यम से किसानों और युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा, वहीं स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नए बिजनेस आइडिया प्रस्तुत करने का अवसर भी मिलेगा। इससे युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। कार्यक्रम में डिजिटल तकनीकों का भी विशेष उपयोग किया जाएगा। क्यूआर कोड और इंटरएक्टिव सिस्टम के जरिए आगंतुकों को सभी जानकारियां उनके मोबाइल पर उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही बच्चों के लिए "ग्रीन इनोवेशन जोन" तैयार किया जाएगा, जहां वे पर्यावरण और आधुनिक खेती से जुड़ी नई चीजें सीख सकेंगे। इस तरह यह कॉन्क्लेव बिहार में बागवानी क्षेत्र के विकास और तकनीकी विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मसौढ़ी के गांधी मैदान में रासलीला का आगाज, वृंदावन के कलाकारों ने बांधा समां

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मसौढ़ी। मसौढ़ी नगर के गांधी मैदान में गुरुवार से भव्य रासलीला महोत्सव की शुरुआत हुई, जिसने पहले ही दिन श्रद्धालुओं और दर्शकों को भक्तिरस में डुबो दिया। आठ दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अवध हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. सुधीर कुमार और डॉ. राखी रानी ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। इसके बाद मंच पर विराजमान राधा-कृष्ण के स्वरूपों की विधिवत आरती उतारी गई और पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आयोजन समिति के अनुसार,

रासलीला का उद्देश्य क्षेत्र में धार्मिक आस्था को मजबूत करने के साथ-साथ सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखना है। वृंदावन से आए कलाकारों ने मंच पर भगवान कृष्ण की विविध लीलाओं का जीवंत प्रदर्शन किया, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया। पहले दिन राधा-माधव की गोपियों संग रास, मयूर नृत्य, कथक प्रस्तुति, थालियों का नृत्य और चंद्रावली सखी के साथ निकुंज लीला जैसे मनमोहक दृश्य प्रस्तुत किए गए। व्यास नंदकिशोर के भजनों, खासकर "श्याम मिला दे" की प्रस्तुति पर दर्शक झूम उठे। पूरे पंडाल में "जय श्रीकृष्ण" के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. रामजयपाल सिंह, सचिव अनिल कुमार यादव, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार मिट्ठू सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। बड़ी संख्या में स्थानीय महिला-पुरुष कार्यक्रम का आनंद लेने पहुंच रहे हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्ति और उल्लास का माहौल बना हुआ है। आठ दिनों तक चलने वाला यह आयोजन प्रतिदिन विभिन्न लीलाओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ श्रद्धालुओं को आकर्षित करता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

कड़ी सुरक्षा में संपन्न हुई शिवपुर पैक्स चुनाव की मतगणना,ज्योतिष कुमार सिंह बने अध्यक्ष

बिक्रमगंज / रोहतास : बुधवार की देर रात बिक्रमगंज प्रखंड कार्यालय के सभागार भवन में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शिवपुर पैक्स चुनाव की मतगणना शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई । प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाची पदाधिकारी सुनील कुमार गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि शिवपुर पैक्स का चुनाव बुधवार को निर्धारित समय के अनुसार शाम 4:30 बजे शांतिपूर्वक संपन्न हुआ । इसके बाद देर रात प्रखंड कार्यालय परिसर में ही कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना कराई गई ।उन्होंने बताया कि कुल 1445 मतदाताओं में से 730 मत पड़े । इनमें से 664 मत वैध घोषित किए गए,जबकि 66 मत निरस्त कर दिए गए । अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में ज्योतिष कुमार सिंह ने 339 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की । जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी एवं निवर्तमान पैक्स अध्यक्ष राहुल कुमार सिंह को 294 मत मिले । वहीं तीसरे प्रत्याशी रविकांत राय को मात्र 31 मतों से संतोष करना पड़ा । निर्वाची पदाधिकारी द्वारा विजेता ज्योतिष कुमार सिंह को जीत का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया । इस मौके पर सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी रितेश कुमार,प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं शिवपुर की मुखिया श्वेता सिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे ।

राजपुर-बलियां मार्ग पर दर्दनाक हादसा : डंफर की चपेट में आने से 4 वर्षीय मासूम की मौत

बिक्रमगंज / रोहतास : नटवार थाना क्षेत्र अंतर्गत राजपुर-बलियां मार्ग पर गुरुवार को सुबह करीब 10 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में 4 वर्षीय मासूम की मौत हो गई । घटना राजपुर गांव के समीप की है,जहां डंफर की चपेट में आने से बच्चे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया । प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर निवासी फुलेंद्र राम का चार वर्षीय पुत्र संदीप कुमार घर के पास सड़क किनारे खेल रहा था । इसी दौरान एक डंफर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया । हादसा इतना भीषण था कि बच्चे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई ।घटना के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए और डंफर चालक एवं सहचालक को वाहन समेत पकड़ लिया । इसके बाद ग्रामीणों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी ।सूचना मिलते ही नटवार थानाध्यक्ष अजीत कुमार अपने पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे । पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया । साथ ही डंफर को जब्त कर चालक एवं सहचालक को हिरासत में ले लिया गया है । इस हृदय विदारक घटना से गांव में शोक का माहौल है । वहीं स्थानीय पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है ।

ईद पर्व को लेकर डीएम और एसपी द्वारा संयुक्त ब्रीफिंग किया गया

शिवहर । समाहरणालय स्थित संवाद कक्ष में ईद पर्व के अवसर पर जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त ब्रीफिंग किया गया। ब्रीफिंग के दौरान जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी उपस्थित दंडाधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों को ईद एवं नवरात्र के मद्देनज़र सतत निगरानी करने से सम्बंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला पदाधिकारी ने सोशल मीडिया में सतत निगरानी रखने, असामाजिक तत्वों पर कड़ाई करने, संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल के तैनात रहने, अग्निशमन एवं एम्बुलेंस को किसी अप्रिय घटना घटने पर तैयार रहने इत्यादि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करते हुए आवश्यक निदेश दिया गया। मौके पर अपर समाहर्त्ता, उप-विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी एवं सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित थें।

चैत्र नवरात्र पर्व एवं हिन्दू नववर्ष आगमन के अवसर पर हवन यज्ञ का आयोजन

सीतामढ़ी : चैत्र नवरात्र पर्व एवं हिन्दू नववर्ष के आगमन के अवसर पर आर्य समाज परिवार की ओर से हवन यज्ञ का कार्यक्रम श्याम कृपा कुटी स्थित योग संस्थान में पुरे विधि - विधान से किया गया। गुरुवार की सुबह हुए इस यज्ञ के संदर्भ में योग मित्र मंडली के अध्यक्ष कमलेश शर्राफ ने बताया कि हम जो प्रतिदिन योग करते हैं वह सिर्फ अपने लिए करते हैं। अपितु आज का यज्ञ सभी उपस्थित एवं पुरे समाज व समस्त नगरवासियों के कल्याण हेतु किया जा रहा है। पूजा प्रारंभ से पूर्व आचार्य उपेन्द्र आर्य ने बतलाया कि आज के दिन से मौसम में बदलाव, नवरात्रा, सात्विक भोजन व पूजा पाठ करते हैं। जो शारीरिक स्वास्थ्य के अच्छा माना गया है। इस अवसर पर योग मित्र मंडली के सचिव मनोज कुमार ने कहा कि हवन (यज्ञ) करने से शरीर शुद्ध होता है, सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। यह मानसिक शांति, रोगों का नाश, मनोकामना पूर्ति करने का शक्तिशाली, आध्यात्मिक व वैज्ञानिक अनुष्ठान माना जाता है, जिससे देवता प्रसन्न होते हैं और सुख-समृद्धि आती है। इस अवसर पर योग मित्र मंडली के विजय कुमार, ललन कुमार, उमेश कुमार, अजय कुमार, इन्दु देवी, खुशी कुमारी, दिव्या रानी, रुपा गुप्ता, सुनीता शर्राफ व वीणा देवी सहित सैकड़ों साधकों ने हवन आहुति देकर पुजा - अर्चना की। वहीं योग मित्र मंडली के अध्यक्ष कमलेश शर्राफ, उमा शर्राफ मुख्य यजमान के रूप में इस हवन यज्ञ को सम्पन्न कराया।

मांगों के समर्थन में कालेज के शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का प्रदर्शन जारी

सीतामढ़ी : बिहार राज्य सूत्री मांगों के समर्थन में काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन जारी है। बुधवार को महासंघ के एमपीएस कालेज मुजफ्फरपुर के प्रधान सहायक सह अध्यक्ष राजीव कुमार ,दैनिक वेतन कर्मचारी संघ सचिव अमूल्य व अध्यक्ष राहुल कुमार तथा एल एस कालेज मुजफ्फरपुर के लाइब्रेरियन सह अध्यक्ष राहुल कुमार ने जिले के सभी अंगीभूत कालेज का दौरा कर आंदोलन को तेज करने का आह्वान किया। नगर स्थित एसएलके कालेज में संघ के अध्यक्ष सह प्रधान सहायक ई अभिषेक रंजन की अध्यक्षता में बैठक कर मांगों की पूर्ति होने तक आंदोलन को जारी रखने की अपील की। इनकी मांगों में महाविद्यालय कर्मचारियों की प्रोन्नति संबंधी मामले एवं इनकी अधिसूचना अविलंब निर्गत करने,विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में कार्यरत वैसे कर्मचारी जिनका एमएसीपी का लाभ वर्ष 2022 से 2026 तक पूरा होता है उनका आवश्यक प्रक्रिया पूरा करते हुए वेतन निर्धारण कर भुगतान सुनिश्चित करने,छठे एवं सातवें वेतनमान के बकाए वेतन अंतर की राशि का पूर्ण भुगतान ,वर्षों से दैनिक वेतन व संविदा पर कार्यरत कर्मियों का भुगतान न्यूनतम वेतनमान में कराना सुनिश्चित करने तथा स्वीकृत रिक्त पद पर उनकी सेवा नियमित करने आदि शामिल है।

प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों मे वार्षिक परीक्षा मूल्यांकन प्रारंभ

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कोचस (रोहतास)। कोचस के विभिन्न काम्प्लेक्स रिसोर्स सेंटरों पर वार्षिक परीक्षा के मूल्यांकन कार्य गुरुवार से शुरू हो गया है। शिव पूजन शास्त्री +2 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नरवर-भागीरथा के कॉम्प्लेक्स रिसोर्स सेंटर के समन्वयक भरत प्रसाद सिंह ,सरेंया उच्च माध्यमिक विद्यालय समन्वयक प्रमोद कुमार तिवारी व म वि पीठवईया प्रधानाध्यापक वेंकटेश पाण्डेय , परसिया प्रधानाध्यापक बुद्धिबल, म वि कंजर प्रधानाध्यापक सुरेश प्रसाद,म वि सेलाश प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश, म वि बलथरी प्रधानाध्यापक दिनेश प्रसाद,म वि अन्हारी प्रधानाध्यापक संजय कुमार ने बताया कि रिसोर्स सेंटरों पर प्रतिनियुक्त शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन कार्य शुरू हो गया है। विभागीय आदेशों के तहत 24 मार्च तक फाइनल परिणाम घोषित कर दिया जायेगा।

उन्होंने बताया कि कॉम्प्लेक्स रिसोर्स सेंटर के अंतर्गत कुल 8 विद्यालय आते हैं, जिनमें 4 प्राथमिक विद्यालय एवं 4 मध्य विद्यालय शामिल हैं। इन विद्यालयों से कुल 1524 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुए हैं।मूल्यांकन कार्य राजकीय आदर्श मध्य विद्यालय, नरवर-भागीरथा के प्रांगण में किया जा रहा है, जहाँ 25 शिक्षकों का प्रतिनियोजन किया गया है। सभी शिक्षकों को अपने-अपने विद्यालय से अलग अन्य विद्यालयों की कॉपियों का मूल्यांकन करने का निर्देश दिया गया है।यह मूल्यांकन कार्य 19 मार्च से 24 मार्च के बीच पूरा किया जाएगा, जिसके बाद सभी अंकों का समेकन कर अंतिम परिणाम तैयार किया जाएगा।समन्वयक ने बताया कि मूल्यांकन कार्य सरकार के निर्देशों के अनुसार पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ किया जा रहा है।

बिक्रमगंज में विद्युत विभाग के स्टोर से चोरी,कबाड़ी दुकान से बरामदगी, तीन गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

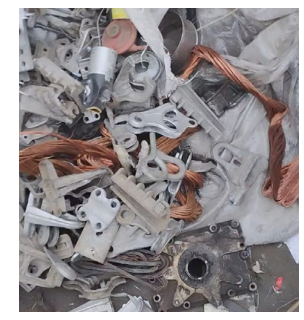

बिक्रमगंज /रोहतास । विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज कार्यालय के स्टोर रूम में रखे विभागीय सामान की चोरी का मामला प्रकाश में आया है । सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के अनुसार उक्त स्टोर में मरम्मति कार्य हेतु रखी गई विद्युत सामग्री सुरक्षित रखी गई थी तथा कमरे में ताला भी बंद था । इसके बावजूद अज्ञात चोरों ने पीछे की खिड़की तोड़कर 33 केवी एबी स्वीच,ओल्ड करंट ट्रांसफॉर्मर सहित अन्य सामग्री की चोरी कर ली । चोरी गई सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 3 लाख 50000 आंकी गई है । घटना के बाद कनीय विद्युत अभियंता एवं विभागीय कर्मियों द्वारा बिक्रमगंज क्षेत्र के विभिन्न कबाड़ी दुकानों में खोजबीन की गई । इस दौरान बिक्रमगंज नगर पानी टंकी के समीप आनंद नगर स्थित एक कबाड़ी दुकान से विभाग की कुछ चोरी की सामग्री बरामद की गई । इस संबंध में तत्काल थानाध्यक्ष बिक्रमगंज को सूचना दी गई,जिसके बाद पुलिस बल मौके पर पहुंची और दुकान की तलाशी ली गई । तलाशी के दौरान कॉपर तार सहित अन्य सामग्री जब्त कर थाना को सुपुर्द किया गया । पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कबाड़ी संचालक राजू कुमार पिता पवन चौहान ग्राम गोड़ारी थाना काराकाट एवं उनके कर्मी प्रदीप कुमार पिता अशोक गिरी निवासी गोसाई मोहल्ला बिक्रमगंज को गिरफ्तार कर लिया । उल्लेखनीय है कि प्रिंस कुमार पिता उमेश सिंह ग्राम गच्छई थाना काराकाट को भी स्टोर परिसर में चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया, जिसे पुलिस के हवाले कर दिया गया । पुलिस द्वारा मामले की जांच जारी है तथा अन्य संलिप्त व्यक्तियों की पहचान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं । विद्युत विभाग ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है ।

उपेंद्र कुशवाहा को राज्यसभा जाने पर लगी बधाईयों की ताता

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

उपेंद्र जी को राज्यसभा जाने से क्षेत्र की जनता उत्साहित हैं की आवाज को लोकसभा में पहुंचाना राष्ट्रीय अध्यक्ष की पहली प्राथमिकता होगी।

काराकाट /रोहतास । काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मीडिया से वार्ता करते हुए राष्ट्रीय लोक मोर्चा किसान प्रकोष्ठ बिहार प्रदेश महासचिव गुड्डू उपाध्याय ने राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को राज्यसभा में चुने जाने को लेकर के बधाई संदेश दिया श्री उपाध्याय ने कहा कि उपेंद्र कुशवाहा जन जन के नेता है इनको राज्यसभा जाने से क्षेत्र राज्य देश के ज्वलंत मुद्दा पर निष्पक्ष बोलने का अवसर मिला है उपेंद्र कुशवाहा एक ऐसा शक्तियत हैं जिनका चिंता क्षेत्र के जनता के साथ-साथ गरीब शोषित पीड़ित अंतिम प्रधान पर रहने वाले हर नर नारी के प्रति इनका संवेदना रहती है अन्याय के खिलाफ दमन और जुल्म के खिलाफ हमेशा से आवाज उठाते हैं और उठाते रहेंगे संसद में सर्वांगड़ी विकास के लिए ज्वलंत मुद्राओं को उठाने का काम करेंगे जिससे समाज का कल्याण होगा श्री उपाध्याय ने कहा कि

डेहरी-डालमियानगर नगर परिषद में विवाद गहराया: कार्यपालक पदाधिकारी पर गंभीर आरोप, राज्य निर्वाचन आयोग सख्त

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रोहतास। रोहतास जिले के डेहरी-डालमियानगर नगर परिषद में प्रशासनिक कार्यशैली को लेकर विवाद तेज हो गया है। डेहरी-डालमियानगर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा पद के दुरुपयोग, नियमों की अनदेखी और जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा जैसे गंभीर आरोप लगे हैं।

मामला तब और तूल पकड़ गया जब वार्ड संख्या 06 के पार्षद रितेश कुमार की शिकायत पर राज्य निर्वाचन आयोग ने संज्ञान लेते हुए जांच के निर्देश जारी किए। सूत्रों के अनुसार, पार्षद द्वारा भेजे गए परिवाद पत्र में आरोप लगाया गया है कि कार्यपालक पदाधिकारी नगर पालिका अधिनियम के प्रावधानों की अनदेखी कर रहे हैं।

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि पिछले करीब आठ महीनों से बोर्ड की साधारण बैठक नहीं बुलाई गई, जो नियमों के विपरीत है। इसके अलावा, नगर क्षेत्र में आवश्यक सामग्रियों की खरीद निर्धारित दर से अधिक कीमत पर किए जाने और विभागीय कार्यों को मनमाने तरीके से चुनिंदा संवेदकों के माध्यम से कराने के भी आरोप लगाए गए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला पदाधिकारी-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। आयोग के इस कदम के बाद नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल और तेज हो गए हैं।

इधर, नगर परिषद के अन्य पार्षदों ने भी कार्यपालक पदाधिकारी के रवैये पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि इस तरह की कार्यशैली से न केवल प्रशासनिक पारदर्शिता प्रभावित होती है, बल्कि सरकार की योजनाओं का लाभ भी आम लोगों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पाता।

पार्षदों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वे जन आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। फिलहाल निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस मामले में क्या कदम उठाता है। यह देखना अहम होगा कि जांच के बाद आरोपों की पुष्टि होती है या मामला प्रशासनिक प्रक्रियाओं में ही सीमित रह जाता है।

गुरुवार को चैती नवरात्रि के प्रथम दिन आस्था,श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

सासाराम /रोहतासः नगर सहित आसपास के प्रखंडों और ग्रामीण क्षेत्रों में गुरुवार को चैती नवरात्रि के प्रथम दिन आस्था,श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला । अहले सुबह से ही श्रद्धालु नित्यक्रिया से निवृत होकर पवित्र स्नान-ध्यान करने के उपरांत नए परिधान धारण कर मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना के लिए घरों से निकल पड़े । हर ओर भक्ति का ऐसा माहौल बना कि पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो उठा ।

नगर के डुमरांव रोड स्थित तेंदुनी मां दुर्गा मंदिर,सासाराम रोड सब्जी मंडी के समीप स्थित मां दुर्गा मंदिर,मां आस्कामिनी मंदिर,धनगाई देवी मंदिर,नगर परिषद वार्ड संख्या 21 धारूपुर स्थित मां काली मंदिर सहित अन्य प्रमुख देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी । वहीं दिनारा प्रखंड क्षेत्र के निज धाम शक्तिपीठ मां यक्षिणी भलुनी भवानी मंदिर में भी भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं । श्रद्धालु कतारबद्ध होकर पूरे अनुशासन और श्रद्धा के साथ मां के दर्शन कर पूजा-अर्चना करते नजर आए । मंदिर परिसरों में घंटा,घड़ियाल और शंख की पवित्र ध्वनि से वातावरण गूंजायमान हो उठा । "जय माता दी" के गगनभेदी जयकारों से चारों दिशाएं गुंजायमान रहीं । पूजा के दौरान श्रद्धालु मां के श्रीचरणों में फूल,नारियल,चुनरी,अगरबत्ती और दीप अर्पित कर अपनी मनोकामनाएं व्यक्त करते रहे । कई श्रद्धालु पूरे नौ दिनों तक व्रत रखने का संकल्प भी लेते नजर आए ।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी नवरात्रि को लेकर विशेष उत्साह और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला । गांव-गांव में श्रद्धालुओं ने अपने- अपने घरों के पूजा स्थलों पर विधिवत कलश स्थापना की । विद्वान आचार्यों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की गई । महिलाएं, पुरुष और बच्चे सभी भक्ति में लीन होकर मां की आराधना करते नजर आए । पूजा-अर्चना के उपरांत श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के श्रीचरणों में शीश नवाकर अपने परिवार,स्वजनों, गांव,नगर,प्रखंड,अनुमंडल,जिला, राज्य एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि, शांति,उन्नति,यश और वैभव की कामना की । कई स्थानों पर भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का भी आयोजन किया गया,जिससे वातावरण और अधिक भक्तिमय हो गया । दिनभर मंदिरों और घरों में पूजा-अर्चना,भजन-कीर्तन और जयकारों की धूम रही । चैती नवरात्रि के इस पावन अवसर ने पूरे क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया । श्रद्धालुओं के चेहरों पर आस्था, विश्वास और भक्ति की झलक साफ दिखाई दे रही थी । नवरात्रि का यह पावन पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है,बल्कि समाज में एकता, सद्भाव और सकारात्मकता का संदेश भी देता है । प्रथम दिन के इस भव्य आगाज ने आने वाले नौ दिनों के धार्मिक उत्साह और उल्लास की झलक प्रस्तुत कर दी है ।

कर्मा गांव में जर्जर बिजली के तार से ग्रामीण चिंतित

◆ गांव में पसरा एलटी लाइन के पुराने और झूलते तार किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकता हैं

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट / रोहतास । प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गम्हरिया पंचायत के वार्ड 10 स्थित कर्मा गांव में जर्जर बिजली के तार ग्रामीणों के लिए चिंता का विषय बना हुआ हैं । पिछले कई महीनों से गांव में पसरा एलटी लाइन के पुराने और झूलते तार किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकता हैं । गांव की संकरी गलियों में ये तार काफी नीचे तक लटक आए हैं, जिससे करंट लगने का खतरा बढ़ गया है । ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली विभाग की ओर से इस समस्या पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है,जबकि शिकायतें लगातार की जा रही हैं । ग्रामीण बिट्टू कुमार सिंह ने बताया कि पिछले साल जून में ही विद्युत उपकेंद्र काराकाट में कई ग्रामीणों के हस्ताक्षर सहित एक आवेदन दिया गया था ।

इसके अलावा दर्जनभर मौखिक शिकायतें भी की जा चुकी हैं,लेकिन समस्या का समाधान अभी तक नहीं हुआ । उन्होंने कहा कि ये तार इतने जर्जर हैं कि किसी भी समय जान-माल का नुकसान हो सकता है । हिमांशु सिंह,रोहित कुमार,राजकुमार सिंह,राजेश सिंह, राहुल सिंह और कुंदन सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने भी अपनी चिंता व्यक्त की है । उन्होंने बताया कि गांव की पतली गलियों में तार नीचे झूल रहे हैं,जिससे बच्चों और बुजुर्गों को करंट लगने का डर बना रहता है । ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि विभाग ने जल्द संज्ञान नहीं लिया,तो कोई बड़ी अनहोनी हो सकती है । इस संबंध में कनीय अभियंता (जेई) काराकाट संजीत कुमार से बात की गई । उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें समस्या की जानकारी है । जेई ने बताया कि एक महीने पहले ही एलटी बिजली तारों की मरम्मत के लिए संबंधित कंपनी को रिपोर्ट भेजी गई थी,लेकिन कंपनी में सामग्री की कमी थी । संजीत कुमार ने आगे बताया कि उन्होंने आज फिर रिपोर्ट भेजी है और कंपनी ने आश्वासन दिया है कि इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर जल्द ही दूर कर दिया जाएगा । ग्रामीणों ने मांग की है कि यदि शीघ्र मरम्मत नहीं हुई तो वे सामूहिक धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे ।

इंजीनियरिंग कॉलेज में टेक्नोकल्चरल फेस्ट 'अनुत्रम 3.0' का हुआ समापन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

शिवहर। गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, शिवहर में आयोजित तीन दिवसीय तकनीकी एवं सांस्कृतिक महोत्सव "अनुत्रम 3.0" का समापन कल सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को उनके प्रदर्शन के अनुसार पुरस्कार प्रदान किए गए। समापन दिवस पर ग्रुप डिस्कशन, पोएट्री, निबंध लेखन, म्यूजिकल चेयर और वर्कशॉप जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। पुरस्कार वितरण समारोह में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. केशवेंद्र चौधरी एवं सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में प्राचार्य डॉ केशवेंद्र चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि अब तकनीकी महोत्सव का सफल समापन हो चुका है, इसलिए सभी छात्र अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रम पर पूरा ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने इस अवसर पर स्टूडेंट्स एक्टिविटी काउंसिल के समन्वयकों प्रोफेसर आदित्य नारायण पांडेय, प्रोफेसर राजू कुमार शर्मा और प्रोफेसर सेराज अहमद सहित पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि इतने व्यवस्थित और सफल तरीके से किसी बड़े आयोजन को संपन्न कराना किसी भी टीम के लिए एक बड़ी उपलब्धि होती है।

इस दौरान विजेताओं को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। वहीं कुछ प्रमुख तकनीकी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार भी दिया गया। पुरस्कार वितरण समारोह दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक चला, जिसमें सभी विजेताओं को सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण के उपरांत कॉलेज के रजिस्ट्रार डॉ. चंदन कुमार ने भी छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों में भाग लेने से छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उनके सर्वांगीण विकास में मदद मिलती है। साथ ही उन्होंने आयोजन समिति को इस सफल कार्यक्रम के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया।

अंत में स्टूडेंट्स एक्टिविटी काउंसिल के बारे में बताते हुए कहा गया कि यह संस्था कॉलेज में आयोजित विभिन्न तकनीकी, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का संचालन करती है। सैक छात्रों को अपनी प्रतिभा निखारने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने और टीमवर्क सीखने का एक सशक्त मंच प्रदान करता है। अनुत्रम 3.0 के सफल आयोजन ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि सैक टीम कॉलेज में सकारात्मक और रचनात्मक माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस महोत्सव ने छात्रों में आत्मविश्वास, टीमवर्क और तकनीकी नवाचार की भावना को और मजबूत किया गया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

करंट की चपेट में आने से महिला की मौत, नालंदा में छत पर कपड़े सुखाते समय हादसा

नालंदा। नालंदा के लहेरी थाना क्षेत्र के देवी कॉलोनी में आज हाई वोल्टेज तार की चपेट में आने से एक विवाहिता की मौत हो गई। मृतका की पहचान रहुई थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव निवासी सूरज कुमार की पत्नी किरण कुमारी (25) के रूप में हुई है। वह शहर में किराए के मकान में रहकर प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। मृतका की चाची चंचला देवी ने बताया कि किरण, देवी कॉलोनी में एक किराए के मकान में रहती थी। आज वह कपड़े धोने के बाद उन्हें सुखाने के लिए छत पर गई थी। इसी दौरान वह छत के बेहद करीब से गुजर रहे 11,000 वोल्ट के हाईटेंशन तार की चपेट में आ गई। करंट का झटका इतना जोरदार था कि वह बुरी तरह से झुलस गई। आनन-फानन में स्थानीय लोग और परिजन उसे इलाज के लिए मॉडल अस्पताल ले गए, लेकिन वहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किरण मूल रूप से सिलाव थाना क्षेत्र के धरहरा गांव की रहने वाली थी। उसकी शादी महज एक साल पहले रहुई के शाहपुर निवासी सूरज कुमार से हुई थी। घटना की सूचना मिलते ही मायके और ससुराल, दोनों पक्षों के लोग अस्पताल पहुंचे। अस्पताल परिसर में शव को देखते ही परिजनों की चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना पाकर लहेरी थाना पुलिस की टीम मॉडल अस्पताल पहुंची। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने बताया कि करंट से झुलसकर एक महिला की मौत की जानकारी मिली थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। थाना अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि आवेदन प्राप्त होने पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों और परिस्थितियों की गहन जांच कर रही है।

5100 दीपों से भव्य दीपोत्सव एवं महा आरती का किया गया आयोजन

सीतामढ़ी : नववर्ष २०८३ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के शुभ अवसर पर लक्ष्मणा नदी के सीता घाट पर विश्व हिंदू परिषद जिला कार्याध्यक्ष सुमित कुमार के अगुआई में 5100 दीपों से भव्य दीपोत्सव एवं महा आरती का आयोजन किया गया। दीपोत्सव सह माता लक्ष्मणा की भव्य आरती में विश्व हिंदू परिषद, मातृवाहिनी, बजरंग दल तथा अनेक साधु संतों ने मिलकर दीपोत्सव का आयोजन किया। विहिप केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल सदस्य व संयोजक संत भूषण दास ने कहा कि प्रतिदिन होने वाला महा आरती माता लक्ष्मणा के उड़ाही की वाट देख रहा है। समाज में जागरूकता आए जिससे नदी के आस पास स्वच्छता हो सके ऐसी कामना के साथ ही आरती प्रारंभ की गई । यह आरती सीतामढ़ी की संस्कृति और सफाई के प्रति जागरूकता का संदेश भी देती है। आरती के पश्चात महाप्रसाद का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में महंत राज नारायण दास प्रांतीय मार्गदर्शक मंडल सदस्य, महंत रामकुमार दास जी महाराज, महंत बालकृष्ण दास जिला मार्गदर्शक मंडल सदस्य, महंत मदन दास जी महाराज, संजय कुमार चौधरी नगर अध्यक्ष, संयोजीका नीरा गुप्ता, सुमित्रा देवी, इंदु देवी, चंदन कुमार, बजरंग दल विभाग संयोजक, लाल बाबू यादव, धर्मेंद्र कुमार चौधरी, राकेश कुमार, सत्यजीत सिंह सोनू, संजीव कुमार, राम नंदन महतो, सभु शौर्य समरसता प्रमुख, विकास कुमार नगर सह मंत्री, जितेंद्र बैठा, जिला सा मंत्री,दिलीप कुमार सिंह, जिला मंत्री रोहित कुमार, जिला सह मंत्री दिग्विजय सिंह के साथ दर्जनों कार्यकर्ता सहित श्री सीता जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद् के अभिषेक मिश्र, अखिलेश झा, राजू गुप्ता, अरविंद ज्वाला आदि गणमान्य शामिल हुए।

बिहार दिवस को लेकर स्थानीय कलाकारों का ऑडिशन

शिवहर। बिहार दिवस को लेकर स्थानीय कलाकारों का चयन हेतु महात्मा गांधी नगर भवन में प्रतियोगिता आयोजन किया गया। एडीएम श्री मेधावी और अन्य अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विभिन्न स्कूली छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। तो वहीं मंच का संचालन शिक्षक अनिल सिंह ने किया। बिहार दिवस के पूर्व स्थानीय कलाकारों के लिए सुनहरा अवसर बिहार दिवस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले कलाकारों का पुर्वमूल्याकन एवं चयन प्रतियोगिता किया गया। बिहार दिवस हर साल 22 मार्च को मनाया जाता है, जो 1912 में बंगाल प्रेसीडेंसी से बिहार के अलग होकर एक नए राज्य के रूप में गठन की याद दिलाता है। यह राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, इतिहास और विकास का जश्न मनाने का दिन है। इस दिन सरकारी और निजी स्तर पर भव्य कार्यक्रम, सांस्कृतिक उत्सव और परेड आयोजित किए जाते हैं। बिहार दिवस कार्यक्रम को सफल और सुंदर बनाने के लिए जिला प्रशासन का प्रयासरत हैं 1

किसानों को गरमा मसौम सब्जी खेती का मिला प्रशिक्षण

शिवहर। जिला मुख्यालय स्थित संयुक्त कृषि भवन के सभागार में गरमा मौसम में सब्जी की खेती विषयक एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया 1 कार्यक्रम शुभारंभ प्रीति कुमारी जिला कृषि पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक आत्मा द्वारा किया गया 1 प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप परियोजना निदेशक आत्मा विकास कुमार आजाद, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ० संचिता घोष एवं डॉ० सौरभ शंकर पटेल सहित सभी सहायक निदेशक, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं एक सौ से अधिक संख्या में प्रगतिशील कृषक द्वारा भाग लिया गया 1 कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा गरमा मौसम में सब्जी की खेती के संबंध में विस्तृत रूप से कृषकों को जानकर प्रदान की गई 1

चैत्र नवरात्रि का शुभारंभः मां मंगला गौरी मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन गया स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां मंगला गौरी मंदिर में आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। तड़के सुबह से ही मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की भीड़ से पट गया। बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड सहित कई राज्यों से पहुंचे भक्तों ने मां के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर के बाहर लंबी कतारों में खड़े श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए। धार्मिक मान्यता है कि चैत्र माह में मां मंगला गौरी की आराधना करने से सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है, यही कारण है कि नवरात्रि के दौरान यहां श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। भक्त न केवल दर्शन करते हैं, बल्कि विशेष पूजन और अनुष्ठान भी संपन्न कराते हैं। भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। दर्शन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए बैरिकेडिंग की गई है और कतारबद्ध तरीके से श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जा रहा है। मंदिर समिति के अध्यक्ष शंकर प्रसाद के अनुसार, बुजुर्गों और विशेष आवश्यकता वाले श्रद्धालुओं के लिए शीघ्र दर्शन पास की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि नवरात्र के पहले दिन से ही पूरे वर्ष के लिए प्रसाद वितरण की शुरुआत कर दी गई है। साथ ही अष्टमी के दिन विशेष पूजा-अनुष्ठान को लेकर अलग से तैयारी की जा रही है। हालांकि, भारी भीड़ के बावजूद पर्याप्त सुरक्षा बल की तैनाती नहीं होने से मंदिर प्रबंधन की चिंता बढ़ गई है। समिति की ओर से जिला प्रशासन को पूर्व में ही पत्र भेजकर अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की गई थी, लेकिन अब तक अपेक्षित व्यवस्था नहीं हो सकी है। मंदिर प्रबंधन ने स्थानीय प्रशासन से जल्द पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की है। मंदिर के महंत आकाश जयदेव गिरी ने बताया कि मां मंगला गौरी शक्तिपीठ में सच्चे मन से पूजा करने पर भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने कहा कि यहां विराजमान मां जगदंबा की कृपा से श्रद्धालुओं के जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है। नवरात्रि के इस पावन अवसर पर पूरा मंदिर परिसर भक्ति, श्रद्धा और उत्साह के माहौल में डूबा हुआ है, जहां हर ओर "जय माता दी" के जयकारे गूंज रहे हैं।

शेरघाटी में जजों-वकीलों के बीच मैत्री क्रिकेट मैच, जजेज एलेवन की शानदार जीत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

शेरघाटी, गया। गया जिले के शेरघाटी स्थित टीचर ट्रेनिंग प्लेग्राउंड में जजों और वकीलों के बीच एक रोमांचक मैत्री क्रिकेट मुकाबला खेला गया। 15 ओवर के इस मैच में जजेज एलेवन ने एडवोकेट एलेवन को 9 विकेट से हराकर एकतरफा जीत दर्ज की। सुबह 7 बजे शुरू हुए मुकाबले में एडवोकेट एलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया, लेकिन टीम की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। पूरी टीम 10 ओवर में महज 41 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से अनीश कुमार ने सर्वाधिक 13 रन बनाए। जजेज एलेवन की गेंदबाजी बेहद प्रभावी रही। उपकप्तान रोहित सिन्हा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट झटके और उन्हें 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। अमरकांत ने दो विकेट हासिल किए, जबकि सुशांत सागर, रामलाल, उज्ज्वल और मनीष ने एक-एक विकेट लेकर विपक्षी टीम को जल्दी समेट दिया। वहीं, उज्ज्वल कुमार ने चार कैच लपककर 'बेस्ट फील्डर' का पुरस्कार अपने नाम किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जजेज एलेवन टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और महज 6 ओवर में एक विकेट खोकर 42 रन बनाते हुए मुकाबला आसानी से जीत लिया। सलामी बल्लेबाज कुमार शिवम (मुंसिफ) ने नाबाद 20 रन की शानदार पारी खेली और 'बेस्ट बैट्समैन' का खिताब हासिल किया। मैच के बाद विजेता टीम के कप्तान सुशांत सागर ने कहा कि बार और बेंच के बीच इस तरह के आयोजन न केवल मानसिक तनाव को कम करते हैं, बल्कि आपसी संबंधों को भी मजबूत बनाते हैं। वहीं, एडवोकेट एलेवन के कप्तान मनोज सिंह ने भी इस पहल को सराहते हुए कहा कि ऐसे आयोजन पेशेवर सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देते हैं।

बेलागंज थाना में शांति समिति की बैठक, रामनवमी व ईद पर सौहार्द बनाए रखने की अपील

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बेलागंज,गया। गया जिले के बेलागंज थाना परिसर में गुरुवार को आगामी रामनवमी और ईद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडे ने की, जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रबुद्ध नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रही। बैठक में थाना प्रभारी ने सभी उपस्थित लोगों से त्योहारों को मिलजुल कर मनाने और क्षेत्र में आपसी सद्भाव बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि रामनवमी और ईद दोनों ही पर्व समाज में एकता और भाईचारे का संदेश देते हैं, ऐसे में किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें और उसे तुरंत प्रशासन को सूचित करें।

उन्होंने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। किसी भी तरह की अशांति, हुड़दंग या विवाद फैलाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ऐसे तत्वों पर विशेष नजर रखेगा।

डीजे संचालन को लेकर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए। थाना प्रभारी ने कहा कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग में सरकारी नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा। निर्धारित समय और ध्वनि सीमा का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पुलिस ने यह भी भरोसा दिलाया कि पर्व के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाएंगे। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और लगातार गश्त की व्यवस्था रहेगी, ताकि लोग सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार मना सकें।

दिनदहाड़े सीएसपी संचालक से 54 हजार की लूट, चालाकी से वारदात को दिया अंजाम

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गुरुआ, गया। गया जिले के गुरुआ थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक बार फिर पुलिस व्यवस्था को चुनौती देते हुए बड़ी वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने बेहद शातिर तरीके से एक ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी) संचालक को निशाना बनाते हुए 54 हजार रुपये लूट लिए। घटना बुधवार की देर शाम मोती बिगहा गांव के समीप हुई, जिससे इलाके में दहशत का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीएसपी संचालक सुनील कुमार पंजाब नेशनल बैंक से नकदी निकालकर मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे। उन्होंने रुपये से भरा बैग बाइक के हैंडल पर टांग रखा था। इसी दौरान पहले से पीछा कर रहे दो अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने योजना के तहत उन्हें अपना शिकार बनाया। बताया जाता है कि बदमाशों ने अचानक सुनील कुमार के कपड़ों पर गुटखा की पीक फेंक दी। इस अप्रत्याशित हरकत से वह घबरा गए और पास में लगे चापाकल पर कपड़े साफ करने के लिए रुक गए। इसी मौके का फायदा उठाकर अपराधियों ने उनकी बाइक से रुपयों से भरा बैग उड़ा लिया और तेजी से फरार हो गए। जब तक पीड़ित को पूरी घटना का अहसास हुआ, तब तक अपराधी काफी दूर निकल चुके थे। उन्होंने आसपास के लोगों को आवाज लगाई, लेकिन किसी को भी अपराधियों का सुराग नहीं मिल सका। घटना के बाद गुरुवार को पीड़ित ने गुरुआ थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष मनेश कुमार ने बताया कि आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और अपराधियों की पहचान के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि अपराधी अब वारदात को अंजाम देने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं, जिससे आम लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

कार गड्ढे में पलटी, 3 इंजीनियरिंग के छात्रों की मौत, नालंदा में 2 स्टूडेंस जख्मी, पटना रेफर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालन्दा। नालंदा इंजीनियरिंग कॉलेज के 3 छात्रों की आज सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि 2 अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब छात्रों से भरी एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरी।

घटना चंडी थाना क्षेत्र के सालेहपुर मोड़ और गौढ़ापर के बीच की है। पांचों छात्र कार में सवार होकर चंडी की ओर से आ रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार की रफ्तार काफी अधिक थी। गाड़ी 100 के स्पीड में थी। गौढ़ापर के पास ड्राइवर ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया और कार सड़क से उतरकर सीधे गड्ढे में पलट गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और छात्र अंदर ही फंस गए।

मदद के लिए दौड़े स्थानीय लोगः चीख-पुकार सुनकर स्थानीय ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना मिलते ही चंडी पुलिस भी दल-बल के साथ पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे छात्रों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया और एम्बुलेंस के जरिए तुरंत रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया।

मृतक-घायलों की पहचानः अस्पताल में डॉक्टरों ने दो छात्रों को मृत घोषित कर दिया, जिनकी पहचान आशीष कुमार और राहुल कुमार के रूप में हुई है। वहीं, 3 गंभीर रूप से घायल छात्रों—धीरज कश्यप, उत्सव सिंह और शशिकांत को प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया था। जहां रास्ते में उत्सव की मौत हो गई। सभी छात्र नालंदा इंजीनियरिंग कॉलेज के हैं। मृतक उत्सव कुमार समस्तीपुर का रहने वाला है। घायल शशिकांत कुमार रोहतास का रहने वाला हैं। मृतक आशीष जमुई और राहुल रजन कटिहार का रहने वाला था। घायल धीरज कशयप गया का रहने वाला है।

चण्डी थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि कार की गति काफी तेज थी, जिसके कारण सालेहपुर-गौढ़ापर के बीच गाड़ी अनियंत्रित होकर गड्ढे में जा गिरी। छात्रों की मौत की पुष्टि हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे की खबर मिलते ही कॉलेज परिसर और छात्रों के परिजनों में कोहराम मच गया है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

राजगीर में 16वीं नेशनल मेंस सब जूनियर हॉकी चैंपियनशिप

1 से 12 अप्रैल तक होगा भव्य आयोजन, 52 मुकाबले होंगे

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालन्दा। ऐतिहासिक नगरी राजगीर का खेल परिसर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं के बीच हॉकी के रोमांच से सराबोर होने के लिए तैयार है। आगामी एक अप्रैल से यहां 16वीं नेशनल मेंस सब जूनियर हॉकी चैंपियनशिप का भव्य आयोजन होने जा रहा है, जिसे लेकर खेल प्रेमियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

12 अप्रैल तक चलने वाले इस महाकुंभ में देश के 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की टीमें शिरकत करेंगी, जिनके बीच कुल 52 कड़े मुकाबले खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के सफल संचालन को लेकर बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविन्द्रन शंकरण ने जिलाधिकारी कुंदन कुमार को पत्र लिखकर आयोजन के दौरान पुख्ता चिकित्सा व्यवस्था और एंबुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

प्रतियोगिता के प्रारूप को बेहद दिलचस्प बनाया गया है, जिसमें शामिल टीमों को उनकी वरीयता और प्रदर्शन के आधार पर तीन अलग-अलग डिवीजनों में विभाजित किया गया है। डिवीजन 'ए' में कुल 12 शीर्ष टीमों को रखा गया है, जिन्हें चार अलग-अलग पूल में बांटा गया है। इस डिवीजन की टीमें न केवल लीग मैच खेलेंगी, बल्कि वे ही क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल के खिताब के लिए जद्दोजहद करेंगी।

चंडीगढ़ और महाराष्ट्र की टीम आमने-सामनेः खेल के नियमों के अनुसार, इस डिवीजन में अंतिम दो स्थानों पर रहने वाली टीमों को अगले सत्र के लिए डिवीजन 'बी' में रखा जाएगा। वहीं, डिवीजन 'बी' में शामिल 10 टीमें लीग मैचों में अपना दम दिखाएंगी, जहां शीर्ष पर रहने वाली दो टीमों को डिवीजन 'ए' में पदोन्नत किया जाएगा, जबकि निचले पायदान की दो टीमें डिवीजन 'सी' का हिस्सा बनेंगी। इसी तरह आठ टीमों वाले डिवीजन 'सी' से भी दो सर्वश्रेष्ठ टीमें ऊपर के डिवीजन में जगह बनाने के लिए संघर्ष करेंगी।

डिवीजन 'ए' के पूल 'ए' में पंजाब, चंडीगढ़ और महाराष्ट्र जैसी दिग्गज टीमें आमने-सामने होंगी, जबकि पूल 'बी' में झारखंड और तमिलनाडु की भिड़ंत देखने लायक होगी। पूल 'सी' में उत्तर प्रदेश और हरियाणा जैसे पावरहाउस शामिल हैं, तो पूल 'डी' में मध्य प्रदेश और ओडिशा के बीच कांटे की टक्कर होने की उम्मीद है।

ड्रॉ रहने पर एक-एक अंक मिलेगाः मेजबान बिहार को डिवीजन 'बी' के पूल 'बी' में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला कर्नाटक, छत्तीसगढ़, अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश जैसी टीमों से होगा। प्रतियोगिता के दौरान अंकों के गणित को स्पष्ट करते हुए बताया गया है कि प्रत्येक जीत के लिए टीमों को तीन अंक दिए जाएंगे, जबकि मैच ड्रॉ रहने की स्थिति में दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना होगा। टूर्नामेंट का चरम मुकाबला यानी फाइनल मैच 12 अप्रैल को खेला जाएगा, जो यह तय करेगा कि सब जूनियर स्तर पर देश की सर्वश्रेष्ठ हॉकी टीम कौन सी है।

प्रशांत किशोर बोले- सियासत पिछले तीन दशकों से महज 1200 परिवारों के इर्द-गिर्द

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालन्दा। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने आज अपने 'बिहार नवनिर्माण अभियान' के तहत नालंदा का दौरा किया। यहां कार्यकर्ताओं के साथ मैराथन बैठक करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बिहार की वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था पर जमकर प्रहार किया। किशोर ने दावा किया कि नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री पद से हटना अब तय है और प्रदेश में सत्ता का रिमोट कंट्रोल अब दिल्ली से संचालित होगा। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणामों से पहले ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि नीतीश कुमार अब मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे, क्योंकि वे मानसिक और शारीरिक तौर पर इस भारी जिम्मेदारी को निभाने की स्थिति में नहीं हैं।

चुनाव परिणामों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार को मिला बहुमत जनता की लोकप्रियता का नहीं, बल्कि पैसे के बल, सरकारी तंत्र के दुरुपयोग और जोड़-तोड़ का नतीजा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चूंकि यह बहुमत दूसरों के सहयोग से मिला है, इसलिए अब दिल्ली में बैठे लोग तय करेंगे कि बिहार की कुर्सी पर कौन बैठेगा।

बिहार की सियासत पिछले तीन दशकों से महज 1200 परिवारों के इर्द-गिर्दः परिवारवाद के मुद्दे पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार की सियासत पिछले तीन दशकों से महज 1200 परिवारों के इर्द-गिर्द सिमट कर रह गई है। मुख्यमंत्री के पुत्र निशांत कुमार के राजनीति में आने की संभावनाओं पर उन्होंने कहा कि नेताओं ने अपने बच्चों के भविष्य और सिंहासन की चिंता तो कर ली है, लेकिन बिहार के आम युवाओं की फिक्र किसी को नहीं है। उन्होंने बेहद भावुक लहजे में कहा कि आज बिहार का बच्चा दूसरे राज्यों की फैक्ट्रियों में मजदूरी करते हुए हादसों का शिकार हो रहा है, जबकि नेताओं के बच्चे राज करने की तैयारी में हैं।

बिहार नवनिर्माण अभियान' की व्यापक शुरुआत की जाएगीः संगठन की भविष्य की रणनीति साझा करते हुए प्रशांत किशोर ने बताया कि जून-जुलाई से 'बिहार नवनिर्माण अभियान' की व्यापक शुरुआत की जाएगी। इसके पहले पूरे प्रदेश में संगठन का पुनर्गठन किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे हर जिले में तीन दिन का समय बिता रहे हैं और नालंदा में जून से पहले दो बार और आएंगे। इस दौरान वार्ड, पंचायत और प्रखंड स्तर तक संगठन को नया स्वरूप दिया जाएगा। उन्होंने संकल्प दोहराते हुए कहा कि बिहार में व्यवस्था परिवर्तन, बेहतर शिक्षा और पलायन रोकने के लिए शुरू किया गया यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो जाती, चाहे इसमें कितना भी समय क्यों न लगे। अन्य समसामयिक विषयों पर बात करते हुए उन्होंने यूजीसी बिल को न्यायालय के अधीन बताया और कहा कि अंतिम निर्णय आने के बाद ही वे अपनी राय रखेंगे। वहीं अनंत सिंह की रिहाई पर उन्होंने संक्षिप्त टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार में किसी का जेल जाना या बेल मिलना एक सामान्य प्रक्रिया है।

संक्षिप्त समाचार

बच्चों के गले से लॉकेट छिनते धराया चोर

भागलपुर। भागलपुर में एक युवक बच्चे के गले से सोने की चेन चोरी करते रंगेहाथ पकड़ा गया। स्थानीय लोगों ने उसे पकड़कर उसकी जमकर पिटाई कर दी। बताया जा रहा कि बच्चा अपने घर के बाहर खेल रहा था। तभी युवक की नजर सोने की चेन पर पड़ी। पहले तो उसने बच्चे के गले से चेन निकालने की कोशिश की, पर जब बच्चे ने शोर मचाया तो आसपास के लोग जुट गए और युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। युवक को भीड़ से बचाकर थाने ले गई और पूछताछ की। मामला ततारपुर थाना क्षेत्र का है।

पूछताछ के बाद आरोपी को छोड़ दिया: तातारपुर थानेदार इंस्पेक्टर रविशंकर ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची थी। हालांकि, इस मामले में किसी भी पक्ष की ओर से लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई। शिकायत के अभाव में कानूनी कार्रवाई संभव नहीं हो सकी, जिसके कारण पूछताछ के बाद आरोपी युवक को छोड़ दिया गया। इससे पहले भी स्टेशन चौक पर एक किशोर से झपटमारों ने लॉकेट की छिना था। पिछले 6 महीने में आधा दर्जन घटनाएं सामने आ चुकी है। स्टेशन चौक के आसपास झपटमारों का गिरोह घूमते रहता है।

मो. वकील हत्याकांड के विरोध में आक्रोश मार्च

बेगूसराय। बेगूसराय के साहेबपुर कमाल में मो. वकील हत्याकांड के विरोध में मिल्लत कमिटी में आक्रोश मार्च निकाला। आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। आक्रोश मार्च को संबोधित करते हुए भगत सिंह यूथ फाउंडेशन के निदेशक शाहिद इकबाल अतहर ने कहा मो. वकील 15 मार्च को लापता हो गए थे। 16 मार्च की सुबह कमला स्थान के पास उनकी लाश मिली। घटना के चार दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। आठ नामजद आरोपियों में से किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस आरोपियों के घर दबिश भी नहीं डाल रही है, जो पुलिस के शिथिलता का परिचायक है। समय बीतता जा रहा है और आरोपी गिरफ्तार नहीं हो रहे, इससे स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

स्पीडी ट्रायल से सजा देने की मांग: शाहिद इकबाल अतहर ने आगे कहा कि तीन सूत्री मांगों को लेकर यह आक्रोश मार्च आयोजित है। सभी आरोपियों को अविलंब गिरफ्तार किया जाए। अगर पुलिस की पहुंच से बाहर है तो त्वरित गति से कुर्की-जब्ती की कारवाई किया जाए। स्पीडी ट्रायल के माध्यम से सजा दिलाई जाए। मौके पर बलिया नगर परिषद के चेयरमैन मो. जमाल, पूर्व उपाध्यक्ष मो. जावेद अख्तर, युवा राजद जिलाध्यक्ष मो. फैजुर रहमान, मो. सैफी, भगत सिंह यूथ फाउंडेशन के अध्यक्ष मो. हसन और मुखिया प्रतिनिधि मनीष कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

अज्ञात हमलावरों ने युवक को जबड़े के पास मारी गोली

बांका। बांका जिले के बेलहर थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात अज्ञात अपराधियों ने एक युवक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक की पहचान बेलडीहा गांव निवासी संजीव कुमार सिंह के 24 वर्षीय पुत्र अंबुज कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों की मदद से अंबुज को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेलहर पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए बांका सदर अस्पताल रेफर कर दिया। युवक की हालत नाजुक बताई जा रही है।

मामले की जांच में जुटी पुलिस: घटना की सूचना मिलते ही बेलहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस फिलहाल घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवक को किसने और क्यों गोली मारी। घायल युवक के चाचा निलेश कुमार ने घटना के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनके घर के पास गांव के तीन-चार युवक आपस में बातचीत कर रहे थे, जबकि अंबुज कुमार कुछ दूरी पर एक पान की गुमटी के पास खड़ा था।

जबड़े के पास लगी गोली: इसी दौरान अचानक पटाखे जैसी तेज आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर आसपास के लोग चौंक गए और हल्ला होने लगा कि किसी को गोली लग गई है। जब वे मौके पर पहुंचे तो देखा कि अंबुज कुमार के गाल और जबड़े के पास गोली लगी हुई थी और काफी खून बह रहा था। बेलहर थाना अध्यक्ष दिनेश वर्मा ने बताया कि पुलिस इस घटना को लेकर मामले की जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

आज से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत, मां शैलपुत्री की पूजा

बेगूसराय। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा में आज से चैत्र नवरात्र और हिंदू नववर्ष की शुरुआत गई है। दस दिनों तक श्रद्धालु दुर्गा सप्तशती, दुर्गा सहस्त्र नाम, रामचरित मानस, सुंदरकांड, कील, कवच, अर्गला का पाठ करेंगे। चैत्र नवरात्र के पहले दिन बेगूसराय में सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी है। इस अवसर पर कहीं दुर्गा सप्तशती का पाठ हो रहा है, तो कहीं रामायण पाठ की शुरूआत की गई। गांव से लेकर शहर तक का हर गली मोहल्ला 'या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता...' सहित मां दुर्गा के मंत्रों से गुंजायमान हो उठा है।

मां शैलपुत्री की पूजा: जिला मुख्यालय के शीतला स्थान सहित तमाम मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ है। कलश स्थापना के साथ ही मां भगवती के प्रथम स्वरूप शांति और उत्साह देकर भय का नाश करने वाली मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की गई। पर्वतराज हिमालय की पुत्री शैलपुत्री का जन्म शैल-पत्थर से हुआ था, इसलिए मां शैलपुत्री की पूजा करने से जीवन में स्थिरता आती है।

सुख-समृद्धि की कामना: पंडित आशुतोष झा ने बताया कि कलश के मुख में विष्णु, कंठ में महेश और मूल में ब्रह्मा स्थित हैं, कलश के मध्य में मातृ शक्ति निवास करती है। इसलिए कलश को देवी-देवता की शक्ति, तीर्थस्थान, मंगल कामना, सुख-समृद्धि का प्रतीक मानकर स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि पर्वतराज हिमालय की पुत्री शैलपुत्री की आराधना करने वाले पर्वत के समान अडिग रहते हैं।

कलश स्थापना के शुभ मुहूर्त: प्रतिपदा तिथि: सुबह 06:51 बजे से पूरे दिन। वृष लग्न मुहूर्त: सुबह 08:52 बजे से 10:49 बजे तक। गुली काल मुहूर्त: सुबह 09:06 बजे से 10:33 बजे तक। अभिजीत मुहूर्त: दोपहर 11:38 बजे से 12:24 बजे तक। चर-लाभ-अमृत मुहूर्त: सुबह 10:33 बजे से दोपहर 02:57 बजे तक। सिंह लग्न मुहूर्त: दोपहर 03:21 बजे से 05:35 बजे तक।

नवरात्रि में इन देवियों की होगी पूजा: 19 मार्च प्रतिपदा तिथि: शैलपुत्री, 20 मार्च द्वितीया तिथि: ब्रह्मचारिणी, 21 मार्च तृतीया तिथि: चंद्रघंटा, 22 मार्च चतुर्थी तिथि: कूष्माण्डा, 23 मार्च पंचमी तिथि: स्कंदमाता, 24 मार्च षष्टी तिथि: कात्यायनी, 25 मार्च सप्तमी तिथि: कालरात्रि, 26 मार्च अष्टमी तिथि: महागौरी, 27 मार्च नवमी तिथि: सिद्धिदात्री, 28 मार्च दशमी तिथि: विजयादशमी

हिंदू नव वर्ष पर प्रभात फेरी

बांका। बांका में गुरुवार को हिंदू नव वर्ष के अवसर पर विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों में उत्साह देखा गया। जिले के कई प्रखंडों और गांवों में प्रभात फेरी, पथ संचलन और अन्य अनुष्ठानों के साथ नव वर्ष का स्वागत किया गया। हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष्य में स्कूली बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली। बच्चों ने धार्मिक संदेशों वाले पोस्टर और झंडे लेकर नगर क्षेत्र में भ्रमण किया। उन्होंने लोगों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। प्रभात फेरी के दौरान बच्चों के उत्साहपूर्ण नारों को सुनने और देखने के लिए स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवकों ने पथ संचलन किया: इसी कड़ी में, रजौन बाजार में भागलपुर-हंसडीहा मुख्य सड़क मार्ग पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवकों ने पथ संचलन किया। इसमें दर्जनों स्वयंसेवक शामिल हुए। सभी स्वयंसेवक अनुशासनबद्ध होकर कदम से कदम मिलाते हुए चल रहे थे और उनके हाथों में भगवा ध्वज थे। इस पथ संचलन के माध्यम से स्वयंसेवकों ने भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने का संदेश दिया।

बड़े पैमाने पर सूखे नशे का कारोबार करने का आरोप

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के जगदीशपुर थाना क्षेत्र में "सुख नशे" का कारोबार हो रहा है। स्थानीय बजरंगी का कहना है कि इस अवैध धंधे की चपेट में अब सिर्फ युवा ही नहीं, बल्कि स्कूली बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक आ रहे हैं। शराबबंदी लागू होने के बाद ऐसे नशीले पदार्थों का चलन तेजी से बढ़ा है, जिससे समाज पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। थाना क्षेत्र के बुढ़िया नदी इलाके को इस अवैध कारोबार का केंद्र बताया जा रहा है। आरोप है कि यहां कई घरों से ब्राउन शुगर सहित अन्य नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री होती है। पुलिस को जब भी इसकी सूचना मिलती है और वह कार्रवाई के लिए पहुंचती है, तो स्थानीय स्तर पर विरोध का सामना करना पड़ता है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बुढ़िया नदी क्षेत्र में पवन यादव और उसके सहयोगियों की ओर से बड़े पैमाने पर ब्राउन शुगर की तस्करी की जा रही है। इस सूचना के आधार पर जगदीशपुर थाना अध्यक्ष रामचंद्र सिंह के नेतृत्व में अपर थाना अध्यक्ष विकास कुमार समेत कई पुलिसकर्मी छापेमारी के लिए पहुंचे। इसी दौरान कुछ महिलाओं ने विरोध करना शुरू कर दिया, जिससे कार्रवाई प्रभावित हुई।

इलाके में चोरी और अन्य आपराधिक घटनाओं में भी इजाफा: स्थानीय निवासी बजरंगी यादव का कहना है कि नशे के बढ़ते कारोबार के कारण इलाके में चोरी और अन्य आपराधिक घटनाओं में भी इजाफा हुआ है। उन्होंने बताया कि रोजाना बड़ी संख्या में बाहरी लोग गांव में आते हैं, जिनका उद्देश्य नशीले पदार्थों की खरीद बताया जाता है। उनके अनुसार, गांव के ही कुछ लोग इस धंधे को संचालित कर रहे हैं, जिससे सामाजिक माहौल बिगड़ता जा रहा है। बजरंगी यादव ने यह भी कहा कि नशे की लत के कारण बच्चों और युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ गया है। कई परिवारों के बच्चे अपराध की दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी कोई व्यक्ति इस धंधे के खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश करता है, तो उसे डराया-धमकाया जाता है। यहां तक कि पुलिस कार्रवाई के दौरान भी माफिया तत्व विरोध और दबाव बनाने की कोशिश करते हैं। स्थानीय संतोष दास का कहना है कि यह अवैध कारोबार लंबे समय से चल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई के दौरान महिलाओं को आगे कर दिया जाता है, जिससे छापेमारी में बाधा उत्पन्न हो। बाद में पुलिस के खिलाफ ही उच्च अधिकारियों से शिकायत की जाती है, ताकि स्थानीय पुलिस पर दबाव बनाया जा सके और धंधा निर्बाध रूप से चलता रहे। वहीं, स्थानीय महिला संगीता देवी ने भी इस समस्या पर चिंता जताई।

सड़क पर बह रहा नाले का पानी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के दक्षिणी क्षेत्र में पिछले पांच दिनों से नगर निगम की ओर से नाला उड़ाही का काम किया जा रहा है। लापरवाही का आलम यह है कि नाले से निकाली गई गंदगी और गाद को सड़क के बीचों-बीच छोड़ दिया गया है। दुर्गंध के कारण स्थानीय लोगों और दुकानदारों का जीना मुहाल हो गया है। राहगीर और वाहन चालक भी परेशान हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम बिना किसी ठोस प्लानिंग के चैत्र नवरात्र के समय ऐसे काम शुरू कर देता है। सफाई अभियान की दूसरी डरावनी तस्वीर यह है कि यहां तैनात सफाईकर्मी अपनी जान जोखिम में डालकर काम कर रहे हैं। बिना ग्लव्स, हेलमेट और बिना सेफ्टी जूतों के कर्मचारी गहरे नाले के अंदर उतरे हुए हैं। यह दृश्य स्मार्ट सिटी के दावों पर सवालिया निशान लगाता है। क्या प्रशासन को इन मजदूरों की जान की कोई फिक्र नहीं है।

पर्व-त्योहार के समय ही काम किया जाता है: स्थानीय पंकज ने बताया कि यहां की स्थिति बहुत खराब है। नगर निगम को नाली उड़ाही का काम तब ही समझ में आता है, जब बरसात का मौसम आता है या फिर कोई पर्व होता है। अभी पर्व का समय है, इस रास्ते से लोग मंदिर जाएंगे। फिर भी कोई सुनने वाला नहीं है।

शिकायत के बाद भी कोई सुनने वाला नहीं है: वहीं, वार्ड पार्षद संजय सिन्हा का कहना है कि अभी आउटसोर्सिंग के माध्यम से नालों की सफाई कराई जा रही है।

तेजस्वी से न पार्टी संभली न परिवार, महागठबंधन क्या संभालेंगे

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

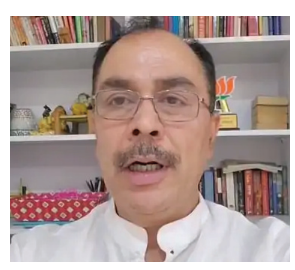

बेगूसराय। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने तेजस्वी की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाते हुए उन्हें भ्रष्टाचार का पर्याय तक करार दे दिया। नीरज कुमार ने कहा कि तेजस्वी यादव में न तो नेतृत्व की क्षमता है और न ही उनमें एक सच्चा नेता बनने का दम है। नीरज कुमार ने तेजस्वी यादव को सीधे तौर पर चुनौती देते हुए कहा कि यदि उनमें हिम्मत और साहस है, तो वे अपने उन विधायकों पर कार्रवाई करके दिखाएं, जिन्होंने बगावती तेवर अपनाए हैं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी, अगर आप में वाकई ताकत है, तो अपने बागी विधायकों की सदस्यता रद्द करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष को लिखकर दीजिए।

नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी भी खिसक जाएगी: लेकिन आप ऐसा कभी नहीं करेंगे, क्योंकि आपको डर है कि ऐसा करने से आपके हाथ से नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी भी खिसक जाएगी। तेजस्वी यादव के राजनीतिक सफर पर टिप्पणी करते हुए नीरज कुमार ने कहा कि वे आज राजनीति में जो कुछ भी हैं, वह केवल लालू प्रसाद यादव के बेटे होने के नाते हैं। तेजस्वी अपनी व्यक्तिगत काबिलियत के दम पर राजनीति में नहीं टिके हैं। उन्होंने कहा कि आप अपने परिवार को नहीं संभाल सके, अपने दल को एकजुट नहीं रख पाए, तो आप महागठबंधन को क्या खाक संभालेंगे। बिहार की जनता अब ऐसे बेबस और नकारे नेताओं को और बर्दाश्त नहीं करने वाली है।

बिहार में एनडीए सरकार की उपलब्धियों का बखान किया: तेजस्वी पर निशाना साधने के साथ ही नीरज कुमार ने बिहार में एनडीए सरकार की उपलब्धियों का बखान किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। एनडीए सरकार पूरी मजबूती के साथ प्रदेश के उत्थान में लगी है और राज्य में कानून व्यवस्था से लेकर बुनियादी ढांचे तक में सुधार हुआ है। जबकि, तेजस्वी यादव की राजनीति अब बिहार में समाप्त होने की कगार पर है।

सुल्तानगंज-नाथनगर में रामचरित्रमानस का पाठ

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में चैत्र नवरात्र के अवसर पर आज भक्तिमय माहौल देखने को मिल रहा है। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न मंदिरों में मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिरों में पहुंचकर मां से सुख-समृद्धि और शांति की कामना कर रहे हैं। इसी क्रम में सुल्तानगंज प्रखंड अंतर्गत रघुचक अन्नहार स्थित शक्ति स्थल काली मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। यहां मानस सत्संग मंडली, पनसल्ला के तत्वावधान में सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन हुआ। मंडली के सदस्य कमलाकांत चौधरी और गोपाल कृष्ण चौधरी ने भजन के माध्यम से रामायण के सुंदरकांड का भावपूर्ण पाठ किया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिरस में डूब गया। इस आयोजन में रघुचक, कटहरा, मोथाबाड़ी, कुमारपुर और पनसल्ला सहित आसपास के कई गांवों से सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।

राम कथा का आयोजन हुआ: वहीं, नाथनगर क्षेत्र के घोसी टोला स्थित रामजानकी ठाकुरबाड़ी मंदिर में भी श्री रामचरितमानस नवाह पारायण और राम कथा का आयोजन किया गया है। श्री रामचरित मानस नवाह पारायण यज्ञ समिति की ओर से आयोजित यह धार्मिक कार्यक्रम 19 मार्च से 28 मार्च तक चलेगा। सके तहत गुरुवार को भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई, जो मंदिर परिसर से निकलकर अनाथालय रोड, नाथनगर थाना चौक, केबी लाल रोड, टमटम चौक होते हुए ललमटिया स्थित नरसिंह भगवान मंदिर पहुंची, जहां जल भरने के बाद पुनः मंदिर लौटी। मंदिर समिति के अध्यक्ष सिकंदर यादव ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान रोजाना सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक रामचरितमानस का पाठ और शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक कथा वाचन किया जाएगा। कथा वाचक के रूप में पूज्य महेश प्रसाद महाराज और शत्रुघ्न दास महाराज श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराएंगे।

प्राकृतिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन का प्रयास तेज

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय में CSR की पहल के तहत लक्ष्य - एक सामाजिक और पर्यावरणीय विकास की ओर से नेचर बेस्ड सोल्यूशन फॉर क्लाइमेट चेंज परियोजना को आकांक्षी जिला बेगूसराय में सक्रिय रूप से लागू किया जा रहा है। इसी कड़ी में सिमरिया पंचायत-एक में तालाब सफाई अभियान की शुरुआत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में सामने आई है। पहल स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्स्थापित करने और जमीन स्तर पर सतत पर्यावरणीय प्रथाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक मजबूत कदम है। कार्यक्रम की शुरुआत पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि गोपाल कुमार ने किया। उन्होंने इस पहल की सराहना की और पर्यावरण संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। मुखिया प्रतिनिधि ने कहा कि ऐसे प्रयास न केवल प्राकृतिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन में सहायक होते हैं। बल्कि लोगों में अपने पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करते हैं। सफाई अभियान के पहले दिन जेसीबी मशीनों और ट्रैक्टरों की सहायता से 18 ट्रॉली पुराने कचरे को तालाब से निकाला गया। यह कचरा कई साल से जमा था। जिसे सावधानीपूर्वक हटाकर निर्धारित अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई में सुरक्षित निपटान के लिए भेजा गया है। यह शुरुआती प्रगति समस्या की गंभीरता के साथ-साथ टीम की दक्षता और समर्पण को भी दर्शाती है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य तालाब के पारिस्थितिक संतुलन को पुनर्स्थापित करना, जल की गुणवत्ता में सुधार करना और प्रदूषण को कम करना है। इसके साथ ही यह समुदाय में सतत अपशिष्ट प्रबंधन की प्रथाओं को बढ़ावा देने का प्रयास भी है। दीर्घकालिक सफलता के लिए व्यवहार परिवर्तन आवश्यक है। इसलिए इस परियोजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। स्थानीय लोगों को जल स्रोतों को प्रदूषित न करने और प्लास्टिक कचरे के सही प्रबंधन के प्रति जागरूक करेगा। इसके लिए नुक्कड़ नाटक और अन्य जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह सफाई अभियान तालाब पूरी तरह से साफ हो जाने तक चलेगा। इसके बाद भी नियमित निगरानी और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से तालाब को स्वच्छ बनाए रखने का प्रयास किया जाएगा। ऐसे प्रयास प्रकृति-आधारित समाधान और सामुदायिक सहयोग मिलकर पर्यावरणीय चुनौतियों का प्रभावी समाधान प्रदान कर सकते हैं। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देकर यह पहल जलवायु सहनशीलता, जैव विविधता संरक्षण और समग्र पर्यावरणीय स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान देती है। मौके पर प्रोजेक्ट मेनेजर किरण मोयपाल, प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर विश्वजीत कुमार, स्वच्छता पर्यवेक्षक कृष्ण मुरारी और पंचायत स्वच्छता कर्मी के बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

डीएम का निर्देश, गैस सिलेंडर डिस्ट्रीब्यूशन सुबह 6 बजे से

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बांक। बांका जिला पदाधिकारी नवदीप शुक्ला की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित मिनी सभागार में एलपीजी गैस वितरण व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में एलपीजी गैस की सुचारू और नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करना तथा आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना था। बैठक के दौरान, जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों और गैस एजेंसी संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गैस वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

जिला पदाधिकारी ने अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस ब्रीफिंग की: इस बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी बांका, पेट्रोलियम कंपनियों के प्रतिनिधि और गैस एजेंसी संचालक सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के बाद, जिला पदाधिकारी ने अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस ब्रीफिंग की। उन्होंने बताया कि आम नागरिकों की सुविधा के लिए जिले के सभी गैस वितरकों को प्रतिदिन सुबह 6:00 बजे से गैस वितरण शुरू करने का निर्देश दिया गया है।

उपलब्ध गैस स्टॉक का शत-प्रतिशत समय पर वितरण करने के भी निर्देश: इसके अतिरिक्त,अधिकतम होम डिलीवरी सुनिश्चित करने और उपलब्ध गैस स्टॉक का शत-प्रतिशत समय पर वितरण करने के भी निर्देश दिए गए हैं। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को अनावश्यक भीड़ या परेशानी से बचाना है। प्रशासन ने गैस बुकिंग की अवधि भी निर्धारित की है। शहरी क्षेत्रों में घरेलू गैस की बुकिंग 25 दिनों के अंतराल पर और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिनों के अंतराल पर की जाएगी।

गैस वितरण व्यवस्था की लगातार निगरानी: जिला पदाधिकारी ने यह भी बताया कि अनुमंडल पदाधिकारी और मार्केटिंग ऑफिसर क्षेत्र में सक्रिय रहकर गैस वितरण व्यवस्था की लगातार निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने थाना प्रभारियों और प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को भी क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहने और उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अनुमंडल पदाधिकारी और पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) को प्राप्त सभी शिकायतों का शीघ्र निष्पादन करने और आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के लिए भी कहा गया है।

मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती भी सुनिश्चित की गई: जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि अफवाह फैलाने वालों और गैस की कालाबाजारी करने वालों पर प्रशासन की कड़ी नजर है। ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। भीड़ की स्थिति उत्पन्न होने वाले स्थानों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती भी सुनिश्चित की गई है। जिले में वर्तमान में बीपीसीएल के 5, एचपीसीएल के 15 और आईओसीएल के 16 गैस वितरक कार्यरत हैं। बांका जिले में कुल 4,19,563 एलपीजी उपभोक्ता हैं, जिनमें से 2,40,160 उपभोक्ता प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत आते हैं। पिछले दिन 3,125 उपभोक्ताओं ने गैस बुकिंग कराई, जबकि 5,011 उपभोक्ताओं को गैस की सफलतापूर्वक डिलीवरी की गई

ढाकामोड़ में चैती दुर्गा पूजा पर कलश यात्रा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बांका। बांका के ढाकामोड़ में चैती दुर्गा पूजा के अवसर पर गुरुवार को चेती दुर्गा पूजा समिति की ओर से भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा जिले की सबसे आकर्षक और लंबी यात्रा मानी जा रही है। इस यात्रा में करीब 5000 से अधिक महिलाएं और कन्याएं सिर पर कलश धारण कर शामिल हुईं। लगभग 5KM लंबी यह शोभा यात्रा पूरे क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बनी रही । झारखंड सरकार के मंत्री संजय प्रसाद यादव द्वारा हर वर्ष धूमधाम से आयोजन किया जाता है। ढाकामोड़ दुर्गा मंदिर परिसर से निकली यह कलश शोभा यात्रा बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़े, डीजे, हाथी और घोड़े के साथ पूरे धार्मिक उत्साह के माहौल में आगे बढ़ी।श्रद्धालु जय दुर्गे और जय श्रीराम के जयघोष के साथ झूमते हुए यात्रा में शामिल रहे।कलश धारण किए महिलाएं और युवतियां भी पूरे उत्साह के साथ भक्ति भाव में झूमते हुए चल रही थीं।

विधि-विधान के साथ धार्मिक अनुष्ठान शुरू किया गया: यह शोभा यात्रा ढाकामोड़ दुर्गा मंदिर से निकलकर मंदार के पवित्र पापहरणी सरोवर पहुंची, जहां से महिलाओं और युवतियों ने कलश में जल भरकर पुनः ढाकामोड़ स्थित दुर्गा मंदिर के लिए प्रस्थान किया। मंदिर पहुंचने के बाद विधि-विधान के साथ धार्मिक अनुष्ठान शुरू किया गया और इसी के साथ चैती दुर्गा पूजा का शुभारंभ हो गया। कलश शोभा यात्रा में घुड़सवारी के साथ कई देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियां भी निकाली गईं। भगवान शिव-पार्वती, विष्णु-लक्ष्मी, गणेश और हनुमान की आकृतियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं।रास्ते भर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती रही और हजारों लोग इस यात्रा को देखने के लिए सड़कों के किनारे खड़े नजर आए।

प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे: भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। यात्रा के दौरान पुलिस और प्रशासनिक पदाधिकारी लगातार निगरानी करते रहे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आगे-आगे बांका यातायात पुलिस और संबंधित थाने की पुलिस चल रही थी तथा लोगों को सड़क से हटकर सुरक्षित स्थान पर रहने की हिदायत दी जा रही थी। इस अवसर पर झारखंड के उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव, बेलहर विधायक मनोज यादव और बांका की पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सिंपल देवी सहित एक लाख से अधिक श्रद्धालु कलश शोभा यात्रा में शामिल हुए।

इस बार भी भव्य मेले का आयोजन: चैती दुर्गा पूजा के अवसर पर ढाकामोड़ और आसपास के क्षेत्र को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। हर वर्ष की तरह इस बार भी भव्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। वहीं बांका-ढाकामोड़ मुख्य पथ को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाकर पूरे इलाके को उत्सवमय बना दिया गया है।

विचार-मंथन

संपादकीय

हजारों करोड़ बहे, गंगा अब भी मैली

यह दुखद ही है कि गंगा कार्ययोजना की असफलता से नमामि गंगे से जुड़ी एजंसियों ने कोई सबक नहीं लिया। गंगा को स्वच्छ बनाने के लिए वर्षों से प्रयास चल रहा है। इसके लिए भारी-भरकम बजट भी आबंटित किए गए। मगर सकारात्मक नतीजे कभी सामने नहीं आए। गंगा कार्ययोजना में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने पर करीब दशक भर पहले केंद्र सरकार ने बहुआयामी कार्यक्रम 'नमामि गंगे' की शुरुआत की थी। प्रारंभिक दौर में इसमें प्रगति भी दिखी थी और उम्मीद बंधी थी कि वर्षों से मैली हो रही गंगा धीरे-धीरे ही सही, लेकिन अब स्वच्छ हो जाएगी। निराशा की बात है कि 'नमामि गंगे' भी सही दिशा में नहीं बढ़ पाई।भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) की ताजा रपट से उन सभी लोगों को मायूसी हुई है जो गंगा के निर्मल होने का इंतजार कर रहे थे। उत्तराखंड के बजट सत्र में पेश की गई कैग की रपट बताती है कि 'नमामि गंगे' कार्यक्रम क्रियान्वयन एजंसियों की विफलता के कारण वांछित नतीजे नहीं दे पाया। गौरतलब है कि इसके लिए केंद्र ने एक हजार करोड़ की राशि मुहैया कराई थी।यह दुखद ही है कि गंगा कार्ययोजना की असफलता से नमामि गंगे से जुड़ी एजंसियों ने कोई सबक नहीं लिया। इस कार्यक्रम में खामियां ठीक वैसी ही थीं, जैसी पिछली योजना में थीं। 'नमामि गंगे' अपेक्षित परिणाम देने में क्यों विफल रही, इसे न केवल केंद्र को, बल्कि इस कार्यक्रम से जुड़े विशेषज्ञों और संबंधित अधिकारियों को गंभीरता से लेना होगा।इस परियोजना में नाकामी न केवल बड़ा आर्थिक नुकसान है, बल्कि उन सभी संकल्पों पर भी आघात है, जिनमें लोगों की यह इच्छा शामिल थी कि गंगा स्वच्छ और अविरल हो। मगर ऐसा इसलिए नहीं हुआ, क्योंकि इसमें कई स्तरों पर लापरवाही बरती गई।हैरत की बात है कि गंगा की छोटी जलधाराओं के पास कूड़ा फेंके जाने से लेकर स्थानीय जरूरतों का आकलन किए बगैर कई तटों पर श्मशान घाट बना दिए गए। कैग ने जो खामियां उजागर की हैं, वह उन अधिकारियों को क्यों नहीं दिखा जो इस कार्यक्रम के अमल के लिए जिम्मेदार थे। अवजल शोधन संयंत्र के दोषपूर्ण डिजाइन में लापरवाही क्यों और किस स्तर पर हुई? मानदंडों का उल्लंघन करने वालों की अब जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

बदायूं डबल मर्डर ने खोली सुरक्षा तंत्र की पोल

उत्तर प्रदेश सरकार लगातार दावे करती रही है कि राज्य में कानून व्यवस्था नियंत्रण में है। मगर पिछले कुछ समय से लगातार अपराध, लूटपाट और हत्या के बढ़ते मामलों ने दावों की कलई खोल दी है। अपराधी बेशक बाद में पकड़ लिए जाते हों, लेकिन सच है कि वे वारदात को अंजाम देने से नहीं चूक रहे।सवाल है उनके भीतर पुलिस का खौफ क्यों नहीं दिखता। पिछले दिनों संभल में कुछ लोग एक युवक को घर से खींच कर ले गए और उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। इस घटना को लोग अभी भूले भी नहीं थे कि बदायूं में गुरुवार को हिंदुस्तान पेट्रोलियम के इथेनाल संयंत्र के दफ्तर में घुस कर दो वरिष्ठ अधिकारियों की गोली मार कर हत्या कर दी गई।बताया जा रहा है कि काली सूची में डाले गए एक विक्रेता ने इस वारदात को अंजाम दिया। आरोपी पहले भी महाप्रबंधक स्तर के अधिकारी की कार पर हमला कर चुका था। जब इस मामले की पुलिस और जिला प्रशासन स्तर पर शिकायत दर्ज करा दी गई थी, तो आरोपी पर समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की गई?सवाल यह भी है कि उच्च सुरक्षा वाले संयंत्र में हथियार लेकर वह कैसे घुसा? कानून व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों के पास इसका क्या जवाब है? उत्तर प्रदेश में अपराधियों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है, तो स्पष्ट है कि राज्य के पूरे पुलिस तंत्र में समन्वय का अभाव है। आए दिन हो रहीं हत्या की घटनाओं से समझा जा सकता है कि राज्य में अपराध पर लगाम लगने के दावे में दम नहीं है।जमीनी सच्चाई यही है कि अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं। पुलिस की तमाम कथित सख्ती और सक्रियता के बावजूद आपराधिक मानसिकता के लोगों में कानून और सजा का कोई डर नहीं है। ऐसा लगता है कि अपराध नियंत्रण में कहीं न कहीं कमजोर कड़ी रह गई है, जिसकी शिनाख्त नहीं की जा रही है।आज स्थिति यह है कि लोग खुद को घरों से लेकर दफ्तरों तक सुरक्षित नहीं पा रहे हैं। आए दिन जघन्य अपराधों के मद्देनजर उनकी चिंताएं नाहक नहीं हैं।

आने वाले वर्षों में यह देखना महत्त्वपूर्ण होगा कि मधुमक्खी गलियारे की पहल कितनी व्यापक रूप से लागू होती है और इसके परिणाम कितने सकारात्मक और प्रभावी होते हैं। अगर इसे वैज्ञानिक योजना, स्थानीय ज्ञान और सामुदायिक भागीदारी के साथ लागू किया जाए, तो यह भारत में हरित बुनियादी ढांचे का एक उदाहरण बन सकता है। इस पहल का असली मूल्य पर्यावरणीय आंकड़ों से आगे उस दृष्टि में है।

जैव विविधता और टिकाऊ विकास- राजमार्गों पर अब दौड़ेंगी नहीं, भनभनाएंगी मधुमक्खियां

(विनीता परमार)

भारत में विकास की कहानी अक्सर सड़कों की लंबाई और गति से मापी जाती है। एक्सप्रेस-वे, चौड़ी होती राष्ट्रीय राजमार्गों की पट्टियां और तेज रफ्तार यातायात- ये सब मिलकर आधुनिक भारत के बुनियादी ढांचे की पहचान बन चुके हैं। हजारों किलोमीटर लंबे राजमार्गों ने व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय संपर्क को नई गति दी है, लेकिन इसके साथ ही प्राकृतिक आवासों की क्षति, पेड़ों की कटाई और जैव-विविधता पर दबाव भी बढ़ा है। परागणकर्ता, विशेषकर मधुमक्खियां इस बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित जीवों में शामिल हैं। वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि अगर मधुमक्खियों की संख्या लगातार घटती रही, तो खाद्य सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है, क्योंकि बड़ी संख्या में दुनिया की फसलें परागण पर निर्भर हैं। वैश्विक खाद्य उत्पादन का लगभग (एक-तिहाई) हिस्सा सीधे तौर पर मधुमक्खियों और अन्य परागणकों पर निर्भर करता है। एक अध्ययन के अनुसार, परागण करने वाले कीटों की आबादी में काफी गिरावट आई है। इस बात की गंभीरता को देखते हुए देश के राजमार्ग अब केवल तेज रफ्तार यातायात की रेखाओं के समांतर धीरे-धीरे जैव विविधता के जीवित गलियारों में बदलने की दिशा में बढ़ रहे हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे 'मधुमक्खी गलियारे' (बी-कारिडोर) विकसित करने की पहल जैव विविधता के संरक्षण की सोच का संकेत है। इस महत्त्वाकांक्षी योजना के तहत 2026-27 तक लगभग चालीस लाख पेड़ और फूलदार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसका उद्देश्य केवल हरियाली बढ़ाना नहीं, बल्कि मधुमक्खियों और अन्य परागणकर्ताओं के लिए सुरक्षित आवास बनाकर पारिस्थितिकी संतुलन को मजबूत करना है। बी-कारिडोर का मतलब है राजमार्गों के किनारे पेड़ों और फूलों की ऐसी हरित पट्टी, जो मधुमक्खियों के लिए खाद्य और आवास मार्ग का काम करे। यह पहल नीतिगत सोच में एक महत्त्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत है, जहां बुनियादी ढांचा केवल उपयोगिता नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी संतुलन का हिस्सा भी माना जा रहा है। पहले जहां सड़क किनारे पौधरोपण का उद्देश्य मुख्य रूप से सजावटी या धूल नियंत्रण तक सीमित रहता था, वहीं अब ध्यान स्थानीय पारिस्थितिकी के अनुकूल प्रजातियों के चयन पर दिया जा रहा है। राजमार्गों के किनारे सतत् हरित पट्टियां कई पर्यावरणीय लाभ देती हैं। पेड़-पौधे तापमान को नियंत्रित करते हैं, धूल और प्रदूषण को कम करते हैं तथा मिट्टी के कटाव को रोकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बड़े पैमाने पर हरित पट्टियां सड़क किनारे सूक्ष्म जलवायु को संतुलित करती हैं, जिससे आसपास के क्षेत्रों में तापमान का प्रभाव कम होता है। दूसरी ओर, मधुमक्खी गलियारे का प्रभाव वास्तव में एक बहुस्तरीय परिवर्तन की संभावना को जन्म देता है, क्योंकि भारत में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय और राज्य राजमार्ग कृषि परिदृश्य से होकर गुजरते हैं। जब इन सड़कों के किनारे परागणकर्ता के अनुकूल पौधों और वृक्षों का रोपण किया जाता है, तो यह केवल हरियाली बढ़ाने का कार्य नहीं करता, बल्कि एक जीवित पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करता है, जो आसपास के खेतों से सीधे जुड़ जाता है। सबसे पहला प्रभाव कृषि उत्पादकता पर दिखाई देता है। मधुमक्खियां और अन्य परागणकर्ता पौधों के प्रजनन की प्रक्रिया को अधिक सुलभ बनाते हैं, जिससे फसलों में दानों का भराव, फल का आकार, बीज की गुणवत्ता और कुल उपज बढ़ती है। सरसों, सूरजमुखी, सेब, आम, टमाटर, कद्दू वर्गीय सब्जियां और कई तिलहन फसलें ऐसी हैं, जिनकी उत्पादकता परागण की उपलब्धता से सीधे प्रभावित होती है। जब परागणकर्ता लगातार उपलब्ध रहते हैं, तो किसानों को रासायनिक खाद और कीटनाशकों को बढ़ाने की आवश्यकता कम पड़ती है और प्राकृतिक उत्पादकता चक्र मजबूत होता है। दूसरा महत्त्वपूर्ण पहलू गुणवत्ता का है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि पर्याप्त परागण होने पर फलों का आकार अधिक समान होता है, उनका पोषण मूल्य बेहतर होता है और बाजार में उनकी कीमत भी अधिक मिलती है। इस तरह मधुमक्खी गलियारा अप्रत्यक्ष रूप से किसानों की आय बढ़ाने में मदद कर सकता है। तीसरा आयाम ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ा है। अगर इस पहल को योजनाबद्ध तरीके से मधुमक्खी-पालन से जोड़ा जाए, तो यह दोहरी आय का ढांचा बन सकता है। राजमार्ग के किनारे विकसित पुष्प संसाधन मधुमक्खियों के लिए निरंतर भोजन उपलब्ध कराते हैं, जिससे शहद उत्पादन बढ़ सकता है। स्थानीय किसान या स्वयं सहायता समूह शहद, मधुमोम और अन्य मधुमक्खी उत्पादों के माध्यम से अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर सकते हैं। इसके अलावा, यह पहल पारिस्थितिकी की स्थिरता को भी मजबूत करती है। परागणकर्ताओं की संख्या बढ़ने से जैव विविधता में वृद्धि होती है, क्योंकि इनके साथ-साथ पक्षी, तितलियां और अन्य कीट भी आकर्षित होते हैं। इससे खेतों और आसपास के परिदृश्य में प्राकृतिक संतुलन बेहतर होता है और कीट प्रबंधन में भी अप्रत्यक्ष लाभ मिलता है। व्यापक सामाजिक-आर्थिक महत्त्व के लिहाज से देखें तो मधुमक्खी गलियारा पर्यावरण संरक्षण, टिकाऊ कृषि, ग्रामीण रोजगार और जैव विविधता- इन चारों को जोड़ने वाला एक समेकित ढांचा बन सकता है, जो भविष्य की हरित अवसंरचना की दिशा भी तय करता है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खियों और अन्य परागणकर्ताओं को निरंतर भोजन और आश्रय उपलब्ध कराना है। इसके लिए राजमार्गों के किनारे ऐसी वनस्पति लगाई जाएगी जिसमें साल भर फूल आते रहें। इस योजना में नीम, पलाश, जामुन और अन्य स्थानीय फूलदार पौधों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसमें फूलदार पौधों को लगभग पांच सौ मीटर से एक किलोमीटर की दूरी पर लगाया जाएगा, ताकि मधुमक्खियों की उड़ान दूरी के भीतर लगातार भोजन स्रोत उपलब्ध रहे। हालांकि, मधुमक्खी गलियारे की सफलता केवल पौधे लगाने से तय नहीं होगी। इसकी असली चुनौती दीर्घकालिक रखरखाव में है। सड़क किनारे पौधों की नियमित देखभाल, सिंचाई, चराई से संरक्षण और कीटनाशकों के सीमित उपयोग जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी होंगी। इसके अलावा, स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी महत्त्वपूर्ण है। अगर ग्रामीणों, स्वयंसेवी संगठनों और स्थानीय प्रशासन को इस पहल से जोड़ा जाए, तो इसकी स्थिरता और प्रभाव दोनों बढ़ सकते हैं। यह पहल दरअसल एक महत्त्वपूर्ण विचार की ओर संकेत करती है। ऐसा विकास प्रारूप, जिसमें प्रकृति और बुनियादी ढांचा, आपस में विरोधी नहीं, बल्कि सहयोगी हों। तेज रफ्तार वाहनों के बीच अगर सड़क किनारे फूलों पर मंडराती मधुमक्खियां दिखाई दें, तो वह दृश्य केवल सुंदर नहीं होगा। वह इस बात का संकेत होगा।

शक्ति का रहस्य और नवरात्रि पर्व

(श्रीराम माहेश्वरी)

भारतीय संस्कृति में नवरात्रि पर्व का विशेष महत्व है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक यह पर्व मनाया जाता है । एक संवत्सर में चार नवरात्र होते हैं। आश्विन का नवरात्र शारदीय नवरात्र तथा चैत्र का नवरात्र वासंतिक नवरात्र कहा जाता है । दो गुप्त नवरात्रि होती है । इस पर्व में मां दुर्गा की आराधना करने का विधान है। आध्यात्मिक दृष्टि से शक्ति का स्वरूप विशेष दिव्य और उदात्त है। शक्ति ही सृष्टि का सृजन करती है। मां जगत जननी ही सृष्टि का आदि कारण है। यह शक्ति ही पराशक्ति है । इसके अनेक स्वरूप हैं। मां दुर्गा, काली, गायत्री, तारा, भुवनेश्वरी, बगला, षोडशी, धूमावती, त्रिपुरा, कमला, मातंगी तथा पद्मावती इन्हीं के रूप हैं। नवरात्रि के इन दिनों में श्री महालक्ष्मी, श्री मां सरस्वती, महिषासुरमर्दिनी, मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कुष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी तथा मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है । साधक को पहले दिन स्नान आदि से पवित्र होकर पूजा का स्थान स्वच्छ कर लेना चाहिए। शुभ मुहूर्त में घट स्थापना करना चाहिए। नवरात्र व्रत स्त्री पुरुष दोनों करते हैं । कई श्रद्धालु श्रद्धा अनुसार एक समय फलाहार करके व्रत रखते हैं। कुछ लोग पहले और अष्टमी के दिन व्रत रखते हैं। भारत के अलग-अलग राज्यों में स्थानीय मान्यताओं के अनुसार साधक पूजा आराधना कर पर्व मनाते हैं। नवरात्रि पूजा में कुमारी कन्याओं का पूजन प्रत्यक्ष मां दुर्गा का विग्रह माना गया है। अंतिम दिन पूज्य पंडित से हवन कराते हैं । कन्या भोज कराते हैं। इन नौ दिनों में प्रतिदिन मां दुर्गा जी को नैवेद्य अर्पित करते हैं। अंतिम दिन हलवे का प्रसाद माताएं बहने बनाती हैं । माता को अर्पित करती हैं। कन्याओं को वस्त्र दक्षिणा देते हैं । नवरात्रि बीतने पर दसवें दिन विसर्जन करते हैं। श्री रामनवमी के दिन भगवान श्रीराम माता जानकी की पूजा करने का भी विधान है । यह दिन भगवान के प्रकट दिवस के रूप में मनाते हैं। श्री रामायण पाठ घर-घर में होता है। श्रद्धालु यह दिन उत्सव के रूप में मनाते हैं । यह दिन विशेष रूप से भगवान के चरित्र और गुण का स्मरण करने तथा जप करने का है। ऐसा करने से भगवान श्रीराम की कृपा प्राप्त होती है। साधक की मनोकामना पूर्ण होती है। दुर्गा शक्तिस्वरुपा हैं। प्रकृति के तीन लक्षण हैं। प्र, क्र और ति। प्र का अर्थ प्रकृष्ट और कृति का अर्थ सृष्टि है, जो सृष्टि रचने की सामर्थ्य रखती है, वह प्रकृति है। प्र सत्व अक्षर, क्र रज तथा ति तम का प्रतीक है । इन तीन गुणों के कारण त्रिदेव सृष्टि की रचना करते हैं। मां भगवती जगत की उत्पत्ति, पालन तथा लय करती है। उपनिषद में उल्लेख है कि सृष्टि के आरंभ में एक ही देवी थी । उसने ही ब्रहमांड उत्पन्न किया। यही देवी पराशक्ति है। प्राधानिक रहस्य में लिखा है कि ब्रह्मा विष्णु और महेश अपनी तीनों शक्ति सरस्वती, लक्ष्मी और गौरी की सहायता से इस जगत का निर्माण, पालन और लय करते हैं। देवी भागवत में लिखा है कि बिना शक्ति के आत्मदेव सृष्टि की रचना नहीं कर सकते । इस कथन से स्पष्ट है की शक्ति ही विश्व का संचालन करती है। पालन और लय करती है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि भगवान की स्वरूपा शक्ति ही पराशक्ति है। क्षेत्रज्ञ (जीव) नाम की अपराशक्ति है। कर्म नाम की अविद्या - माया तीसरी शक्ति है । गीता में जीव को पराशक्ति और माया को अपराशक्ति बताया गया है। भगवान द्वारा यह जड़ जगत जीव शक्ति की सहायता से ही धारण किया गया है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6036

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6035

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

वर्ग पहेली 6036

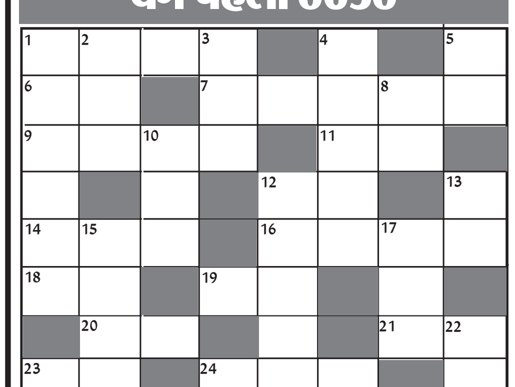

संकेतः बाएं से दाएं
1. 1870 को इस देश में पहली अंतरदेशीय रेल सेवा की शुरूआत हुई (4)
6. मछली, मत्स्य (2)
7. अहिरावण का एक द्वारपाल जो पुराणानुसार हनुमान का पुत्र माना जाता है (5)
9. अस्वीकार करना, वचन तोड़ना (4)
11. बहुत थका, उत्साह भंग होने का भाव, साहस टूटना (2)
12. नारी का अपभ्रंश, मोटा रस्सा (2)
14. भिक्षा मांगने वाला, भिक्षुक (3)
16. अलमस्त, बिंदास, मनमस्त (4)
18. यह संसार की सबसे लंबी नदी है, श्रीराम की सेना का एक वानर (2)
19. गर्व, घमंड, फख्र (2)
20. व्यंग्य, आक्षेप वाक्य, कटाक्ष (2)
21. साहसी पुरूष, बहादुर, पराक्रमी (2)
23. ताया, जेठा चाचा (2) (2)
24. जमींदारी, इलाका (3)

ऊपर से नीचे
1. भारत के एक लोकप्रिय पूर्व रेडियों उद्घोषक (6)
2. प्रसिद्ध अप्सरा जिसे विश्वामित्र की कठोर तपस्या से डरकर इंद्र ने उनके तप-भंग करने के लिए भेजा था (3)
3. हसरत, आरजू, तमन्ना (3)
4. अभिभावक, संरक्षक, संरक्षण देने वाला (5)
5. प्रतिदिन, नित्य (2)
8. नष्ट, बर्बाद, ध्वंस (2)
10. काव्य मर्मज्ञ, जो रस पान करें, रस लेने वाला (3)
12. किसी कार्य के लिए किसी का नाम निश्चित करने की क्रिया (5)
13. कंठहार, पर्वत श्रेणी, तारतम्य, सूत्राली (2)
15. प्रचलित, काम चलाऊ (4)
17. इस्लाम धर्म का विद्वान, बच्चों का पढ़ाने वाला, धर्म दीक्षक (3)
22. हानि, आक्रमण, आपत्ति, हानि आदि से बचाव (2)

वर्ग पहेली 6035 का हल

चं	द्र	शे	ख	र	आ	जा	द
द्र		खी	ल		का	न	न
शे	र		ना	लि	श		द
ख	त	रा			गं	था	ना
र	ज	ज		आ	गा		ना
	गा	रा		क्र		चु	
चि		जा	ज	म		ना	ना
ली	मा		ग	ण	दे	व	ता

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन आपके लिए कामकाज के लिहाज से थोड़ा व्यस्त रहने वाला है। काम का दबाव अधिक रहेगा और कुछ विरोधी आपके कार्यों में बाधा डालने की कोशिश भी कर सकते हैं, लेकिन समझदारी से आप स्थितियों को संभाल लेंगे। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का अवसर भी मिल सकता है।

वृष
आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। परिवार में किसी नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे घर का माहौल और भी आनंदमय हो जाएगा। किसी पुरानी गलती से आपको एक महत्वपूर्ण सीख मिलेगी। समाज में आपके अच्छे कार्यों की सराहना होगी और आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आप अपने काम को समय पर पूरा करने के लिए पूरा प्रयास करेंगे।

कर्क
आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। उच्च अधिकारियों की कृपा आप पर बनी रहेगी, जिससे कार्यक्षेत्र में आपको लाभ मिल सकता है। जो लोग नौकरी बदलने का प्रयास कर रहे हैं, उन्हें अच्छी सफलता मिलने की संभावना है। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके मिलने के भी संकेत हैं।

सिंह
आज का दिन आपके लिए अचानक लाभ लेकर आ सकता है। लंबे समय से चली आ रही परेशानियां धीरे-धीरे समाप्त होंगी। आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना होगा और यदि आपने किसी से कोई वादा किया है, तो उसे समय रहते पूरा करने का प्रयास करें। तरक्की की राह में आ रही बाधाएं दूर होती नजर आएंगी। संतान पढ़ाई के लिए किसी नए कोर्स में दाखिला ले सकती है।

मिथुन
आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला रहेगा। हालांकि पार्टनरशिप में नया व्यवसाय शुरू करने से फिलहाल बचना ही बेहतर रहेगा। यदि आप किसी सरकारी योजना में निवेश करने का विचार कर रहे हैं, तो वह आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

कन्या
आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आप अपने मित्रों के साथ समय बिताएंगे और स्वादिष्ट भोजन का आनंद भी लेंगे। राजनीति या किसी सामाजिक मामले से जुड़ी उलझन आज सुलझ सकती है। अपने कामों को धैर्य और संयम के साथ पूरा करने की कोशिश करें।

तुला
आज का दिन आपकी आय में वृद्धि कराने वाला रहेगा। आय बढ़ने से मन प्रसन्न रहेगा और आप अपने भविष्य की योजनाओं पर भी ध्यान देंगे। विद्यार्थी किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं और सफलता के लिए प्रयास करेंगे। मौसम का असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, इसलिए सावधानी रखें। कुछ नए लोगों से आपकी जान-पहचान बढ़ेगी।

वृश्चिक
आज का दिन स्वास्थ्य के लिहाज से थोड़ा कमजोर रह सकता है, इसलिए अपने खानपान और दिनचर्या पर विशेष ध्यान दें। यदि किसी समस्या को लेकर आप लंबे समय से परेशान थे, तो उसका समाधान मिलने की संभावना है। मन में चल रही उलझनों को दूर करने के लिए किसी भरोसेमंद व्यक्ति से सलाह लेना लाभदायक रहेगा। आप किसी मनोरंजन कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

मकर
आज पारिवारिक जीवन में खुशियां बनी रहेंगी। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का अवसर मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आपकी कोई मनोकामना भी पूरी हो सकती है। विद्यार्थी पढ़ाई पर पूरा ध्यान देंगे, जिससे उन्हें परीक्षा में सफलता मिल सकती है। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलेगा।

कुंभ
आज आपको अपनी जरूरतों के अनुसार ही खर्च करने की सलाह दी जाती है। दिखावे और अनावश्यक खर्चों से दूर रहें। आप संतान के करियर को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। ससुराल पक्ष से किसी प्रकार का आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक मामलों को आपसी बातचीत से सुलझाने की कोशिश करें। पैतृक संपत्ति को लेकर कोई विवाद खड़ा हो सकता है। मित्रों के साथ समय बिताकर आपको सुकून मिलेगा।

धनु
आज का दिन लेन-देन से जुड़े मामलों में सावधानी बरतने का संकेत दे रहा है। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी, लेकिन किसी भी प्रकार का जोखिम लेने से बचें। विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना ही आपके लिए फायदेमंद रहेगा। नई नौकरी मिलने की संभावना भी बन रही है। आप अपने बॉस से किसी महत्वपूर्ण कार्य को लेकर बातचीत कर सकते हैं।

मीन
आज का दिन आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है। वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहेगी और घर का माहौल भी आनंदमय रहेगा। एक के बाद एक अच्छी खबर मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। किसी कानूनी मामले में आपको जीत मिल सकती है। किसी नए कार्य में आपकी रुचि जागृत होगी। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और धन से जुड़ी समस्याएं भी दूर हो सकती हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी कार्यालय, जय हिन्द कॉलोनी नाला पर, आरा, जिला भोजपुर (बिहार) से प्रकाशित संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, स्थानीय संपादक- साकेत अम्बष्ट, -9934957121, 7766886433, E-mail : svvaara@gmail.com, RNI-BIHHIN/2017/72765

संक्षिप्त समाचार

अवैध संरचनाओं को तोड़ने पर हाईकोर्ट की रोक, आरआरडीए की अपील पर हाईकोर्ट का अंतरिम आदेश

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण (आरआरडीए) की ओर से दायर अपील पर बुधवार को सुनवाई करते हुए महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी किया। चीफ जस्टिस एमएस सोनक की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने आरआरडीए की अपील को सुनवाई के लिए स्वीकृत करते हुए एकल पीठ के आदेश पर रोक लगा दी। कोर्ट ने अगली सुनवाई तक संबंधित परिसर की स्थिति यथावत बनाए रखने का निर्देश दिया है। साथ ही याचिकाकर्ताओं की कथित अवैध संरचना को तोड़ने पर भी रोक लगा दी गई है। दरअसल, आरआरडीए ने हाईकोर्ट की एकल पीठ के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें कहा गया था कि झारखंड पंचायत राज अधिनियम से शासित क्षेत्रों में भवन निर्माण पर आरआरडीए का नियंत्रण नहीं है। एकल पीठ ने याचिकाकर्ताओं की संपत्तियों के खिलाफ जारी विध्वंस और सीलिंग आदेशों को भी रद्द कर दिया था। मामले में आरआरडीए की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने पक्ष रखते हुए दलील दी कि एकल पीठ का आदेश गलत है और इससे प्राधिकरण की वैधानिक शक्तियां प्रभावित हो रही है। उन्होंने इसे निरस्त करने की मांग की। खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई जून माह में निर्धारित की है। साथ ही अपीलकर्ताओं को शेष प्रतिवादियों को नोटिस देने का निर्देश भी दिया गया है।

मुआवजा दिया, जमीन नहीं: 14 साल से अधर में रांची एयरपोर्ट का विस्तार

रांची, एजेंसी। राजधानी का बिरसा मुंडा एयरपोर्ट इन दिनों एक अजीब विडंबना का शिकार है, जिस जमीन पर उसे उड़ान भरनी थी, वही अब तक उसके पास नहीं है। 14 साल पहले अधिग्रहित 303 एकड़ जमीन का मुआवजा बांट दिया गया, लेकिन जमीन का हस्तांतरण आज तक अधूरा है। नतीजा, एयरपोर्ट का विस्तार, आधुनिकीकरण और अंतरराष्ट्रीय बनने का सपना 'होल्ड' पर है। जमीन विवाद सुलझाने के लिए तय दो अहम बैठकें अधिकारियों की गैरमौजूदगी में टल गई। इससे साफ है कि मामला अब तकनीकी नहीं, प्रशासनिक प्राथमिकता का बन चुका है एयरपोर्ट की जमीन को लेकर पूर्व में करीब 35 बैठकों के बावजूद नागर विमानन विभाग, जिला प्रशासन और एयरपोर्ट प्रबंधन के बीच सहमति नहीं बन सकी है। यह मामला सिर्फ जमीन विवाद नहीं, बल्कि सिस्टम की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल है। रांची एयरपोर्ट के सामने सबसे बड़ी चुनौती अब टेक्नोलॉजी या फंड नहीं, बल्कि जमीन पर कब्जा और कागजी प्रक्रिया है। जब तक यह नहीं सुलझेगा, तब तक 'उड़ान' सिर्फ योजना में ही रहेगी ।अभी लगभग 2700 मीटर रनवे उपयोग में है, जबकि 900 मीटर विस्तार जरूरी है। लेकिन जमीन के बिना यह सब 'पेपर प्लान' ही है। जिसका असर बड़े विमानों की लैंडिंग, लंबी दूरी की उड़ानों पर रोक, अंतरराष्ट्रीय आपरेशन आदि पर देखने को मिल रहा है ।पर्याप्त जमीन नहीं होने की वजह से पीटीटी का निर्माण कार्य अधर में लटक गया है। पैरेलल टैक्सी ट्रैक (पीटीटी) के अभाव में विमान रनवे से ही टैक्सी करते हैं। इस वजह से प्रति उड़ान में 5–10 मिनट की देरी होती है। पीक टाइम में आपरेशन प्रभावित होता है। यानी समस्या दिखती कम है, असर हर उड़ान में है।

कांग्रेस के नए जिला अध्यक्षों को चाईबासा में मिलेगा 10 दिवसीय प्रशिक्षण

रांची, एजेंसी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने चयनित जिला अध्यक्षों के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम में राहुल गांधी के मौजूद रहने की सूचना है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा 'संगठन सृजन' अभियान के तहत देशभर में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों का चयन किया गया है। इसी क्रम में संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से चयनित जिला अध्यक्षों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उक्त क्रम में झारखंड एवं ओडिशा के जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के लिए 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन झारखंड के चाईबासा (पशिचम सिंहभूम) स्थित ट्राइबल रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर (टीआरटीसी) में किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण शिविर 22 मार्च से 31 मार्च 2026 तक संचालित होगा। कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पाल मुंजनी ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना है। जिला स्तर पर नेतृत्व क्षमता का विकास करना तथा कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। शिविर में जनसंपर्क, संगठन विस्तार, राजनीतिक रणनीति एवं जनहित के मुद्दों पर प्रभावी कार्यशैली जैसे विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की विशेषता यह है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी शिविर के दौरान एक दिन के लिए उपस्थित होकर जिला अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा सभी संबंधित जिला अध्यक्षों से निर्धारित समय के भीतर प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचकर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने की अपील की गई है ।यह प्रशिक्षण शिविर संगठन को जमीनी स्तर पर सुदृढ़ करने एवं आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

प्रदेश में पीएचडी छात्र कराएंगे ग्रामीण नवाचार इंटर्नशिप,

सरकार सैलरी के साथ देगी सर्टिफिकेट

रांची, एजेंसी। विभिन्न विश्वविद्यालयों व कालेजों में स्नातक तथा स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे छात्रों द्वारा ग्रामीण पारंपरिक ज्ञान तथा इनोवेशन की पहचान में पीएचडी छात्र गाइड की भूमिका निभाएंगे। इसे लेकर उन्हें मेंटर ऑफ मेंटर्स के रूप में चुना जाएगा।

उच्च एवं तकनीक शिक्षा परिषद ने ग्रासरूट्स इनोवेशन इंटर्नशिप के लिए मेंटर ऑफ मेंटर्स के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए योग्य व इच्छुक पीएचडी छात्रों से सात अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। झारखंड के किसी भी संस्थान से फुल टाइम या पार्ट टाइम पीएचडी कर रहे छात्र इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।

झारखंड ग्रासरूट्स इनोवेशन इंटर्नशिप स्कीम के तहत राज्य के सरकारी एवं गैर सरकारी विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों में नामांकित स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों को दो महीने की क्रेडिट-बेस्ड पेडइंटर्नशिप दी जाती है।

हर इंटर्नशिप टीम में चार छात्रों और एक फैकल्टी मेंबर होते हैं। यह इंटर्नशिप गर्मियों की छुट्टियों के दौरान आमतौर पर जून से अगस्त के महीनों के बीच कराई जाती है। इस दौरान टीमें झारखंड की पंचायतों में जाकर लोकल पारंपरिक ज्ञान और ग्रामीण इनोवेशन की पहचान करती हैं।

नतीजों को सिस्टमैटिक तरीके से इकट्ठा किया जाता है और छात्रों द्वारा डिटेल्ड इंटर्नशिप रिपोर्ट के रूप में जमा किया जाता है। इस योजना के तहत विभाग ने पार्ट टाइम बेसिस पर चार महीने के लिए कुल 87 पीएचडी छात्रों को मेंटर ऑफ मेंटर्स के रूप में लगाने का निर्णय लिया है।

हर मेंटर ऑफ मेंटर को स्कीम के तहत अधिक से अधिक 50 इंटर्नशिप टीमें दी जाएंगी। हालांकि, दी जानेवाली टीमों की असली संख्या इंटर्नशिप के लिए रजिस्टर करने वाली टीमों की संख्या पर आधारित होगी।

मेंटर ऑफ मेंटर्स इंटर्नशिप टीमों (छात्र और फैकल्टी) के लिए गाइड के तौर पर और झारखंड काउंसिल ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन, नालेज पार्टनर्स और इंटर्नशिप टीमों के बीच संपर्क का काम करेंगे।

चयन होने के बाद शुरुआत में उनकी दो-तीन दिन का प्रशिक्षण के लिए रांची आना होगा। मेंटर आफ मेंटर्स को दिए गए बाकी काम वर्क फार होम किए जा सकेंगे। कामों की स्थिति का समय-समय पर ऑनलाइन रिव्यू किया जाएगा।

चुने गए उम्मीदवारों को इंटर्नशिप के दौरान हर महीने 10 हजार रुपये का मानदेय मिलेगा, जो पूरे चार महीने के समय के लिए कुल मिलाकर चार हजार रुपये होगा।

हालांकि विभाग से इस मानदेय को बढ़ाकर 20 हजार रुपये करने की तैयारी कर रहा है। उनके दिए गए काम पूरे होने पर एक ट्रेनिंग सर्टिफिकेट और मेंटरशिप सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा।

प्रदेश में मानक पूरे नहीं करने वाले सभी नर्सिंग कॉलेज होंगे बंद, नामांकन पर रोक के आदेश

रांची, एजेंसी। राज्य के वैसे नर्सिंग कालेज, जो तीन वर्ष से नामांकन तो ले रहे हैं, लेकिन अभी तक निर्धारित मानकों को पूरा नहीं किया है, उन्हें बंद किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे संस्थानों के निलंबन पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने ऐसे कालेजों को शो-काज नोटिस जारी करने तथा फिलहाल नामांकन पर रोक लगाने का निर्देश दिया। अपर मुख्य सचिव ने सोमवार को नर्सिंग कालेजों को मान्यता प्रदान करने को लेकर आयोजित निष्पादन समिति की बैठक में ये निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने वाले कालेजों पर अधिकतम जुर्माना लगाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने विभिन्न कमियों के आधार पर जुर्माने की राशि तय की गई है। बैठक में राज्य के 61 नर्सिंग कालेजों द्वारा एनओसी के लिए दिए गए आवेदनों की समीक्षा की गई। इन आवेदनों पर सरकार के अनुमोदन के बाद योग्य पाये जानेवाले संस्थानों को एनओसी प्रदान किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव ने काउंसिल की बैठक 15 दिनों के भीतर आयोजित करने का निर्देश दिया। इस क्रम में उन्होंने कालेजों की आधारभूत सुविधाओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से पूछा कि संबंधित संस्थान अपनी जमीन पर संचालित हैं या लीज पर, कितनी जमीन उपलब्ध है, कितने कमरे हैं तथा कालेज नया है या पहले से संचालित है।

उन्होंने निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित कालेजों के लिए जमीन की रसीद और शहरी क्षेत्रों में होल्डिंग टैक्स की स्थिति की भी जांच की जाए। यदि किसी कालेज को पहले से मौका दिया गया है तो उसे अब तक अपना भवन निर्माण कर लेना चाहिए था।

ऐसे मामलों में लीज या किराये की व्यवस्था की नवीनीकरण स्थिति की भी समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि किसी भी कालेज को एनओसी देने से पहले अनिवार्य रूप से निरीक्षण किया जाए।निरीक्षण के दौरान चार अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी, जिनमें संबंधित जिले के सिविल सर्जन, रजिस्ट्रार, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर और अपर समाहर्ता सम्मिलित होंगे।

70 रुपये की वेज थाली, 15 रुपये की चाय ; गैस की कमी बताकर रांची सदर अस्पताल की कैंटीन में बढ़ा दिए गए दाम

रांची, एजेंसी। राजधानी के सदर अस्पताल स्थित कैंटीन में भोजन के दर में मनमाने तरीके से बढ़ोतरी का मामला सामने आया है। इस कारण मरीजों के स्वजनों और अस्पताल में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों को अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। अस्पताल में जहां कम दर पर भोजन उपलब्ध कराने का प्रावधान है, वहीं इसके विपरीत अधिक कीमत वसूली की जा रही है। जानकारी के अनुसार, कैंटीन में पहले 50 रुपये में मिलने वाली वेज थाली अब 70 रुपये में दिया जा रहा है। वहीं, 10 रुपये का समोसा 15 रुपये में बेचा जा रहा है। इसी तरह अन्य मेनू में 10 प्रतिशत तक की वृद्धि कर दी गई है। अचानक बढ़ी कीमतों ने खासकर दूर-दराज से आने वाले मरीजों के परिजनों की परेशानी और बढ़ा दी है, जो पहले से ही इलाज के खर्च का दबाव झेल रहे हैं। कैंटीन संचालक द्वारा एलपीजी गैस की कथित कमी का हवाला देकर दर बढ़ाने की बात कही जा रही है।

हालांकि, व्यवसायिक सिलिंडर के दाम में हाल के दिनों में कोई वृद्धि नहीं हुई है। ऐसे में बिना स्पष्ट कारण के दर बढ़ाना सवालों के घेरे में है। इस बीच बढ़े दर को लेकर हो-हल्ला होने के बाद कैंटीन में लगे नए दर को मंगलवार की देर रात हटाने का काम शुरू किया गया। सबसे गंभीर बात यह है कि कैंटीन में दर बढ़ाने की जानकारी अस्पताल प्रबंधन को भी नहीं दी गई। बिना अनुमति के ही नए दर लागू कर दिए गए और लोगों से बढ़ी कीमत पर भोजन लिया जाने लगा। मामले की जानकारी मिलने के बाद अस्पताल प्रशासन हरकत में आया है। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. बिमलेश सिंह ने कहा कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि किचन संचालक को छह गैस सिलिंडर उपलब्ध कराए गए हैं। जांच में यह भी देखा जाएगा कि इन सिलिंडरों का उपयोग मरीजों के भोजन के लिए हो रहा है या कैंटीन के अन्य संचालन में। उपाधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जांच में अनियमितता या नियमों का उल्लंघन सामने आने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रिम्स में जल्द शुरू होगा 'वीआईपी क्लीनिक, एक ही जगह पर जांच और विशेषज्ञ डॉक्टर करेंगे इलाज

रांची, एजेंसी। राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में मरीजों को बेहतर और तुरंत इलाज की सुविधा देने के लिए जल्द 'वीआईपी क्लीनिक' शुरू की जाएगी। यह देश के प्रमुख संस्थानों एम्स, सीएमसी और सीजीपीजीआई की तर्ज पर संचालित होगा।

यहां सामान्य ओपीडी से अलग मरीजों को एक ही स्थान पर विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श और जांच की सुविधा मिलेगी। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य अस्पताल में बढ़ते दबाव को संतुलित करना व मरीजों को विकल्प देना है। शुरुआत में फिजिशियन, कार्डियोलॉजिस्ट, न्यूरोलॉजिस्ट और ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ की सेवाएं यहां उपलब्ध रहेंगी। रोजाना 10 से 15 मरीजों को ही देखा जाएगा। रिस्पॉन्स के आधार पर आगे मरीजों की संख्या व सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

नाम वीआईपी, लेकिन सुविधा सभी श्रेणी के मरीजों के लिए...नाम भले ही वीआईपी क्लीनिक हो, लेकिन यह केवल वीआईपी मरीजों के लिए नहीं होगा। कोई भी सामान्य मरीज निर्धारित शुल्क देकर यहां इलाज करा सकेगा। रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार ने कहा कि अस्पताल में अक्सर वीआईपी मरीजों का दबाव रहता है, जिससे सामान्य मरीज प्रभावित होते हैं। नई व्यवस्था से दोनों के बीच संतुलन बनाया जा सकेगा और सभी को बेहतर सुविधा मिलेगी।

एक ही जगह पर एक्स-रे, ईसीजी और अन्य जांच... इस क्लीनिक की खास बात यह होगी कि मरीजों को जांच के लिए इधर-उधर नहीं जाना पड़ेगा। परिसर में ही एक्स-रे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड और ब्लड जांच की सुविधा उपलब्ध होगी। डॉक्टर की सलाह के बाद तुरंत जांच और जल्दी रिपोर्ट मिलने से इलाज में तेजी आएगी और मरीजों का समय बचेगा।

पेइंग वार्ड के ग्राउंड फ्लोर में होगा क्लीनिक...वीआईपी क्लीनिक का संचालन रिम्स के पेइंग वार्ड के ग्राउंड फ्लोर में किया जाएगा। इसके लिए उस जगह का चयन किया गया है, जहां पहले कैंटीन चलती थी। क्लीनिक के लिए आवश्यक मेडिकल उपकरण कोल इंडिया के सीएसआर फंड से उपलब्ध कराए जाएंगे। मशीनों के आने और इंस्टॉलेशन के बाद सेवा शुरू कर दी जाएगी।

रिम्स के निदेशक डॉ राजकुमार ने बताया कि फिलहाल वीआईपी ओपीडी का शुल्क तय नहीं हुआ है, लेकिन इसके 100 से 150 रुपए के बीच होने की संभावना है। यह सामान्य ओपीडी के 5 रुपए से ज्यादा होगा, लेकिन इसके बदले मरीजों को जल्द, बेहतर और विशेषज्ञ डॉक्टरों की सुविधा मिलेगी।

कोडरमा में आंगनबाड़ी केंद्र व स्कूल में चोरी, विद्यालय के दरवाजे भी तोड़े

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत रायडीह गांव में अज्ञात चोरों ने एक ही रात में दो सरकारी संस्थानों को निशाना बनाकर दहशत फैला दी। चोरों ने जहां आंगनबाड़ी केंद्र का ताला तोड़कर बच्चों के लिए रखी खाद्य सामग्री और बर्तन उड़ा लिए, वहीं उत्क्रमित मध्य विद्यालय में घुसकर कक्षाओं के दरवाजे तोड़ दिए। लगातार बढ़ रही इस तरह की घटनाओं से ग्रामीणों में भय का माहौल है। सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका रंजू देवी ने बताया कि गुरुवार सुबह उन्हें ग्रामीणों से चोरी की सूचना मिली। केंद्र पहुंचने पर उन्होंने देखा कि मुख्य दरवाजा टूटा हुआ था और अंदर का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। बच्चों के लिए रखा करीब एक महीने का खाद्य सामग्री और बर्तन गायब थे। वहीं दवाइयां जमीन पर बिखरी मिलीं। इस घटना से बच्चों के पोषण कार्यक्रम पर असर पड़ने की आशंका है। सेविका ने बताया कि इससे केंद्र संचालन में भी परेशानी होगी।

इसी गांव के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में भी बुधवार रात चोरों ने घुसकर जमकर उत्पात मचाया। प्रभारी प्राचार्य निरंजन कुमार सिन्हा ने बताया कि गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने टहलने के दौरान टूटे दरवाजे देखे और सूचना दी। जांच में पाया गया कि सभी कक्षाओं के दरवाजे क्षतिग्रस्त कर दिए गए थे।

कार्यालय में रखे सामान बिखरे पड़े थे। हालांकि चोर कंप्यूटर कक्ष का दरवाजा तोड़ने में सफल नहीं हो सके, जिससे वहां रखे कंप्यूटर सिस्टम और जरूरी दस्तावेज सुरक्षित बच गए। विद्यालय से किसी सामान की चोरी नहीं हुई है। दोनों घटनाओं को लेकर आंगनबाड़ी सेविका और विद्यालय प्रबंधन ने नवलशाही थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। अज्ञात चोरों की पहचान कर कार्रवाई की मांग की गई है। साथ ही क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त सुनिश्चित करने की गुहार लगाई गई है।

इधर विद्यालय प्रबंधन समिति ने जिला प्रशासन से जल्द नए दरवाजे उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि स्कूल की संपत्ति और महत्वपूर्ण कागजात सुरक्षित रह सकें।

पानी की तलाश में गांव पहुंचा हिरण : चतरा में कटीले तार में फंसकर मौत

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के कान्हाचट्टी प्रखंड से एक मार्मिक घटना सामने आई है, जहां प्यास बुझाने जंगल से गांव की ओर आए एक हिरण की दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना सिमरडीह गांव की है, जहां खेतों में लगाए गए कटीले तारों में फंसकर हिरण ने दम तोड़ दिया।

बताया जा रहा है कि इन दिनों भीषण गर्मी के कारण जंगलों के जलस्रोत पूरी तरह सूख चुके हैं। ऐसे में जंगली जानवर पानी की तलाश में आबादी वाले इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं। इसी क्रम में यह हिरण भी पानी की तलाश में जंगल से निकलकर गांव के खेतों तक पहुंच गया, लेकिन वहां पहले से लगी कंटीले तारों की बाड़ उसके लिए जानलेवा साबित हुई।

ग्रामीणों के अनुसार, हिरण खेत में लगे कटीले तारों में बुरी तरह फंस गया था और काफी देर तक छटपटाता रहा। लेकिन उसे समय पर

बचाया नहीं जा सका और अंततः उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश देखने को मिला।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि वन विभाग ने जंगल के अंदर पानी की समुचित व्यवस्था की होती, तो जंगली जानवरों को गांव की ओर आने की नौबत ही नहीं आती। उन्होंने वन विभाग की लापरवाही को इस घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया है। लोगों ने कहा कि हर साल गर्मी के मौसम में इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस पहल नहीं की जाती।

घटना की सूचना मिलते ही कोलहिया राजपुर वन प्रक्षेत्र की टीम मौके पर पहुंची और हिरण के शव को कब्जे में लेकर वन कार्यालय ले गई। वनरक्षी अवधेश कुमार, आशीष लाल, कृष्णमोहन कुमार दास और प्रदीप पासवान ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की।

वन क्षेत्र पदाधिकारी अजीत राम ने बताया कि हिरण के शव का मेडिकल परीक्षण और पोस्टमॉर्टम चिकित्सकों की निगरानी में कराया जा रहा है।

व्रत में बीपी-शुगर मरीजों के लिए सावधानी जरूरी

रांची, एजेंसी। चैत्र नवरात्र में बड़ी संख्या में लोग व्रत रखते हैं, लेकिन उच्च रक्तचाप (बीपी) और मधुमेह के मरीजों के लिए यह समय विशेष सावधानी का होता है। गर्मी के मौसम में लंबे समय तक उपवास रखने से शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट की कमी हो सकती है, जिससे स्वास्थ्य बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में विशेषज्ञ संतुलित आहार और नियमित दवा लेने की सलाह देते हैं।

रिम्स की डायटीशियन मीनाक्षी कुमारी बताती है कि नवरात्र पूजा में आस्था के साथ-साथ अपने खानपान पर भी ध्यान देना जरूरी है। खासकर के बीपी और मधुमेह रोगियों की पूरी दिनचर्या रूटीन आधारित होनी चाहिए, यानि की समय पर दवा लेना ही है और खानपान में जो पहले से वर्जित है उसे सख्ती से पालन करना चाहिए।

बीपी के मरीजों को व्रत के दौरान दवा नियमित रूप से लेते रहना चाहिए। शरीर में पानी की कमी न हो, इसके लिए नारियल पानी, नींबू पानी और फलों के जूस का सेवन करना जरूरी है। अत्यधिक नमक या तले खाद्य पदार्थों से बचें और हल्का आहार लें।

मधुमेह रोगियों को व्रत के दौरान खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। वे रामदाना, कुट्टू और सिंघाड़े के आटे

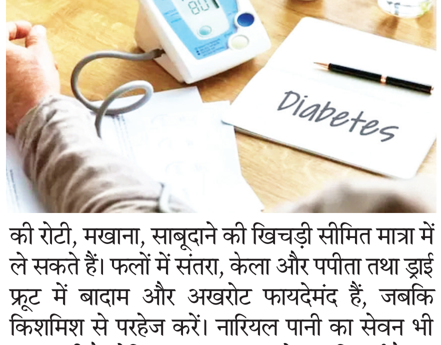

की रोटी, मखाना, साबूदाने की खिचड़ी सीमित मात्रा में ले सकते हैं। फलों में संतरा, केला और पपीता तथा ड्राई फ्रूट में बादाम और अखरोट फायदेमंद हैं, जबकि किशमिश से परहेज करें। नारियल पानी का सेवन भी लाभकारी है, लेकिन दवा समय पर लेना अनिवार्य है।

लंबे समय तक खाली पेट न रहें। अगर पूजा-पाठ अधिक समय तक करना हो तो पहले हल्का आहार लेकर ही करें। दवा के समय में बदलाव न करें और नियमित जांच करते रहें। मधुमेह मरीज शकरकंद या साबूदाना में से किसी एक का ही सेवन करें, क्योंकि दोनों में कार्बोहाइड्रेट अधिक होता है। गर्मी के कारण डिहाइड्रेशन से बचने के लिए पर्याप्त तरल पदार्थ लें। धूप में निकलने से बचें और आराम को प्राथमिकता दें।

चतरा में एसएसबी जवान ने की आत्महत्या:शिला पिकेट पर थी ड्यूटी

चतरा, एजेंसी। झारखंड के चतरा जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र स्थित शिला ओपी पिकेट में तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवान प्रह्लाद कुमार सिंह ने मंगलवार रात करीब 10 बजे अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनते ही कैंप में तैनात अन्य जवान मौके पर पहुंचे, जहां प्रह्लाद खून से लथपथ पड़े थे।

पास में उनकी सर्विस राइफल पड़ी थी। प्रारंभिक जांच में इसे आत्महत्या का मामला बताया जा रहा है, हालांकि घटना के बाद पूरे कैंप में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस और एसएसबी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया।

मृतक जवान की पहचान देवघर जिले के महतोडीह गांव निवासी प्रह्लाद कुमार सिंह के रूप में हुई है। वह एसएसबी की 35वीं बटालियन में तैनात थे और वर्तमान में शिला

पिकेट पर उनकी ड्यूटी लगी थी। परिजनों के अनुसार, घटना से कुछ घंटे पहले तक प्रह्लाद पूरी तरह सामान्य थे। उनके छोटे भाई रोहित कुमार ने बताया कि शाम में उनसे बात हुई थी। वह क्रिकेट खेलने जा रहे थे। सुबह उन्होंने अपने बच्चों से भी बातचीत की थी। ऐसे में अचानक इस तरह का कदम उठाना परिवार और साथियों के लिए भी हैरान करने वाला है।

घटना की सूचना मिलते ही चतरा एसपी और एसएसबी कमांडेंट दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और पिकेट में तैनात जवानों से पूछताछ की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल आत्महत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। मानसिक तनाव, पारिवारिक कारण या अन्य किसी पहलू को लेकर जांच की जा रही है।

चतरा में बीते एक वर्ष के दौरान सुरक्षा बलों के जवानों द्वारा आत्महत्या के कई मामले सामने आ चुके हैं। मार्च 2024 में वशिष्ठ नगर जोरी में सीआरपीएफ जवान ने गोली मारकर जान दे दी थी, जबकि फरवरी 2024 में एक अन्य जवान ने फांसी लगाई थी। अब प्रह्लाद सिंह की संदिग्ध मौत ने एक बार फिर जवानों के मानसिक स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

राजकुमार राव की अगली फिल्म 'रफ्तार' में कीर्ति सुरेश होंगी फीमेल लीड

राजकुमार राव आखिरी बार फिल्म 'मालिक' में खूंखार लुक में नजर आए थे। अब उनकी आने वाली फिल्म अनाउंसमेंट हो गई है। एक्टर और मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी शेयर की।

राजकुमार राव अगली फिल्म 'रफ्तार' में नजर आएंगे। उनके साथ साउथ की जानी-मानी एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश लीड रोल में होंगी। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य निंबालकर कर रहे हैं, जबकि इसे राजकुमार राव की पत्नी पत्रलेखा अपने बैनर कम्पा फिल्म के तहत प्रोड्यूस कर रही हैं।

फिल्म की कहानी तेजी से बढ़ती स्टार्टअप की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें एक ऐसे लड़के और लड़की की कहानी दिखाई जाएगी जो सफलता पाने के लिए बहुत महत्वाकांक्षी हैं। जैसे-जैसे पैसा, ताकत और लालच बढ़ता है, वैसे-वैसे उनके रिश्ते की भी परीक्षा होने लगती है। बताया जा रहा है कि फिल्म भारत के कॉमर्शियल एजुकेशन सिस्टम पर एक सटायर भी है, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे कई बार ज्ञान से ज्यादा मुनाफे को अहमियत दी जाती है। कहानी यह सवाल भी उठाती है कि सफलता पाने की कीमत क्या होती है और क्या वह कीमत सच में सही है।

जैसे ही पोस्ट शेयर की गई, उसके बाद से ही फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है। फिल्म के नाम को देखकर लोग कयास लगा रहे हैं कि ये रैपर रफ्तार की बायोपिक है, और लोग बड़े उत्साह से कमेंट में रैपर रफ्तार की तारीफें कर रहे हैं। हालांकि अभी ऐसी कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है, जिसमें ऐसा जिक्र किया गया हो कि ये मूवी रैपर रफ्तार की जिंदगी पर आधारित होगी।

कब रिलीज होगी मूवी?

इस फिल्म में राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश के अलावा तान्या मानिकतला, रजत कपूर, अनुराग ठाकुर और रोहन वर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'सरके चुनर' विवाद से नोरा ने पल्ला झाड़ा

कन्नड़ फिल्म 'केडी' का गाना 'सरके चुनर' विवादों में है। इस गाने पर नोरा फतेही ने डांस किया है। दो दिन पहले ये गाना यूट्यूब पर रिलीज हुआ। रिलीज होते ही यह विवादों में आ गया। विवाद में आने के बाद गाने को मेकर्स ने सोशल मीडिया से हटा लिया है। नोरा फतेही ने इस विवाद से खुद को अलग कर लिया है।

नोरा की पोस्ट में क्या है?

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में नोरा फतेही ने अपना एक वीडियो शेयर करते हुए एक पोस्ट लिखी। इसमें उन्होंने लिखा 'मैं बिल्कुल नहीं चाहूंगी कि कोई यह सोचे कि मैं इस गाने का समर्थन करती हूं। आपकी कड़ी प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद, क्योंकि इसी दबाव की वजह से फिल्म बनाने वालों ने इसे हटा लिया है।' उन्होंने आगे कहा 'मैं आप सभी से यह भी गुजारिश करूंगी कि इस गाने को शेयर करना बंद कर दें, क्योंकि आप इसे बेवजह एक प्लेटफॉर्म दे रहे हैं। मैं देख रही हूं कि आप में से कुछ लोग इसे मेरे चरित्र पर हमला करने के एक मौके के तौर पर इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।'

गाने के बारे में नहीं थी जानकारी

उन्होंने आगे कहा 'मुझे इस हिंदी गाने के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी। मैंने इस पर कोई परफॉर्मेंस नहीं दी। मेरी तस्वीर के साथ इसका इस्तेमाल करने के लिए कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी।' यह गाना 3 साल पहले कन्नड़ भाषा में शूट किया गया था।

लेखक ने झाड़ा पल्ला

ख्याल रहे कि गाने पर विवाद होने के बाद इसके लेखक रकीब आलम ने भी विवाद से अपना पल्ला झाड़ लिया है। उन्होंने कहा कि वह इस गाने को नहीं लिखना चाहते थे, निर्देशक के कहने पर कन्नड़ में लिखे गाने को वर्ड टू वर्ड ट्रांस्लेट किया है।

पहला गाना विवादों में

इस गाने को सिंगर मंगली ने गाया है। वह साउथ की सिंगर हैं। उन्होंने इस गाने से हिंदी में डेब्यू किया था, हालांकि उनका पहला ही गाना विवादों में आ गया।

80 करोड़ में बिके अक्षय और सैफ की 'हैवान' के राइट्स

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की फिल्म 'हैवान' 2026 की चर्चित रिलीज में शामिल है। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। हाल ही में खबर आई थी कि सोनी नेटवर्क ने फिल्म के सैटेलाइट, डिजिटल और म्यूजिक राइट्स हासिल कर लिए हैं। नई जानकारी के मुताबिक इस फिल्म के नॉन-थिएट्रिकल राइट्स 80 करोड़ रुपए की बड़ी रकम में बेचे गए हैं। सूत्रों के अनुसार... 'फिल्म को लेकर बाजार में उत्साह था और कई प्लेटफॉर्म्स इसे खरीदने की होड़ में थे। हालांकि सबसे ऊंची बोली सोनी नेटवर्क की रही, जिसने 80 करोड़ रुपए में सैटेलाइट, डिजिटल और म्यूजिक राइट्स अपने नाम किए। इस डील के साथ ही फिल्म की टीम अपनी लागत का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा पहले ही वसूल कर चुकी है। फिल्म की रिलीज अगस्त महीने में हो सकती है। मेकर्स इसे किसी बड़ी टक्कर से बचाते हुए सोलो रिलीज देना चाहते हैं, ताकि फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर साफ रन मिल सके।'

सलमान की 'बैटल ऑफ गलवां' का बदला नाम

सलमान खान की आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स ने फिल्म का नाम ही बदल दिया है। अब सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' के नाम से रिलीज नहीं होगी। इसकी जानकारी देते हुए मेकर्स ने फिल्म के नए नाम की भी घोषणा कर दी है।

मेकर्स ने बताया नया नाम

फिल्म के लीड एक्टर और प्रोड्यूसर सलमान खान ने आज फिल्म के नए नाम के साथ एक नया पोस्टर साझा किया है। पोस्टर में सलमान खान सेना की वर्दी में नजर आ रहे हैं। इंटेंस लुक में सलमान खान की आंखें दिख रही हैं, जिनमें गुस्सा और जोश नजर आ रहा है। उनके चेहरे पर खून लगा हुआ और वो मोटी जंजीर से बंधी एक लकड़ी को पकड़े दिख रहे हैं। उनके पीछे बैकग्राउंड में युद्ध के दौरान सैनिक नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को साझा करते ही मेकर्स ने फिल्म का नया नाम भी रिवील कर दिया है। अब यह फिल्म 'मातृभूमि : मे वॉर रेस्ट इन पीस' के नाम से रिलीज होगी।

क्या आगे बढ़ गई रिलीज डेट?

'बैटल ऑफ गलवां' 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी। लेकिन हैरान करने वाली बात ये है कि सलमान खान ने नाम बदलने वाली जो पोस्ट साझा की है, उसमें कहीं भी फिल्म की रिलीज डेट नजर नहीं आ रही है। न ही फिल्म के पोस्टर पर और न ही कैप्शन में कहीं भी 17 अप्रैल या कोई भी रिलीज डेट नहीं दिख रही है। इसके बाद अब सवाल ये भी उठता है कि क्या फिल्म की रिलीज डेट भी आगे बढ़ गई है?

अपूर्व लाखिया ने किया निर्देशन

'मातृभूमि' का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। जबकि फिल्म को सलमान खान फिल्म्स द्वारा के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है। फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में गोविंदा के भी नजर आने की संभावना है। यह फिल्म 2020 के दौरान गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित बताई जा रही है।

मुश्किल वक्त को खुद पर हावी नहीं होने देता

मुश्किल दौर से हाल ही में निकले कमीडियन व अभिनेता राजपाल यादव ने मुश्किल समय में अपनी भावनात्मक मजबूती और सकारात्मक सोच के बारे में खुलकर बात की। पिछले कुछ महीनों से चल रहे कानूनी मामलों और निजी परेशानियों के बावजूद एक्टर ने हिम्मत नहीं हारी और काम पर पूरा फोकस रखा। आईएएनएस से खास बातचीत के दौरान उन्होंने स्पष्ट तौर पर अपनी राय रखी। राजपाल यादव से पूछा गया कि क्या ये चुनौतियां उनके काम और मनोबल पर असर डालती हैं। तो उन्होंने बताया, 'हर दिन एक नई शुरुआत होती है। हर दिन काम का दिन होता है। हर दिन एक नया दिन होता है।'

एक्टर ने कहा कि वह मुश्किलों को खुद पर हावी नहीं होने देते, बल्कि हर सुबह नई उम्मीद के साथ उठते हैं और अपनी कला पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने बातचीत में सकारात्मकता के लिए ईश्वर का आभार भी जताया। राजपाल यादव ने कहा, 'भगवान सबका भला करे। आजादी से सब सांस लें।' इससे पहले एक्टर ने बताया था कि वह जज के सामने कभी नहीं रोए और न ही कोर्ट को कभी बताया कि उनके पास पैसे नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रहे दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत और गलत बताया। राजपाल ने बताया कि ऐसी खबरें फैलाने वाले ज्यादातर वे लोग हैं जिन्हें मामले की कोई जानकारी नहीं है। वे बस इंटरनेट पर फैक्ट्स को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और अपनी दुकानें चला रहे हैं।

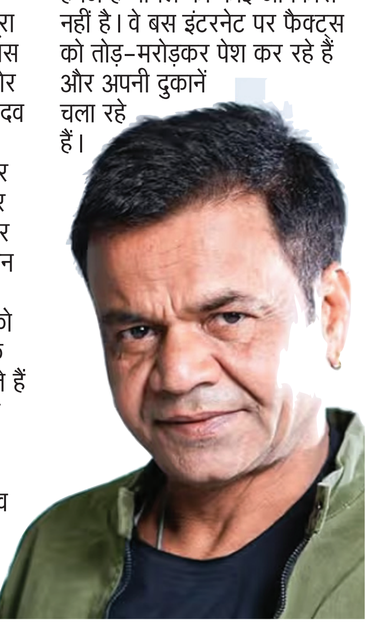

निकिता दत्ता ने जुबीन नौटियाल से शादी की खबरों पर की बात

कई सेलेब्रिटीज के बाद अब अभिनेत्री निकिता दत्ता ने भी इंडस्ट्री में होने वाले पीआर गेम पर बात की। साथ ही उन्होंने सुर्खियां बटोरने के लिए फैलाई जाने वाली अफवाहों की खुलकर आलोचना की। इस दौरान एक्ट्रेस ने सिंगर जुबीन नौटियाल के साथ अपने रिलेशनशिप और शादी की खबरों पर भी प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री का कहना है कि वह अनजाने में भी अफवाहों का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं।

बातचीत के दौरान निकिता ने जुबीन नौटियाल के साथ अपनी शादी की अफवाहों पर कहा कि पीआर के बारे में मेरी समझ की बात करें, तो बेशक यह बहुत देर से आई। यह एक ऐसी बात है, जिसका मुझे अफसोस है और काश कबीर सिंह के रिलीज होने के समय मुझे इस बात की थोड़ी बेहतर जानकारी होती कि चीजें कैसे काम करती हैं। दूसरी बात अगर आप इन सभी वर्षों में मेरे करियर को देखें, तो मैंने व्यक्तिगत और निजी जीवन के बीच एक सीमा बनाए रखी है। इस सीमा को मैंने कभी पार नहीं किया है। आपने मेरे बारे में कभी भी मनगढ़ंत अफवाहें नहीं सुनी होंगी। मैं वैसी इंसान नहीं हूं। मैं न तो ऐसी अफवाहें फैलाना पसंद करती हूं और न ही उनका हिस्सा बनना, चाहे अनजाने में ही क्यों न हो। मैं ऐसी चीजों का समर्थन नहीं करती। मार्केटिंग स्ट्रेटजी के बारे में एक्ट्रेस ने कहा कि यह प्रोडक्शन हाउस का निर्णय होता है।

बीते दिनों निकिता को जुबीन नौटियाल के साथ सिंगर के होम टाउन में देखा गया था। इसके बाद ही दोनों के रिलेशनशिप में होने की चर्चाएं सामने आई थीं। हालांकि, अब निकिता ने साफ तौर पर तो शादी के सवाल पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन उन्होंने अफवाहों और पीआर गेम की बात करते हुए इशारों में इसे गप्प बता दिया।

डकैत के बाद 'जी2' पर जुटेंगे अदिवि शेष स्पाई ड्रामा 'जी3' भी हो सकती है अनाउंस

भारतीय सिनेमा में क्रॉस-इंडस्ट्री कोलैबोरेशन का ट्रेड तेजी से बढ़ रहा है। इस वक्त जिस जोड़ी पर सबसे ज्यादा नजरें टिकी हैं, वह है मृणाल ठाकुर और अदिवि शेष की। दोनों की अपकमिंग फिल्म 'डकैत : ए लव स्टोरी' को लेकर चर्चाएं तेज हैं, लेकिन सूत्र बताते हैं कि यह कोलैबोरेशन केवल एक फिल्म तक सीमित नहीं रहने वाली बल्कि सूत्रों की मानें तो 'डकैत' की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री से प्रभावित एक बड़े प्रोडक्शन हाउस ने मृणाल और अदिवि को 2027 की एक और फिल्म के लिए अप्रोच किया है। अगर सब कुछ तय योजना के मुताबिक चला, तो 'डकैत' से शुरू हुआ यह कोलैबोरेशन आने वाले वर्षों में पैन-इंडिया सिनेमा का बड़ा अध्याय साबित हो सकता है। फिलहाल प्रोजेक्ट का नाम सामने नहीं आया है।

एनामॉर्फिक लेंस पर गोल्डन पैलेट में शूट हुई है फिल्म

फिल्म 'डकैत' की शूटिंग ग्रामीण लोकेशन्स और विशाल सेट्स पर की गई है, जो 70-80 के दशक के चंबल के बीहड़ों की याद दिलाते हैं। क्लाइमैक्स का एक बड़ा एक्शन सीन, जिसमें अदिवि घायल हुए थे, फिल्म का टर्निंग पॉइंट होगा। यह हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट और देसी हथियारों वाला रॉ एक्शन सीन है। सिनेमैटोग्राफी शिनिएल देओ संभाल रहे हैं। वह इसे डस्टी और गोल्डन पैलेट के साथ एनामॉर्फिक लेंस पर शूट कर रहे हैं। 'डकैत' के संगीत के लिए अमित त्रिवेदी या हर्षवर्धन रामेश्वर के नाम पर चर्चा है। इसमें चंबल और बुंदेलखंड के कई स्थानीय थिएटर आर्टिस्ट्स को भी कास्ट किया गया है।

बीहड़ों की पृष्ठभूमि पर बुनी गई एक इमोशनल लव स्टोरी है 'डकैत'

'डकैत' को सिर्फ एक एक्शन-रोमांस कहना इसके साथ नाइंसाफी होगी। यह बीहड़ों की पृष्ठभूमि पर बुनी गई एक इमोशनल लव स्टोरी है, जिसकी संभावित टैगलाइन 'प्यार और बारूद के बीच की कहानी' बताई जा रही है। फिल्म में अदिवि एक ऐसे शख्स की भूमिका में हैं जो हालातों के चलते हथियार उठाने पर मजबूर होता है। उनका लुक सूटेड-बूटेड स्पाई इमेज से बिल्कुल अलग बढ़ी दाढ़ी, बिखरे बाल और खादी के कुर्ते वाला रखा गया है। वहीं मृणाल पारंपरिक एथनिक अंदाज में नजर आएंगी, लेकिन उनका किरदार महज प्रेमिका का नहीं, बल्कि कहानी की मजबूत कोर का है।

'मेजर 2' पर भी शुरू हो सकता है काम

'डकैत' के तुरंत बाद अदिवि शेष अपनी स्पाई फ्रेंचाइज 'जी2' (गुडाचारी 2) पर फोकस करेंगे। यह फिल्म उनकी चर्चित स्पाई फिल्म 'गुडाचारी' की सीक्वल है और 1 मई 2026 को रिलीज के लिए शेड्यूल बताई जा रही है। चर्चा है कि 2027 की शुरुआत में इसके तीसरे पार्ट या बड़े स्पिन-ऑफ की घोषणा भी हो सकती है। 'जी2' में अदिवि के साथ वमिका गब्बी नजर आएंगी। फिल्म इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि इन दो बड़ी रिलीज के बाद अदिवि 2027 में किसी मेगा बजट प्रोजेक्ट संभवत: 'मेजर 2' पर भी काम शुरू कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

हैदराबाद में चचेरी बहन की हत्या

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद पुलिस ने बुधवार को बताया कि एक व्यक्ति ने संपत्ति के विवाद के चलते अपनी चचेरी बहन की हत्या कर दी और उसके शव के टुकड़े झील में फेंक दिए। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, 32 वर्षीय आरोपी ने पिछले महीने 40 वर्षीय महिला को संपत्ति विवाद के कारण लाठी से मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव को पहले अपने घर के बाथरूम में रखा। अगले दिन आरोपी ने एक अन्य व्यक्ति की मदद से शव को झील तक ले गया, जहां उसने उसकी टांगों को आरी से काटकर शव के टुकड़े झील में फेंक दिए। पुलिस ने बताया कि आरोपी और मृतक महिला ने मिलकर एक संपत्ति खरीदी थी, लेकिन महिला ने अपनी हिस्सेदारी ट्रांसफर करने की मांग की, जिसे आरोपी स्वीकार नहीं कर सका। इसके अलावा, पुलिस ने आरोपी के हवाले से कहा कि मृतक, एक विधवा, और आरोपी के बीच उस समय विवाद भी हुआ जब महिला की किसी अन्य व्यक्ति के साथ निकटता को लेकर आरोपी ने आपत्ति जताई थी। महिला के लापता होने के बाद उसकी खोजबीन में शव के टुकड़े झील से बरामद किए गए।

ओडिशा में 16 अप्रैल से शुरू होगी जनगणना, हर घर जाकर पूछे जाएंगे सवाल

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा में जनगणना हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन का पहला फेज राज्य के सभी 30 जिलों में 16 अप्रैल से शुरू होगा और 15 मई तक चलेगा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, ओडिशा में जनगणना अभियान के निदेशक, निखिल पवन कल्याण ने कहा कि इस दौरान 1 लाख से ज्यादा प्रशिक्षित गणनाकार और 17,282 सुपरवाइजर घरों का दौरा करेंगे और डेटा इकट्ठा करेंगे। उन्होंने कहा कि वे हर घर के मुखिया से गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए 33 सवाल पूछेंगे, जिनमें आवासीय, गैर-आवासीय, जेल, मॉल आदि शामिल हैं। कल्याण ने आगे कहा, 'ओडिशा में किसी भी जगह रहने वाले लोग, चाहे वे इसी राज्य के हों या दूसरे राज्यों के, उनकी गिनती की जाएगी। जनगणना के दौरान एक भी घर नहीं छूटेगा।' उन्होंने बताया कि यह काम फील्ड विजिट के जरिए एक मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करके किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे पहले, एक अप्रैल से 15 अप्रैल की आधी रात तक ऑनलाइन 'सेल्फ-एन्यूमरेशन' (खुद जानकारी देने) की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे नागरिक अपनी जानकारी खुद जमा कर सकेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि मशहूर रेत कलाकार और पद्म श्री से सम्मानित सुदर्शन पटनायक ने इस जनगणना कार्यक्रम के प्रचार और लोगों तक इसकी पहुंच बनाने के लिए ब्रांड एम्बेसडर बनने की सहमति दे दी है। जिला कलेक्टर और नगर आयुक्त मुख्य जनगणना अधिकारी के तौर पर काम करेंगे, जबकि अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट जिला जनगणना अधिकारी होंगे।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 400 किलो कुट्टू आटा जब्त

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। खाद्य सुरक्षा के मानकों को लेकर जिला खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिले के विभिन्न बाजारों में अभियान चलाकर संदिग्ध खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए। इस दौरान विभाग की टीम ने करीब 400 किलो कुट्टू के आटे को सीज किया व सात नमूने संग्रहित किए। इन नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि उनकी टीम ने बुधवार को कुलेसरा स्थित संतोष ट्रेडर्स पर छापा मारा। बिल वाउचर नहीं पाया गया। इस पर निर्माण तिथि का अंकन भी नहीं पाया गया। इसके अतिरिक्त 250 ग्राम के बिना निर्माण तिथि व बैच नंबर अंकन के कुट्टू आटा के 244 पैकेट पाए। इनके एक-एक नमूना लेकर शेष 238 किग्रा खुला व 240 पैकेट कुट्टू आटा सीज किया गया। कुलेसरा में ही मुस्कान ट्रेडर्स पर 70 किग्रा कुट्टू आटा खुला हुआ पाया गया, जिसका बिल बाउचर नहीं मिला। इस पर निर्माण तिथि का अंकन भी नहीं मिला। 250 ग्राम के बिना निर्माण तिथि व बैच नंबर के अंकन के कुट्टू आटा के 145 पैकेट पाए, जिनके एक-एक नमूने लेकर 70 किलो खुला व 141 पैकेट कुट्टू आटा सीज किया गया।

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय, दर्रों में पूरा दिन होता रहा हिमपात, मनाली सहित कई इलाकों में बारिश

शिमला, एजेंसी। प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ फिर सक्रिय। बुधवार को प्रदेश में कांगड़ा, शिमला, सोलन, हमीरपुर, मंडी, कुल्लू सहित कई स्थानों में दिन भर रुक-रुक कर वर्षा होती रही। रोहतांग, शिंकुला, बारालाचा, कुंजुम दर्रों में सुबह से हिमपात होने का क्रम जारी रहा और आधा फीट से अधिक हिमपात होने की जानकारी है। गोंधला, कुकुमसेरी, केलंग व हंसा में भी 3 से 4 इंच हिमपात हुआ। मनाली में आज पूरा दिन हल्की वर्षा का क्रम चलता रहा। शिमला शहर में दोपहर बाद बूंदाबांदी होने से ठंड बढ़ गई। मौसम विभाग ने 18 से 21 मार्च तक हिमपात व वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया है। चार दिन 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से हवा चल सकती है। वीरवार तक ओलावृष्टि का आरेंज अलर्ट। हिमपात के यलो अलर्ट के कारण अटल टनल रोहतांग पर्यटकों के लिए बंद। पर्यटक सोलंग नाला तक ही जा सकेंगे। मौसम विभाग ने चम्बा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है। 21 मार्च को येलो अलर्ट रहेगा, जबकि 22 से 24 मार्च तक मौसम खराब बना रह सकता है। भारी बर्फबारी के चलते अटल टनल रोहतांग के साउथ पोर्टल, सिस्सू और आसपास के क्षेत्रों में हालात चुनौतीपूर्ण हो गए थे। यहां करीब 2000 वाहन फंस गए थे। पुलिस, प्रशासन और बार्डर रोड्स आर्गेनाइजेशन (बीआरओ) ने संयुक्त रूप से बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। 15 मार्च से शुरू हुआ यह अभियान 17 मार्च की शाम तक चला, जिसमें 10 हजार से अधिक पर्यटकों को सुरक्षित निकालकर मनाली की ओर भेजा गया। राहत की बात यह रही कि पूरे अभियान में कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। प्रशासन ने आगामी बर्फबारी को देखते हुए लोगों को गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी है। यदि यात्रा आवश्यक हो तो 4×4 वाहन का उपयोग करें, स्नो चेन साथ रखें और पर्याप्त गर्म कपड़े व जरूरी सामान लेकर ही निकलें।

मौसम का यू-टर्न, गर्मी के बाद लौटी ठंड; लोगों ने फिर निकाले गर्म कपड़े

ऊधमपुर, एजेंसी। एक हफ्ते पहले तक जहां धूप ने गर्मी का एहसास कराना शुरू कर दिया था, वहीं अब मौसम ने अचानक करवट लेकर फिर से सर्दी का अहसास लौटा दिया है। ऊधमपुर में रुक-रुक कर हो रही बारिश और बादलों की घेराबंदी ने तापमान गिरा दिया है, जिससे लोगों को एक बार फिर गर्म कपड़े निकालने पड़े हैं। बीते कुछ दिनों से बदलते मिजाज के बीच बुधवार तड़के से मौसम ने अचानक रंग बदला। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और रुक-रुक कर कभी हल्की बूंदाबांदी तो कभी तेज बारिश होती रही। इससे पहले सोमवार को भी हल्की बारिश के बाद दिनभर बादलों का डेरा बना रहा था। लगातार बारिश और धूप के न निकलने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिसका असर शाम होते-होते और अधिक महसूस हुआ। मौसम में आई इस ठंडक ने लोगों की दिनचर्या भी बदल दी है। कुछ दिन पहले तक जहां लोग पंखे चलाने लगे थे और कंबल-रजाइयां समेट दी गई थीं, वहीं अब फिर से जैकेट, स्वेटर और शाल निकालने पड़ रहे हैं। बाजारों और सड़कों पर भी लोग हल्के गर्म कपड़ों में नजर आने लगे हैं। दरअसल, पिछले सप्ताह तेज धूप और बढ़ते तापमान के कारण लोगों ने सर्दी से पूरी तरह राहत मान ली थी, लेकिन अचानक हुए इस बदलाव ने एक बार फिर सर्द मौसम की याद दिला दी है।

सजा में छूट, लेकिन जुर्माना बरकरार

नाबालिग लड़की को चार महीने तक किया फॉलो, बार-बार बोलता था 'आई लव यू'

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक ऐसे मामले में सख्त रुख अपनाया है, जिसमें एक पड़ोसी ने 16 साल की स्कूल जाने वाली लड़की को चार महीने तक रोजाना फॉलो किया और बार-बार 'आई लव यू' कहकर परेशान किया।

कोर्ट ने आरोपी की दोषसिद्धि बरकरार रखी है, लेकिन लंबे मुकदमे को देखते हुए सजा पहले से काटे गए समय तक सीमित कर दी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा की एकलपीठ ने 2016 के ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई की। ट्रायल कोर्ट ने आरोपी अजित राव को आईपीसी की धारा 354(डी) (स्टॉकिंग) और पास्को एक्ट की धारा 12 (यौन उत्पीड़न) के तहत दोषी ठहराया था। हाईकोर्ट ने कहा कि पीड़िता की गवाही साफ, सुसंगत और विश्वसनीय है। पीड़िता ने साफ बताया कि आरोपी रोज स्कूल जाते समय उसके पीछे-पीछे आता था और बार-बार 'आई लव यू' बोलता था। इससे उसे बहुत परेशानी होती थी। उसकी मां और अन्य गवाहों ने भी इसी बात की पुष्टि की। कोर्ट ने माना कि आरोपी लड़की की अनिच्छा के बावजूद उसे फॉलो करता रहा और संपर्क करने की कोशिश करता रहा। यह व्यवहार आईपीसी की धारा 354(डी) के स्टॉकिंग के सभी जरूरी तत्वों को पूरा करता है। साथ ही नाबालिग के प्रति अनचाहे यौन टिप्पणियां एक्ट की धारा 12 के दायरे में आती हैं। बचाव पक्ष लड़की को झूठा फंसाने का कोई मकसद नहीं साबित कर सका है। हाईकोर्ट ने कहा कि गवाही में कोई बड़ी कमी या कानूनी गलती नहीं मिली जो ट्रायल कोर्ट के फैसले में दखल देने का आधार बने। पीड़िता की गवाही अगर भरोसेमंद हो तो उसे अलग से पुष्टि की जरूरत नहीं पड़ती। सबूत मजबूत और विरोधाभास मुक्त हैं। इसलिए आरोपी अजित राव को आईपीसी धारा 354(डी) और क्क्ष्स्क्ह धारा 12 के तहत दोषी ठहराने के फैसले में कोई गलती नहीं है। कोर्ट ने दोषसिद्धि को पूरी तरह बरकरार रखा।

ट्रायल कोर्ट ने अजित राव को दोनों धाराओं में तीन-तीन साल की सख्त कैद और जुर्माना लगाया था। फैसला 1 अगस्त 2016 को रायपुर सेशंस कोर्ट ने सुनाया था। लगभग 10 साल की कानूनी लड़ाई के बाद हाईकोर्ट ने सजा को पहले से काटे गए समय तक घटा दिया।

भ्रष्टाचार में ऐक्शन, शिक्षा विभाग के डीसी को भेजा जेल, सीएमओ का ऑपरेटर गिरफ्तार

गोंडा, एजेंसी। गोंडा जिले के बेसिक शिक्षा विभाग में करोड़ों रुपये के टेंडर घोटाले और घूसखोरी के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। नगर कोतवाली पुलिस ने विभाग के जिला समन्वयक विद्याभूषण मिश्रा को धोखाधड़ी और रिश्वतखोरी के आरोपों में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस कार्रवाई के बाद से शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं सोनभद्र में सीएमओ कार्यालय में संविदा पर तैनात डाटा एंट्री ऑपरेटर को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

क्या है पूरा मामला?: भ्रष्टाचार का यह खेल डेस्क-बेंच की आपूर्ति के लिए जारी किए गए 15 करोड़ रुपये के टेंडर से जुड़ा है। नीमन सीटिंग सॉल्यूशन फर्म के मैनेजिंग डायरेक्टर ने आरोप लगाया था कि बेसिक शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों ने टेंडर दिलाने के नाम पर कुल राशि का 15 प्रतिशत कमीशन मांगा था। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने अधिकारियों को 26 लाख रुपये की रिश्वत एडवांस के तौर पर दी थी। इसके बावजूद, जब अधिकारियों की ओर से और अधिक रुपयों की मांग की गई और फर्म ने इसे देने से इनकार कर दिया, तो अधिकारियों ने प्रतिशोध की भावना से काम करते हुए फर्म को 'ब्लैक लिस्ट' कर दिया। इतना ही नहीं, फर्म के खिलाफ झूठी एफआईआर भी दर्ज कराई गई। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए भ्रष्टाचार निवारण अदालत (एंटी करप्शन कोर्ट), गोरखपुर ने कड़ा रुख अपनाया। कोर्ट के आदेश पर गोंडा के नगर कोतवाली में तत्कालीन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुल कुमार तिवारी, डीसी (निर्माण) विद्याभूषण मिश्रा और डीसी (जीईएम) प्रेम शंकर मिश्रा के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया था। मंगलवार शाम को नगर कोतवाली पुलिस ने सिविल लाइन चौकी इंचार्ज और भारी पुलिस बल के साथ बीएसए कार्यालय पर छापेमारी की। पुलिस ने मौके से डीसी (निर्माण) विद्याभूषण मिश्रा को हिरासत में लिया। बुधवार को उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। नगर कोतवाल विंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि मामले में दूसरे आरोपी डीसी (जीईएम) प्रेम शंकर मिश्रा फिलहाल वांछित हैं।

राजस्थान से 1.44 लाख करोड़ रुपये बकाया वसूलेगा पंजाब: सीएम भगवंत मान का एलान

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जोर देकर कहा कि पंजाब सरकार द्वारा राजस्थान सरकार के पास दशकों से बिना भुगतान किए पानी के उपयोग के लिए 1.44 लाख करोड़ रुपये की वसूली का दावा पेश किया जाएगा। उन्होंने साथ ही कहा कि राजस्थान को या तो पंजाब के जायज बकाए जारी करने चाहिए या पानी लेना बंद कर देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस व्यवस्था को संचालित करने वाले वर्ष 1920 के ऐतिहासिक समझौते की समीक्षा करने की मांग की। मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'राजस्थान सरकार वर्ष 1960 से फिरोजपुर फीडर के जरिए निकाले गए पानी के लिए पंजाब को 1.44 लाख करोड़ रुपये की देनदार है, जिसके लिए एक पैसा भी अदा नहीं किया गया है। राजस्थान को या तो पंजाब का जायज बकाया जारी करना चाहिए या पानी लेना बंद करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि साल 1920 के दशक में बीकानेर रियासत, साझा पंजाब और ब्रिटिश राज के बीच हुए एक समझौते के अनुसार राजस्थान प्रति एकड़

के आधार पर पानी का भुगतान करने के लिए सहमत हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा, 'साल 1960 तक भुगतान किए जाते थे, लेकिन सिंधु जल समझौते के बाद राजस्थान ने लगातार 18,000 क्यूसेक पानी लेने के बावजूद भुगतान करना बंद कर दिया।' राजस्थान के रुख में विरोधाभास का जिक्र करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'आज भी, राजस्थान 1920 के समझौते के तहत पानी ले रहा है, लेकिन जब बकाए के भुगतान की बात आती है तो यह 1960 के समझौते का सहारा ले लेता है।' सरकारों ने 1960 में नई व्यवस्था में शामिल होते समय भुगतान का जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने 1920 के समझौते को भी कभी रद्द नहीं किया।' इस मामले में पिछले समय की कार्रवाइयों पर गंभीर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'समझौते में स्पष्ट रूप से हर 25 साल बाद समीक्षा को अनिवार्य किया गया था, लेकिन पिछली सरकारों ने कभी भी इस मुद्दे को नहीं उठाया और न ही पंजाब के जायज दावे की पैरवी की।' ऐतिहासिक संदर्भ को दोहराते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'वर्ष 1920 में ब्रिटिश राज के दौरान बीकानेर के साथ हुए एक समझौते के तहत 1960 तक पंजाब का 18,000 क्यूसेक पानी लगातार सप्लाई किया जाता रहा।

कानपुर में बुजुर्ग महिला को छह दिन रखा डिजिटल अरेस्ट, ठगे 21 लाख रुपये

कानपुर, एजेंसी। किदवई नगर में एक वृद्धा साइबर ठगी की शिकार हो गई। ठग ने खुद को मुंबई का पुलिस आयुक्त बताकर छह दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। आतंकी घटनाओं में शामिल होने की बात कह डराया और जेल भेजने के साथ घर को सील करने की धमकी देकर 21 लाख रुपये खाते में ट्रांसफर करवा लिए। किसी तरह से हिम्मत जुटाकर वृद्धा ने एक परिचित को आपबीती बताई तो उन्हें ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद पुलिस से शिकायत की। किदवईनगर एच ब्लाक में रहने वाली स्नेहलता ने बताया कि वह किराए के मकान में अकेले रहती हैं। बताया कि कुछ समय पहले उन्होंने कृष्णा नगर और दिल्ली के विकास सदन स्थित मकान बेचा है, जिसकी रकम उनके खाते में जमा है। दस मार्च की सुबह एक काल आई। कालर ने उन्हें आतंकी घटनाओं में उनका नाम आने की बात कहकर धमकाया। कुछ देर में पुलिस घर भेजने की बात कहकर वीडियो काल उठाने का दबाव बनाया। वीडियो काल उठाते ही सामने एक पुलिस अधिकारी अपने कार्यालय में बैठा दिखा। उसने खुद को मुंबई पुलिस आयुक्त बताया। इसके बाद अभद्रता करना शुरू कर दिया तो वह डर गईं। इसके बाद जेल भेजने की धमकी दी। कहा कि अगर खुद को बचाव करना है तो रुपये देने होंगे। दहशत में वह उनके झांसे में आ गईं। इसके बाद 13 मार्च को स्टेट बैंक आफ इंडिया खाते से

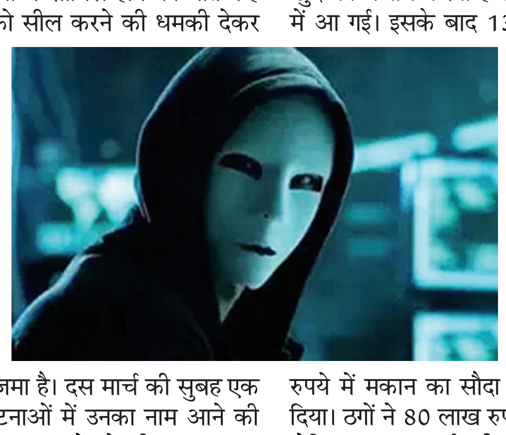

20 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। 16 मार्च को भी आरटीजीएस व अन्य माध्यमों से 50 हजार, 49 हजार और 1 हजार रुपये और ट्रांसफर करवाए। रुपये ट्रांसफर करवाने के बाद आरोपितों ने उन्हें काल नहीं की। स्नेहलता ने बताया कि उनका एक मकान शहर में और है, जिसको बेचने की बात चल रही है। इसी सिलसिले में उन्हें बाहर जाना था। आरोपित ने उन्हें घर के बाहर जाने या किसी के घर आने से रोक दिया था, लेकिन जब उन्हें 80 लाख रुपये में मकान का सौदा होने की जानकारी हुई तो उन्हें घर से जाने दिया। ठगों ने 80 लाख रुपये खाते में ट्रांसफर होने की जानकारी मांगी, लेकिन वह टाल गईं। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। साइबर सेल की मदद से रुपये वापस कराने का प्रयास किया जाएगा।

साइलेंट किलर बना रेबीज: छत्तीसगढ़ में कुत्ते काटने के डेढ़ महीने बाद महिला की मौत

अंबिकापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में कुत्ते के काटने से जख्मी एक महिला की करीब डेढ़ माह बाद मृत्यु हो गई। कुत्ता काटने के बाद समय पर उपचार और एंटी रैबीज का टीका नहीं लगवाने के कारण यह घटना घटी। मृतका कमिला (34) बलरामपुर जिले की निवासी थी। पति बधेश्वर कोरवा ने बताया कि डेढ़ माह पहले वह जंगल में लकड़ी लेने गए थे, जहां कुत्ते ने उनकी पत्नी को काट लिया। महिला ने स्थानीय उपचार कराया, लेकिन अस्पताल नहीं गई। 16 मार्च को उनकी तबीयत बिगड़ने पर स्वजन उन्हें स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से उन्हें मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर रिफर किया गया। 18 मार्च को उनकी मृत्यु हो गई। समय पर टीकाकरण न होने के कारण रेबीज संक्रमण को मौत का कारण माना जा रहा है। यह एक सप्ताह में कुत्ते के काटने से होने वाली दूसरी मौत है। इससे पहले सोमवार को एक युवक की मौत हो चुकी है। छत्तीसगढ़ के रायपुर में 26 वर्ष पूर्व हुए गृह निर्माण ऋण गबन प्रकरण में ईओडब्ल्यू-एसीबी ने बुधवार को दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। यह मामला वर्ष 2000 में दर्ज किया गया था। आरोपितों ने अपनी सहकारी समिति के 186 सदस्यों के नाम पर एक-एक लाख रुपये का ऋण स्वीकृत कराया, जिससे कुल 1.86 करोड़ रुपये की राशि निकाली गई। भौतिक सत्यापन में उन स्थानों पर न तो कोई मकान मिला और न ही ऋण लेने वाले हितग्राही पाए गए। ईओडब्ल्यू की जांच में यह स्पष्ट हुआ कि वर्ष 1995 से 1998 के बीच शासन की आवासीय योजना के तहत जरूरतमंदों को मकान निर्माण के लिए ऋण दिया जाना था। मध्य प्रदेश सहकारी आवास संघ के क्षेत्रीय कार्यालय के तत्कालीन अधिकारी दिवंगत एई ग्रेबियल द्वारा बिना उचित जांच के ऋण आवेदन स्वीकृत किए गए थे। इस प्रकरण में चार नामजद आरोपित थे, जिनमें से दो की मृत्यु हो चुकी है। गिरफ्तार आरोपित थावरदास माधवानी और बसंत कुमार साहू को 25 मार्च तक रिमांड पर लिया गया है।

शिमला में यहां आदिकाल से विराजमान हैं मां शैलपुत्री

शिमला, एजेंसी। प्रथम नवदुर्गा मां शैलपुत्री एवं मां भीमाकाली को समर्पित श्री शाली माता मंदिर शिमला शहर से करीब 50 किलोमीटर दूर शाली नामक चोटी पर स्थित है। यहां पर माता शैलपुत्री और माता भीमाकाली दोनों विराजमान हैं। यह चोटी अर्थात टिब्बा शिवालिक एवं मध्य हिमालय की धौलाधार श्रृंखला के मध्य जिला शिमला की सुन्नी तहसील में ठीक शिमला शहर के सामने समुद्र तल से लगभग 9500 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। पर्यटन नगरी शिमला के प्रसिद्ध ऐतिहासिक रिज मैदान तथा स्कैंडल प्वाइंट से भी इस चोटी के दीदार हो जाते हैं। रिज मैदान अथवा स्कैंडल प्वाइंट पर जब भी हम प्रकृति के मनोहारी दृश्यों का अवलोकन कर रहे होते हैं तो पूर्व की ओर हमारी नज़र एक विशाल नुकीली चोटी पर जा टिकती है। एकटक निहारते रहने के उपरांत इस चोटी पर एक चट्टान के रूप में दिखाई देता है। बस यही मां भीमाकाली का प्राचीन श्री शाली माता मंदिर है। माता शाली का यह मंदिर लगभग पांच सौ वर्ष प्राचीन बताया जाता है। हालांकि लिखित रूप

में इस मंदिर के इतिहास का कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं है। मंदिर के पुजारी का कहना है कि माता शैलपुत्री यहां पर आदिकाल से विराजमान हैं। इतिहास के पन्नों पर नज़र डाली जाए तो यह निश्चित है कि पंडित बद्रीदत्त द्वारा मां भीमाकाली को सराहन से लगभग 500 वर्ष पूर्व लाया गया और इसकी स्थापना शाली टिब्बा पर की गई। हालांकि आदिशक्ति जगदंबा, मां शैलपुत्री अर्थात देवी सौर के रूप में आदिकाल से ही शाली टिब्बे पर निवास करती रही है। मां भगवती सौर शाली की मुख्य चोटी पर नहीं अपितु मुख्य चोटी से थोड़ा सा नीचे एक विशेष स्थान पर निवास करती रही हैं।

शाली मंदिर में माता शैलपुत्री एवं भीमाकाली से जुड़ी अलग अलग मान्यताएं है। माता शैलपुत्री यानि देवी सौर देवी सौर आदि काल से ही भज्जी रियासत के परगना चौथा की मुख्य आराध्य देवी हैं। पर्वत पर निवास करने के कारण इसे मां शैलपुत्री का रूप माना जाता है। आदिशक्ति जगदम्बा, मां शैलपुत्री अर्थात देवी सौर के रूप में आदिकाल से ही शाली टिब्बे पर निवास करती रही है। वहीं दूसरी ओर माता भीमाकाली को यहां लाए थे। बताया जाता है कि सराहन में भीमाकाली माता के मंदिर में नर बलि नहीं लेने के लिए माता को मनाने के बाद जब वह वापस अपने गांव दलाणा आए तो वहां पर माता भीमाकाली का मंदिर बनाया गया। कुछ समय बाद माता ने शाली की चोटी पर निवास करने की इच्छा जाहिर की। इसके बाद स्थानीय लोगों की ओर से वहां पर माता का मंदिर बनवाया गया।

गाजियाबाद के राजनगर में जीडीए की बड़ी कार्रवाई, नक्शे के हिसाब से नहीं बनाई गईं 7 इमारतें सील

गाजियाबाद, एजेंसी। प्राधिकरण ने अवैध निर्माण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की है। बुधवार को राजनगर क्षेत्र में स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किए जा रहे कई निर्माणाधीन भवनों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। बुधवार को प्रभारी प्रवर्तन जोन-3 राजीव रतन सिंह के नेतृत्व में राजनगर में नक्शा विपरीत किए जा रहे भवन निर्माण पर सीलिंग की कार्रवाई को अंजाम दकिया गया। प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार इनमें भवन संख्या आर-6/112, आर-11/20, आर-9/179, आर-4/18, आर-6/180, आर-6/147 तथा आर-4/3 को अनाधिकृत निर्माण के चलते सील कर दिया गया। बताया गया कि इन भवनों के मालिकान को पूर्व में नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973 की धाराओं के तहत चालानी कार्रवाई के बावजूद शमन आवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन उन्होंने शमन आवेदन प्रस्तुत नहीं किए। प्रवर्तन प्रभारी के अनुसार समय पर शमन आवेदन प्रस्तुत नहीं किए गए तो राजनगर समेत अन्य कालोनियों तथा मोरटा क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों के विरुद्ध भी सीलिंग एवं ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। सीलिंग की कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता अनुज सिंह, अवर अभियंता सचिन अग्रवाल व समस्त सुपरवाइजर व मेट, स्थानीय पुलिस बल एवं प्राधिकरण पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन-3 के मेरठ रोड स्थित आइपीएस इंडस्ट्रियल एरिया फेस-1, फेस-2 और फेस-3 स्थित ग्राम मैनापुर तथा मेरठ रोड मुख्य मार्ग पर मानचित्र स्वीकृत कराए बिना फैक्ट्रियां और औद्योगिक प्रतिष्ठान संचालित हैं।

बाबर-फखर चोट के बावजूद वर्ल्डकप में चुने गए थे

पीसीबी मेडिकल पैनल ने बताया- सिलेक्शन के समय पूरी तरह फिट नहीं थे

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के मेडिकल पैनल ने खुलासा किया है कि बाबर आजम और फखर जमान को टी-20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल किए जाने के समय उनकी फिटनेस पूरी तरह ठीक नहीं थी।

पैनल के मुताबिक, दोनों खिलाड़ी चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए थे, इसके बावजूद उनका चयन किया गया। इस मामले को लेकर सीनियर सेलेक्टर आकिब जावेद ने भी पिछले हफ्ते प्रेस कॉन्फ्रेंस में सवाल उठाए थे और चयन प्रक्रिया की जांच की मांग की थी।

● **वर्ल्ड कप की बाद के जांच में सामने आया-** पीसीबी से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, यूके के स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपी विशेषज्ञ डॉ जावेद मुगल ने वर्ल्ड कप के बाद दोनों खिलाड़ियों की जांच के बाद यह चिंता जताई। वे जनवरी से पाकिस्तान टीम के साथ हैं।

● **बाबर ने डोमेस्टिक टी-20 लीग खेलने से मना किया-** मामला तब सामने आया जब बाबर आजम ने वर्ल्ड कप से लौटने के बाद हैमस्ट्रिंग में परेशानी बताकर नेशनल टी-20 चैंपियनशिप में खेलने से मना कर दिया।

वहीं फखर जमान भी लंबे समय से इसी तरह की दिक्कत से जूझ रहे थे। सूत्र ने बताया कि जांच में बाबर की चोट शुरुआती आकलन से ज्यादा गंभीर निकली, जबकि फखर भी महीनों से इसी समस्या से परेशान हैं।

● **हमने पहले ही क्लियरेंस ली थी-सिलेक्शन पैनल-** सिलेक्शन कमेटी ने मेडिकल पैनल को साफ किया कि दोनों खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने से पहले टीम के फिजियो क्लिफ डीकन से फिटनेस क्लियरेंस ली गई थी। हालांकि डीकन पर पहले भी आरोप लग चुके हैं कि उन्होंने खिलाड़ियों से करीबी रिश्तों के कारण हल्की चोट के बावजूद उन्हें खेलने की अनुमति दी।

बाबर अभी रिहैब कर रहे

फिलहाल बाबर आजम नेशनल क्रिकेट अकादमी में मेडिकल पैनल की निगरानी में रिहैब कर रहे हैं।
उनके पाकिस्तान सुपर लीग में पेशावर जाल्मी की कप्तानी करने की उम्मीद है, जिसकी शुरुआत 26 मार्च से हो रही है।

● **फखर वनडे सीरीज के लिए फिट नहीं थे-** फखर जमान हाल ही में नेशनल टी-20 कप के एक मैच में खेले। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर बताया कि बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में वे पूरी तरह फिट नहीं थे, लेकिन अब टी-20 टूर्नामेंट के लिए तैयार हैं।

● **बांग्लादेश दौरे में दोनों प्लेयर्स नहीं खेले-** दोनों खिलाड़ी बांग्लादेश दौरे से बाहर रहे थे, जिसमें पाकिस्तान को 1-2 से हार मिली। वहीं सूत्रों के मुताबिक, चोट की बात सामने आने से पहले ही चयनकर्ता वर्ल्ड कप में खराब फॉर्म के कारण बाबर को बाहर करने का फैसला कर चुके थे।

दिनेश कार्तिक फिर बने पिता, पत्नी दीपिका पल्लीकल ने तीसरे बच्चे को दिया जन्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक और स्क्वैश स्टार दीपिका पल्लीकल ने अपनी बेटी 'राहा पल्लीकल कार्तिक' के जन्म की घोषणा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ यह खुशी की खबर साझा की। कार्तिक ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, दिल में आशीर्वाद और शब्दों से परे कृतज्ञता के साथ हम खुशी-खुशी अपनी प्यारी बेटी का इस दुनिया में स्वागत करते हैं। कबीर और जियान अपनी छोटी बहन राहा पल्लीकल कार्तिक से मिलवाकर बहुत उत्साहित हैं। प्यार, दीपिका और दिनेश। कार्तिक और दीपिका ने साल 2015 में शादी की थी और पहले से ही दो बेटों कबीर और जियान के माता-पिता हैं। कार्तिक और दीपिका दोनों ही अपने-अपने क्षेत्रों के जाने-माने एथलीट हैं। कार्तिक ने भारतीय क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जबकि दीपिका ने एक अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश खिलाड़ी के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कार्तिक ने 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया था, उन्होंने अपना आखिरी मैच 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। 40 वर्षीय कार्तिक ने टेस्ट क्रिकेट में 26 मैचों और 42 पारियों में कुल 1025 रन बनाए। इस पूर्व भारतीय क्रिकेटर का औसत 25 रहा जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं।
वनडे क्रिकेट में इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने सितंबर 2004 में लॉर्ड्स के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ अपना डेब्यू किया था। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपना आखिरी वनडे मैच क्रिकेट विश्व कप 2019 के दौरान न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। वनडे मैचों में कार्तिक ने 94 मैचों और 79 पारियों में कुल 1752 रन बनाए। इस विकेटकीपर-बल्लेबाज का औसत 30.20 रहा जिसमें जिसमें 9 अर्धशतक शामिल हैं। कार्तिक ने टी-20 में 2006 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना डेब्यू किया और नवंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेला। इस सबसे छोटे फॉर्मेट में कार्तिक ने 60 मैचों की 48 पारियों में 26.38 की औसत से 686 रन बनाए। इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने एक अर्धशतक बनाया।

मेस्सी ने 900वां गोल किया, रोनाल्डो के क्लब में शामिल हुए

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका) (एजेंसी)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने अपने करियर का 900वां गोल करके अपनी कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ दिया। मेस्सी ने इंटर मियामी की तरफ से खेलते हुए बुधवार की रात को नैशविले के खिलाफ कॉनकाफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ 16 मैच के शुरुआती मिनटों में गोल करके यह उपलब्धि हासिल की।

लगातार दो बार मेजर लीग सॉकर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, आठ बार बैलोन डीओर विजेता और विश्व कप चैंपियन मेस्सी ने हमेशा की तरह अपने बाएं पैर से यह गोल किया। उन्हें खेल के सातवें मिनट में बॉक्स के बीच में पास मिला, उन्होंने गेंद को नियंत्रित किया और डिफेंडरों के बीच से उसे गोल पोस्ट के अंदर पहुंचा दिया।

आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार क्रिस्टियानो रोनाल्डो एकमात्र ऐसे पुरुष खिलाड़ी हैं जिन्होंने 900 से अधिक गोल किए हैं। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि हासिल करने में मेस्सी से लगभग 100 मैच अधिक खेले। रोनाल्डो ने सितंबर 2024 में अपने करियर के 900 गोल पूरे किए। उस समय उनकी उम्र 39 वर्ष थी जबकि मेस्सी जून में 39 वर्ष के होंगे। इस ऐतिहासिक गोल ने फुटबॉल जगत से बाहर के सितारों का भी ध्यान आकर्षित किया।

बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेमर मैजिक जॉनसन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि मेस्सी का 900 गोल तक पहुंचना अविश्वसनीय उपलब्धि है। कुछ लोगों का मानना ??है कि ब्राजील के दिग्गज पेले ने अपने करियर में 1,000 गोल का आंकड़ा पार कर लिया था, हालांकि आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार उन्होंने लगभग 800 गोल किए थे। विभिन्न स्रोतों के अनुसार पेले ने लगभग 1300 गोल किए थे। इनमें से कुछ गोल उन्होंने निचले स्तर की टीमों के खिलाफ किए थे।

पेले ने लीग मैचों में लगभग 650 गोल किए थे। नैशविले ने हालांकि मेस्सी को इस उपलब्धि का जश्न नहीं मानने दिया क्योंकि उसने इंटर मियामी को 1-1 से ड्रॉ पर रोका और अपने प्रतिद्वंद्वी के घरेलू मैदान पर गोल करने के आधार पर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछले हफ्ते नैशविले में राउंड ऑफ 16 के पहले चरण में गोलरहित ड्रॉ खेला था। यह उपलब्धि मेस्सी के करियर में अनगिनत पुरस्कारों और उपलब्धियों में शामिल हो गई है।

इनमें ला लीगा के शीर्ष स्कोरर के रूप में आठ ट्रॉफी, छह बार ला लीगा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार, तीन बार सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार, तीन बार यूईएफए पुरुष प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार, दो फीफा विश्व कप गोल्डन बॉल और 15 बार अर्जेंटीना का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जाना शामिल हैं।

मेस्सी ने क्लब और देश के लिए 47 ट्रॉफियां जीती हैं जिनमें अर्जेंटीना के लिए 2022 विश्व कप और इंटर मियामी के साथ पिछले सत्र का एमएलएस खिताब शामिल है। इस तरह वह पुरुष फुटबॉल के इतिहास में सबसे अधिक खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। मेस्सी लगभग दो दशक तक बार्सिलोना की तरफ से खेलते रहे और उन्होंने अपने आधे से अधिक गोल स्पेन के इस क्लब की तरफ से ही किए हैं।

आईपीएल 2026-

दिल्ली कैपिटल्स को मिला नया फील्डिंग कोच

आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर सौंपी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के आगामी सीजन से पहले आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जॉन मूनी को अपना नया फील्डिंग कोच बनाया है। वह दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी सपोर्ट स्टाफ में शामिल होंगे जिसमें हेमांग बदानी हेड कोच, भारत के पूर्व तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल (बॉलिंग कोच) और इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी इयान बेल (असिस्टेंट कोच) के तौर पर शामिल हैं। आईपीएल 2026 में वेणुगोपाल राव टीम के डायरेक्टर हैं। मूनी के पास इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड से लेवल 3, 2 और 1 के कोचिंग सर्टिफिकेट हैं, ने ज्ञानेश्वर राव और एंटोन रॉक्स की जगह ली है। ये दोनों 2025 सीजन के खत्म होने के बाद टीम से अलग हो गए थे। इस पूर्व आयरिश खिलाड़ी ने पहले 2018 से 2019 तक अफगानिस्तान के फील्डिंग कोच के तौर पर काम किया था, जब उन्होंने भारत में अपना टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने 2019 में वेस्ट इंडीज की पुरुष टीम के साथ भी काम किया था और इस साल जनवरी से आयरलैंड की महिला टीम के लिए टेम्पररी कोच के तौर पर काम कर रहे हैं।

उन्होंने आयरलैंड के लिए 91 इंटरनेशनल मैचों में हिस्सा लिया है जिसमें तीन आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप (2007, 2011 और 2015) और दो आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप शामिल हैं। अपने खेलने के दिनों में बाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज रहे 43 साल के मूनी ने 2006 से 2015 तक आयरलैंड के लिए 64 वनडे और 27 टी-20 मैच खेले। 2011 वर्ल्ड कप में बेंगलुरु में इंग्लैंड के खिलाफ आयरलैंड की ऐतिहासिक जीत में उन्होंने ही विनिंग रन बनाए थे। सीजन शुरू होने से पहले दिल्ली को एक बड़ा झटका लगा, जब उनके मेंटर केविन पीटरसन ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया। भारत के टी20 वर्ल्ड कप 2026 चैंपियन अक्षर पटेल एक और सीजन के लिए टीम की कप्तानी करेंगे। टीम में चरु राहुल और कुलदीप यादव जैसे अनुभवी भारतीय खिलाड़ी हैं, साथ ही ऑस्ट्रेलिया के बेहतरीन गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी हैं, जो विरोधी टीम को कड़ी टक्कर देंगे। दिल्ली कैपिटल्स पिछले सीजन में प्लेऑफ में जगह बनाने से बस जरा सा चूक गई थी। उन्होंने 14 मैचों में सात जीत दर्ज करके पांचवां स्थान हासिल किया था। उन्होंने अब तक आईपीएल की कोई भी ट्रॉफी नहीं जीती है और टीम 19वें सीजन में अपनी इस तलाश को खत्म करने की कोशिश करेगी।

गौतम गंभीर की पहचान का हो रहा गलत इस्तेमाल

हाई कोर्ट पहुंचे भारतीय कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के आईसीसी व्हाइट-बॉल वर्ल्ड कप चैंपियन, अर्जुन अवॉर्ड विजेता, पद्म श्री से सम्मानित पूर्व सांसद और भारतीय पुरुष राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने दिल्ली हाई कोर्ट (सीएस सीओएमएम आफ 2026) में एक सिविल केस दायर किया है। इसमें उन्होंने डिजिटल रूप से किसी और की पहचान अपनाने, एआई से बने डीपफेक और बिना इजाजत के कमर्शियल इस्तेमाल के एक सुनियोजित अभियान के खिलाफ अपने व्यक्तित्व और पब्लिसिटी अधिकारों की पूरी सुरक्षा की मांग की है।

एक प्रेस रिलीज के मुताबिक 2025 के आखिर से गंभीर की लीगल टीम ने इंस्ट्राग्राम एक्स और फेसबुक पर मनगढ़ंत डिजिटल कंटेंट में अचानक और चिंताजनक बढ़ोतरी देखी। कई अकाउंट्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फेस-स्वैपिंग और वॉइस-क्लोनिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके ऐसे असली जैसे वीडियो बनाए जिनमें गलत तरीके से दिखाया गया कि गंभीर ऐसे बयान दे रहे हैं जो उन्होंने कभी नहीं दिए। इनमें एक फर्जी इस्तीफे का ऐलान भी शामिल है जिसे 29 लाख से ज्यादा बार देखा गया और एक मनगढ़ंत क्लिप जिसमें उन्हें सीनियर क्रिकेटरों के वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के बारे में टिप्पणी करते हुए दिखाया गया था, जिसे 17 लाख से ज़्यादा बार देखा गया।

सोशल मीडिया के अलावा बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म भी बिना किसी इजाजत के उनके नाम और तस्वीर वाले पोस्टर और सामान बेचने में मदद कर रहे थे। यह केस 16 प्रतिवादियों के खिलाफ दायर किया गया है। 2.5 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग की गई है, साथ ही हिसाब-किताब पेश करने, स्थायी रोक लगाने और सभी उल्लंघनकारी सामग्री को हटाने की भी प्रार्थना की गई है। गौतम गंभीर ने कहा, मेरी पहचान, मेरा नाम, मेरा चेहरा, मेरी आवाज को कुछ गुमनाम खातों द्वारा गलत जानकारी फैलाने और मेरे नाम पर पैसे कमाने के लिए एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया गया है। यह सिर्फ निजी ठेस का मामला नहीं है; यह कानून, गरिमा और उस सुरक्षा का मामला है, जिसका हर सार्वजनिक हस्ती आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में हकदार है।

इस मुकदमे में सभी प्रतिवादियों पर स्थायी रोक लगाने की मांग की गई है, ताकि वे गंभीर के नाम, छवि, आवाज या व्यक्तित्व का एआई डीपफेक तकनीक, मॉर्फिंग और फेस-स्वैपिंग सहित किसी भी माध्यम से उनकी स्पष्ट लिखित सहमति के बिना उपयोग, पुनरुत्पादन या दुरुपयोग न कर सकें। इसके साथ ही सीपीसी के आदेश एक्सएक्सएक्सआईएक्स नियम 1 और 2 के तहत एकपक्षीय अंतरिम रोक के लिए एक तत्काल आवेदन भी दायर किया गया है जिसमें सभी उल्लंघनकारी सामग्री को तुरंत हटाने और अंतिम सुनवाई होने तक उसके आगे प्रसार पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

ईरान की महिला फुटबॉल टीम स्वदेश लौटी

● 2 प्लेयर्स ने ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने का फैसला किया, एशिया कप में राष्ट्रगान नहीं गाया था

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में शरण मांगने के विवाद के बाद ईरान की महिला फुटबॉल टीम स्वदेश लौट आई है। ईरानी मीडिया के अनुसार, टीम तुर्की के रास्ते ईरान पहुंची, जहां सीमा पर अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टीम पहले तुर्की उतरी और वहां से बस के जरिए ईरान की सीमा में दाखिल हुई। इस दौरान कुछ अधिकारियों ने खिलाड़ियों का स्वागत किया। इस मामले ने तब सुर्खियां बटोरी थीं जब टीम की कुछ खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया में शरण मांगी थी। हालांकि, बाद में कई खिलाड़ियों ने अपना फैसला बदल लिया और टीम के साथ वापस लौट आई।

अहमदाबाद में खुलने जा रही सचिन तेंदुलकर की वर्ल्ड-क्लास स्पोर्ट्स एकेडमी

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में जमीनी स्तर के खेलों के विकास में एक बड़ा बदलाव आने वाला है। सचिन तेंडुलकर द्वारा समर्थित एसआरटी 0 अल्टेवोल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी शुरू होने जा रही है जो एक हाई-परफॉरमेंस ट्रेनिंग सेंटर है। 10 अप्रैल से शुरू होने वाली इस एकेडमी का लक्ष्य 5 साल और उससे अधिक उम्र के उभरते खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय क्रिकेट ट्रेनिंग उपलब्ध कराना है। हालांकि इसके लॉन्च की योजना पिछले साल ही बना ली गई थी, लेकिन अब यह एकेडमी तकनीक, फिटनेस और भविष्य की तैयारी पर केंद्रित ट्रेनिंग मॉड्यूल के साथ अपना कामकाज शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

टी20 वर्ल्ड कप जीत के बाद अजित अगारकर की बड़ी मांग

2027 वर्ल्ड कप तक पद पर बने रहने की जताई इच्छा

नईदिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर अजीत आगरकर ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक अपने पद पर बने रहने की इच्छा जताई है। भारत के लगातार शानदार प्रदर्शन के बीच यह मांग ऐसे समय आई है, जब टीम एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। अब यह फैसला बोर्ड ऑफ कंट्रोल फार क्रिकेट इन इंडिया के लिए काफी अहम बन गया है।

सही समय पर आई यह मांग क्यों है खास - भारत अब 2027 वर्ल्ड कप के नए चक्र में प्रवेश कर रहा है, जहां टीम को नए सिरे से तैयार करने की जरूरत है। ऐसे में सेलेक्शन कमेटी में निरंतरता बनाए रखना टीम के भविष्य के लिए अहम माना जा रहा है। पिछले कुछ सालों में आईसीसी टूर्नामेंट्स में मिली सफलता ने अगारकर के पक्ष को और मजबूत किया है।

बीसीसीआई ने अभी नहीं लिया अंतिम फैसला - रिपोर्ट्स के मुताबिक, बोर्ड के भीतर इस मुद्दे पर चर्चा शुरू हो चुकी है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। बोर्ड ऑफ कंट्रोल फार क्रिकेट इन इंडिया के सामने दो विकल्प हैं–या तो अगारकर के साथ निरंतरता बनाए रखें या फिर नए सेलेक्टर के साथ नई शुरुआत करें।

अगारकर का कार्यकाल रहा बेहद सफल - जून 2023 में जिम्मेदारी संभालने के बाद अजीत आगरकर के कार्यकाल में भारत ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। टीम ने आईसीसी मैंस टी-20वर्ल्ड कप आईसीसी चैंपियन ट्राफी 2025 2025 और आईसीसी मैंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जैसे बड़े खिताब जीते। इसके अलावा 2023 वनडे वर्ल्ड कप में टीम फाइनल तक पहुंची और एशिया कप भी अपने नाम किया।

ट्रांजिशन फेज सबसे बड़ी चुनौती - इस समय भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ी टी20 और टेस्ट से दूर हो चुके हैं, जबकि अश्विन संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में नए खिलाड़ियों को तैयार करना और टीम का संतुलन बनाए रखना अगारकर के लिए बड़ी जिम्मेदारी है।

मियामी ओपन में केटी बोल्टर ने की जीत के साथ शुरुआत

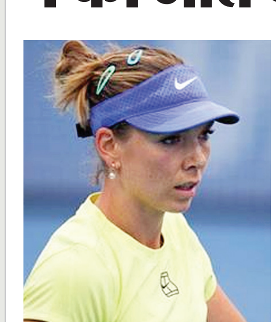

फ्लोरिडा (अमेरिका) (एजेंसी)। ब्रिटिश की नंबर तीन खिलाड़ी केटी बोल्टर ने मियामी ओपन में अपने अभियान की शुरुआत पहले राउंड में स्पेन की जेसिका बुजास मानेइरो पर जीत के साथ की। बोल्टर ने दुनिया की 48वें नंबर की खिलाड़ी के खिलाफ पहले सेट के टाई-ब्रेक में 6-2 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए छह सेट पॉइंट बचाए। बोल्टर ने स्पेन की मानेइरो को 7-6 (11-9), 6-4 से हराया। बोल्टर ने पिछले महीने ओस्ट्रावा ओपन जीता था और टॉप 100 से बाहर होने के बाद अब रैंकिंग में 67वें स्थान पर पहुच गई हैं। मुकाबला जीतने के बाद बोल्टर ने कहा, मुझे पता है कि वह कितनी अच्छी खिलाड़ी हैं और आज रात हमारे टेनिस का स्तर और गुणवत्ता काफी अच्छी थी। यह मुश्किल था। मुझे ऐसा लग रहा था कि मुझे हर बार एक 'विनर' शॉट मारना होगा, वरना वह मार देंगी।

संक्षिप्त समाचार

भगवान के यश संकीर्तन से समाप्त होते है संकटः डॉ. भारतभूषण

आरा। जगदेव नगर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह के दूसरे दिन श्रद्धा व आस्था के बीच भक्तिमय माहौल रहा। प्रवचन करते हुए श्रीमत्सनातनशक्तिपीठ ध्यक्ष आचार्य डा. भारतभूषण जी महाराज ने कहा कि ऊपर भगवान का बल, पृथ्वी पर धर्म का बल, व्यवहार में शास्त्र का बल और इनका उपदेश करनेवाले सद्गुरु का आश्रय ही जीवन का असली संबल है। इनसे विरहित जीवन वास्तव में दीन-हीन और अंधकारमय होता है। चौबीस अवतारों की कथा कहते हुए उन्होंने कहा कि संसार के रक्षण और शिक्षण के लिए ही भगवान विविध अवतार लेते हैं। नारद चरित्र, कुंती स्तुति और भीष्म चरित्र का विशद वर्णन करते हुए आचार्य ने भगवान के गुणानुवाद और उनकी महिमा को जीवन पथ का पाथेय निरूपित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में आनेवाले सभी संकट भगवान के यश संकीर्तन और उनके चरणकमलों के स्मरण से ही समाप्त हो जाते हैं। भगवान के आश्रित जीव को किसी संकट का दुष्प्रभाव बाधित नहीं कर पाता है। देवर्षि नारद सत्संग के बल पर ब्रह्मा जी के पुत्र और भगवान के अवतार बने। उन्होंने भागवत कथा का उपदेश कर भगवान वेदव्यास की खिन्नता दूर की। कुंती माता ने श्रीकृष्ण के बार-बार दर्शनों के लिए विपत्तियों का वरदान मांगा। पितामह भीष्म ने श्रीकृष्ण के श्रीमन्नारायण स्वरूप का दर्शन महाभारत युद्ध में भी किया और पांडवों को दानधर्म, राजधर्म, मोक्षधर्म, भगवद्धर्म, स्त्रीधर्म आदि का उपदेश करते हुए श्रीकृष्ण की शरणागति की महिमा का गान किया। किसी भी परिस्थिति में नहीं करना चाहिए स्वधर्म का त्याग आचार्य ने कहा कि वेदों का प्रतिपाद्य धर्म और ब्रह्म है जिसका भागवत में यथार्थतः निरूपण हुआ है। धर्मनिष्ठ राजा के शासन में पृथ्वी पर स्वर्ग उतर आता है। युधिष्ठिर से परीक्षित तक के शासन में पृथ्वी पर प्रजा स्वर्ग के सुखों से संपन्न हो गई थी। कलियुग स्तंभित हो गया था। उन्होंने कहा कि परीक्षित ने कलियुग को धर्म से अलग अधर्म के साथ असत्य, मद, आसक्ति, वैर और लोभ जो क्रमशः द्युत, मद्यपान, स्त्रीसंग, हिंसा और स्वर्ण आदि दुर्व्यसनों में रहते हैं,जोड़ दिया था। इससे घोर कलिकाल में भी धर्म और धार्मिक लोग सुरक्षित रहते हुए अपने कर्तव्य का आनन्दपूर्वक पालन कर सकते हैं। आचार्य ने शास्त्रोक्त धर्म के दृढ़तापूर्वक पालन पर बल देते हुए कहा कि लोक-परलोक में हमारे सुखों का यही एकमात्र आधार है। किसी भी परिस्थिति में स्वधर्म का त्याग नहीं करना चाहिए। सर्वतोभद्रमंडल का पूजन-अर्चन पं. संजय द्विवेदी ने कराया। अतिथियों का स्वागत संयोजक बृजबिहारी सिंह, सचिव त्रिलोकी नाथ सिंह, वंशीधर पाण्डेय, जगदीप नारायण ओझा, मधेश्वर नाथ पांडेय, सुनील सिंह विद्यार्थी, मुरारी मोहन ओझा, सुरेश सिंह, श्रीकृष्ण प्रसाद गुप्ता व वासुदेव सिंह समेत अन्य लोगों ने किया।

भागवत कथा जीवन को सही दिशा देने वाली है और यह कभी पुरानी नहीं होती

आरा। महावीर मंदिर रमना में श्रीमद् भागवत कथा एवं राम कथा का शुभारंभ बड़े ही धार्मिक माहौल में किया गया। सुबह अयोध्या धाम से पधारे संत मधुसूदन जी महाराज के नेतृत्व में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने जलभरी कार्यक्रम में भाग लिया। कलश यात्रा मंदिर परिसर से निकलकर कलेक्ट्री घाट पहुंची, जहां से पवित्र जल लेकर पुनः मंदिर में समापन हुआ और यज्ञ का विधिवत शुभारंभ किया गया। कलश यात्रा के दौरान भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। वृंदावन से आए कलाकारों ने झांकियों के माध्यम से धार्मिक प्रसंगों का जीवंत प्रदर्शन किया। उनकी प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया और श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।कार्यक्रम में प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण करने पहुंच रहे हैं। महंत सुमन बाबा, अध्यक्ष सतेन्द्र नारायण सिंह एवं त्रिवेणी सिंह के नेतृत्व में आयोजन भव्य रूप से संपन्न हो रहा है। अतिथियों ने किया कथा मंच का उद्घाटन भागवत कथा मंच का उद्घाटन महंत सुमन बाबा, पूर्व विधायक अमरेंद्र प्रताप सिंह, अध्यक्ष सतेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष गुड्डू सिंह बाबुआन, ठाकुर राजकिशोर सिंह, सत्यनारायण उपाध्याय, संजय राय, कुमार मोहित एवं अभय विश्वास भट्ट सहित कई गणमान्य लोगों ने किया। अयोध्या से पधारे संत मधुसूदन जी महाराज ने अपने प्रवचन में भगवान के नाम की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भागवत कथा जीवन को सही दिशा देने वाली है और यह कभी पुरानी नहीं होती। कथा के माध्यम से उन्होंने भक्ति, सदाचार और आध्यात्मिक जीवन के महत्व को समझाया।

दानी यादव को तीन साल की जेल, कोर्ट ने सुनाया फैसला

आरा| आर्म्स एक्ट के एक अपराध में प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी अनीता कुमार ने बुधवार को अस्पताल रोड बिहियां निवासी दानी यादव को 3 वर्ष का कठोर करवा एवं कुल 20हजार रुपया जुर्माना की सजा सुनाई। अभियोजन की ओर से अभियोजन पदाधिकारी संदीप सिंह सचान एवं अभिमन्यु कुमार ने संचालन एवं बहस किया था। अभियोजन पदाधिकारी श्री सचान ने बताया कि 19 मार्च 2025 को बिहियां थाना के तत्कालीन पुलिस अवर निरीक्षक उदय शंकर ने गुप्त सूचना पर सशस्त्र बल के साथ दानी यादव के घर छापामारी के लिए गये थे। जब घर के पास पहुचने पर पुलिस बल को देखकर दानी यादव भागने लगा तो उसे पकड़ लिया गया। पिस्तौल के बारे पर पूछने उसने बताया कि घर के छत पर के कमरे में है। उसके घर के तलासी के दौरान कमरा से देसी कट्टा एवं जिंदा कारतूस बरामद हुआ था।

जयप्रकाश कॉलेज के छात्रों का हंगामा, अवैध वसूली का आरोप

आरा। जयप्रकाश कॉलेज में प्रबंधन द्वारा छात्रों से अवैध तरीके से अधिक राशि वसूले जाने का मामला सामने आने के बाद बुधवार को छात्रों का आक्रोश फूट पड़ा। परीक्षा समाप्त होने के बाद 11वीं कक्षा के छात्र-छात्राएं कॉलेज परिसर से बाहर निकलकर गेट के समीप जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। सत्र, 2025 -27 के छात्र विवेक कुमार यादव का कहना है कि यह प्रदर्शन पिछले कई दिनों से जारी है। मंगलवार को मामले में पुलिस को भी हस्तक्षेप करना पड़ा था, लेकिन कॉलेज प्रबंधन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे नाराज होकर हमलोगों ने बुधवार को एक बार फिर परीक्षा के बाद अपना विरोध तेज कर दिया है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने आरोप लगाया कि उनसे सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क से अधिक पैसे लिए जा रहे हैं। पैसे नहीं देने पर उनके करियर को खराब करने की धमकी दी जाती है। छात्रों ने एडमिशन और रजिस्ट्रेशन की रसीद दिखाते हुए बताया कि 11वीं की परीक्षा के लिए भी उनसे 1700 से 1800 रुपये तक लिए जा रहे हैं, जबकि इसका कोई प्रावधान बिहार बोर्ड के पोर्टल पर नहीं है। छात्रों ने कॉलेज की व्यवस्थाओं पर भी गंभीर सवाल उठाए। उनका कहना है कि कॉलेज में नियमित कक्षाएं नहीं चलतीं और न ही बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। भीषण गर्मी में बिना पंखे वाले कमरों में परीक्षा ली जा रही है, जबकि कर्मचारियों के कमरों में सभी सुविधाएं मौजूद हैं। पीने के पानी और शौचालय जैसी सुविधाओं के लिए भी छात्रों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। छात्रों के अनुसार, यह पहली बार नहीं है जब उनसे पैसे की मांग की गई है। पहले भी पैसे नहीं देने पर फॉर्म नहीं भरने की धमकी दी जाती रही है। इधर, कर्मचारियों ने प्रधानाचार्य के अनुपस्थित होने की बात कही।

मामले की होगी जांच : डीईओः जिला शिक्षा पदाधिकारी मानवेंद्र कुमार राय ने बताया कि मामले की जांच के लिए जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है और कॉलेज प्रबंधन से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा । उन्होंने स्पष्ट कहा कि छात्रों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि अवैध वसूली का मामला सत्य पाया जाता है तो सख्त कार्रवाई होगी।

मध्य प्रदेश का युवक 3 साल बाद परिवार से मिला

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। बक्सर जिले के डुमरांव थाना क्षेत्र में तीन साल से लापता एक युवक को उसके परिवार से मिलाया गया है। मध्य प्रदेश के सीधी जिले का यह युवक तीन साल पहले बनारस में लापता हो गया था। डुमरांव पुलिस की तत्परता से उसकी पहचान संभव हो सकी। मध्य प्रदेश के सीधी जिले के रामपुर गांव निवासी 27 वर्षीय छोटू कौल लगभग तीन साल पहले रोजगार की तलाश में बनारस गया था। परिजनों ने बताया कि वह वहां फल का ठेला लगाकर गुजारा करता था। कुछ समय बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और वह मानसिक रूप से अस्थिर हो गया, जिसके बाद वह अचानक लापता हो गया। परिवार उसकी लगातार तलाश कर रहा था।

युवक को थाने ले आई पुलिसः बुधवार रात डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा को सूचना मिली कि बंझू डेरा के पास एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूम रहा है। वह अपना नाम और पता ठीक से नहीं बता पा रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को थाने ले आई। प्रारंभिक पूछताछ में युवक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं लग रही थी, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा था। पुलिस द्वारा लगातार प्रयासों और पूछताछ के बाद युवक ने धीरे-धीरे अपना नाम और घर का पता बताया। इस जानकारी के आधार पर उसके परिजनों से संपर्क किया गया। सूचना मिलने पर परिजन भी डुमरांव पहुंच गए।

छोटू को भाई के साथ भेजा गया घरः गुरुवार को युवक का भाई पंकज कौल थाने पहुंचा। आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद छोटू को उसके भाई के साथ घर भेज दिया गया। लंबे समय बाद बेटे के मिलने से परिवार में खुशी का माहौल है। परिजनों ने बताया कि तीन साल की तलाश के बाद उसके सुरक्षित मिलने से उन्हें बड़ी राहत मिली है। साथ ही यह भी स्पष्ट होता है कि मानसिक रूप से अस्वस्थ लोगों की पहचान और देखभाल समाज और प्रशासन दोनों के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य है।

पिता ने 6 माह की बेटी को मंदिर में पटका

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। भोजपुर में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक पिता ने अपनी छह माह की मासूम बेटी को हनुमान मंदिर परिसर में पटक दिया। गंभीर रूप से घायल बच्ची को आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के छोटकी इटहना गांव की है। मृत बच्ची की पहचान धोबहा के पुरुषोत्तमपुर गांव निवासी दीपांकर कुमार की पुत्री आराध्या कुमारी के तौर पर हुई है। मां सुनती कुमारी ने बताया कि पिछले एक महीने से पति की तबीयत खराब चल रही है। उनकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं थी। इसी वजह से उन्हें छोटकी इटहना गांव स्थित औघड़ बाबा के पास दिखाने के लिए ले जाया करती थी।

संभलने का मौका तक नहीं मिलाः सुनती कुमारी ने आगे बताया कि बुधवार की शाम भी पति और बच्ची के साथ वहां पहुंची थी। इसी

दौरान बच्ची ने शौच कर दिया। साफ करने के बाद बेटी को अपने पति की गोद में दे दिया। इसके बाद खुद कपड़ा धोने चली गई। इसी बीच, मानसिक रूप से अस्वस्थ पिता ने अचानक बच्ची को उठाकर मंदिर में पटक दिया। जब तक कुछ समझ पाती, तब तक बच्ची की हालत बेहद नाजुक हो चुकी थी। उसे तुरंत इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घर में मचा कोहरामः सुनती कुमारी की शादी तीन साल पहले हुई थी। आराध्या उनकी इकलौती संतान थी।

छह घंटे तक आज बिजली गुल रहेगी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। आरा में आज(19 मार्च 2026) छह घंटे तक बिजली कटेगी। पूर्वी गुमटी PSS से सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक सप्लाई ठप रहेगी। शटडाउन के दौरान मेंटेनेंस वर्क और खराब कनेक्टरों को बदला जाएगा। इसके अलावा आरा शहरी फीडर संख्या-3 से सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक बिजली गुल रहेगी। मेन लाइन का मेंटेनेंस और ट्री कंटिंग का काम होगा। साथ ही क्षेत्र के सभी पोल और जर्जर तार की भी मरम्मती की जाएगी। ताकि उपभोक्ताओं को बिजली से संबंधित कोई भी समस्या उत्पन्न न हो।

विभाग की ओर से अलर्ट जारीः सहायक विद्युत अभियंता ने सहयोग की अपील करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को कोई दिक्कत न हो इसके लिए विभाग की ओर से अलर्ट जारी किया गया है। समय से अपना जरूरी काम निपटा लें। पानी की व्यवस्था कर लें। उपभोगताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद

है। मेंटेनेंस वर्क पूरा होते ही सप्लाई चालू कर दी जाएगी।

इन इलाकों में कटेगी बिजलीः बघउतपुर, आनंद नगर, सपना सिनेमा रोड, नेहरू नगर, श्री टोला, बस स्टैंड, रस्सीबागन, जवाहर टोला, शिवपुर, करमन टोला, नवादा, मठिया, महादेवा रोड, जेल रोड, चरखंबा गली, सपना सिनेमा रोड, सदर हॉस्पिटल, P मेहरा रोड, मिल रोड, गोपाली चौक, महाजन टोली, नवादा के आसपास विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। आरा शहरी फीडर सं0-3 के संकट मोचन नगर, चंदवा मोड़, चंदवा गांव, हाउसिंग, रामनगर, कश्यप नगर, लक्ष्मी नगर, चंदवा सूर्यमंदिर, न्यू पुलिस लाइन के आसपास इलाकों में बिजली गुल रहेगी।

शांति समिति की मीटिंग, प्रशासन अलर्ट

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। बक्सर में आगामी ईद-उल-फितर, चैती छठ और रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण तथा सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में जिला पदाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें जिले के वरीय पदाधिकारी, शांति समिति के सदस्य और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रखंड स्तर के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में डीएम ने मार्च माह में पड़ने वाले प्रमुख पर्वों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 20 और 21 मार्च को ईद-उल-फितर, 24 और 25 मार्च को चैती छठ तथा 27 मार्च को रामनवमी मनाई जाएगी। वर्तमान में चल रहे रमजान माह के मद्देनजर मस्जिदों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।

साफ-सफाई, पेयजल और प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देशः ईद-उल-फितर को लेकर जिला पदाधिकारी ने नगर निकायों को ईदगाहों और मस्जिदों के आसपास साफ-सफाई, पेयजल और प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। 20 मार्च को अंतिम जुम्मे की नमाज को देखते हुए विशेष तैयारी रखने को कहा गया। चैती छठ पर्व के लिए गंगा घाटों पर विशेष व्यवस्था के निर्देश दिए गए। नगर परिषद बक्सर को घाटों की साफ-सफाई, रोशनी, श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन और गोताखोरों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया है। साथ ही सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी कैमरों को सक्रिय रखने का भी निर्देश दिया गया।

शत-प्रतिशत लाइसेंस अनिवार्य किया गयाः रामनवमी को लेकर प्रशासन ने सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जुलूस निकालने के लिए शत-प्रतिशत लाइसेंस अनिवार्य किया गया है और जुलूस केवल पूर्व निर्धारित मार्गों पर ही निकाले जाएंगे। जुलूस में भड़काऊ नारे, उत्तेजक गीत और प्रतिबंधित हथियारों के प्रदर्शन पर पूर्ण रोक रहेगी। साथ ही किसी भी समुदाय की भावना को आहत करने वाली झांकी या दृश्य पर प्रतिबंध रहेगा। इस दौरान डीजे के उपयोग पर पूरी तरह रोक लगाने का निर्देश दिया गया है।

जुलूस मार्गों का भौतिक सत्यापन करने का निर्देशः डीएम ने अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर और डुमरांव को जुलूस मार्गों का भौतिक सत्यापन करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, सभी संवेदनशील स्थानों पर दंडाधिकारी, पुलिस बल की तैनाती और नियंत्रण कक्ष स्थापित कर विधि-व्यवस्था की लगातार निगरानी की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे आपसी भाईचारे और शांति बनाए रखते हुए त्योहारों को मिल-जुलकर मनाएं।

सड़क हादसे में घायल बीएमपी हवलदार की मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। पश्चिमी चंपारण जिले के बगहा एडीएम ऑफिस के पास सड़क हादसे में घायल बीएमपी हलवदार की मौत हो गई। अस्पताल पहुंचने पहले रास्ते में दम तोड़ दिया। मृतक जवान सत्येंद्र कुमार सिंह(55) भोजपुर के चांदी थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। मृतक जवान के भाई राजेश्वर कुमार ने बताया कि गहा अनुमंडल में एडीएम आवास में ड्यूटी पर तैनात थे। 16 मार्च की सुबह किसी काम से जा रहे थे। रास्ते में बाइक सवार ने टक्कर मार दी। सहकर्मियों ने इलाज के अनुमंडलीय अस्पताल में एडमिट कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने रेफर कर दिया। पटना में इलाज कराकर वापस गांव ले आए थे।

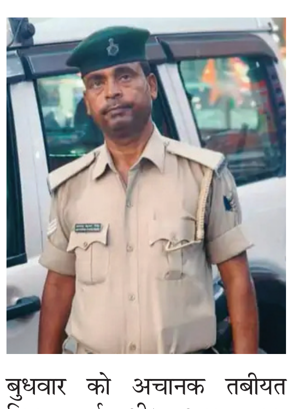

घर में मचा कोहरामः बुधवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। आरा सदर हॉस्पिटल लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। परिवार में पत्नी सीता देवी, दो पुत्री प्रियंका, प्रिया और दो पुत्र सुधीर, सुभाष है। परिवार के सभी सदस्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

तिलहन-दाल पर न्यूनतम समर्थन मूल्य गारंटी से आत्मनिर्भर बनेगा भारत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने लोकसभा में किसानों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। उन्होंने सरकार की कृषि नीति पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि तिलहन और दालों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की गारंटी मिलने से भारत इन क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बन सकता है। सांसद सिंह ने संसद में बताया कि सरकार वर्तमान में धान और गेहूं पर एमएसपी की बात करती है, लेकिन तिलहन और दाल जैसी आवश्यक फसलों को अनदेखा किया जा रहा है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि देश हर साल लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपये का तिलहन और करीब 50 हजार करोड़ रुपये की दाल विदेशों से आयात करता है। इससे देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा बाहर जा रही है, जिसका लाभ भारतीय किसानों के बजाय विदेशी कंपनियों को मिल रहा है।

किसान इन फसलों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित नहीं हो पा रहेः उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की इच्छाशक्ति की कमी के कारण किसान इन फसलों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित नहीं हो पा रहे हैं। सुधाकर सिंह के अनुसार, यदि सरकार एमएसपी की गारंटी देती है, तो देश के किसान तिलहन और दाल उत्पादन में क्रांति ला सकते हैं, जिससे आयात पर निर्भरता समाप्त हो जाएगी। सांसद ने यह भी याद दिलाया कि भारत पहले तेल उत्पादन में आत्मनिर्भर था। उस समय एमएसपी नहीं था, बल्कि आयात शुल्क (इंपोर्ट ड्यूटी) बढ़ाकर किसानों को संरक्षण दिया जाता था। उन्होंने बताया कि विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत विकासशील देशों को कृषि क्षेत्र में 3 प्रतिशत से लेकर 300 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाने की छूट है, जिसका उपयोग वे अपने किसानों की सुरक्षा के लिए कर सकते हैं।

आयात शुल्क बढ़ाने और MSP की कानूनी गारंटी सुनिश्चित करने की मांगः सुधाकर सिंह ने सरकार से मांग की कि वह इस छूट का लाभ उठाते हुए तिलहन और दाल पर आयात शुल्क बढ़ाए और एमएसपी की कानूनी गारंटी सुनिश्चित करे। उनका मानना है कि इन कदमों से किसानों की आय में वृद्धि होगी, देश की विदेशी मुद्रा बचेगी और भारत खाद्य तेल व दाल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकेगा। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि थोड़े से आर्थिक निवेश और सही नीतिगत फैसलों से देश कृषि क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकता है, जिसके लिए केवल मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है।

श्रद्धा का सैलाब, चांदी में भव्य जलयात्रा के साथ शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ, गूंजे वैदिक मंत्र

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कोईलवर। स्थानीय कोईलवर प्रखंड के चांदी गांव में बुधवार को श्री ग्राम देवी प्रतिष्ठात्मक शतचंडी महायज्ञ का भव्य शुभारंभ जलयात्रा सह शोभायात्रा के साथ हुआ। गाजे-बाजे, धर्म-ध्वज और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पारंपरिक वेशभूषा में सजी-धजी महिलाएं सिर पर कलश लिए और पुरुष श्रद्धालु ध्वज के साथ कतारबद्ध होकर जब शोभा यात्रा जब चांदी गांव से निकली तो आस्था और भक्ति का अद्भुत सैलाब उमड़ पड़ा। यात्रा बहियारा स्थित प्राचीन पहाड़ी बाबा मंदिर होते हुए सोन नदी घाट तक पहुंची। जहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने कलश में पवित्र जल लेकर यज्ञस्थल पर पहुंचे। इस दौरान लगभग आधा किलोमीटर दूरी तक सड़क श्रद्धालुओं से पट गई और पूरा मार्ग भक्ति गीतों व जयकारों से गूंज उठा। चांदी गांव यज्ञस्थल पर पहुंचने पर बनारस से आए विद्वान पंडितों व धर्माचार्यों की अगुवाई में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञीय अनुष्ठानों का शुभारंभ किया गया। इस दौरान पूरे वातावरण में हवन की सुगंध और मंत्रों की गूंज से आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता रहा।

नौ दिवसीय शतचंडी यज्ञ का हो रहा आयोजनः ग्रामीणों ने बताया कि गांव के प्राचीन ग्राम देवी मंदिर का हाल ही में जीर्णोद्धार कराया गया है। उसी के उपलक्ष्य में देवी की प्राण-प्रतिष्ठा हेतु इस नौ दिवसीय शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। यज्ञ समिति के सदस्यों के अनुसार महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश, दुर्गा सप्तशती पाठ, देव आह्वान, जलाधिवास, अरणी मंथन, विशेष ग्राम देवी पूजन सहित कई धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। गुरुवार को मुख्य आकर्षण के रूप में प्राण-प्रतिष्ठा एवं विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा।जिसमें दूर-दराज से हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इसके साथ ही प्रतिदिन संध्या में काशी से आए विद्वान पंडितों द्वारा प्रवचन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें धर्म, संस्कृति और जीवन मूल्यों पर विस्तृत चर्चा होगी।

चार साल की बच्ची की मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। भोजपुर में गर्म माढ़ में गिरने से मासूम बच्ची झुलस गई। आनन-फानन में इलाज के लिए परिजन सदर अस्पताल पहुंचे। जहां इमरजेंसी वार्ड में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका की पहचान फिनगी गांव निवासी रंजीत कुमार की पुत्री कोमल कुमारी(4) के तौर पर हुई है। घटना बिहिया थाना क्षेत्र की है। बड़े चाचा संजीत कुमार ठाकुर ने बताया कि मां ने चावल पसाकर गर्म माढ़ जमीन पर रख दिया। बच्ची पास में ही अपने भाई के साथ खेल रही है। अचानक उसका पैर फिसला और वह गर्म माढ़ में गिर पड़ी। इलाज के लिए बिहिया पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां उसने दम तोड़ दिया।

घर में मचा कोहरामः मृत बच्ची अपने तीन भाई-बहन में सबसे बड़ी थी। मां-बाप की इकलौती लड़की थी। परिवार में मां निशा देवी और जुड़वा भाई है। मौत के बाद घर में कोहराम मच गया। परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।